राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्धारित नवीनतम् एवं संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार

SCHOOL BOOKS

आरोही

हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

(6-8)

आरोही–6 ... 3
आरोही–7 ...26
आरोही–8 ...49

1 इतने ऊँचे उठो

मौखिक

1. हमें दुनिया को समान भाव से देखना चाहिए।
2. हमारे भीतर धरती को स्वर्ग बनाने की चाह होनी चाहिए।
3. नए और आविष्कारी कार्यों से हम वर्तमान का रूप सँवार सकते हैं।

लिखित

(क) 1. जाति, धर्म और रंग का भेदभाव मिटाने के लिए समता का भाव रखना आवश्यक है।
2. जीवन का चिरंतन सत्य गति है।
3. सूरज, चाँद, चाँदनी और तारे हमारे साथ प्रतिपल रहते हैं।

(ख) 1. नई पीढ़ी के नए विचारों से नई सोच, नए आविष्कारों द्वारा वर्तमान की कुरीतियाँ, भ्रष्टाचार आदि को सँवारा जा सकता है।
2. गगन के समान ऊँचा उठने के लिए हमें देशहित, समाजहित तथा मानवता के लिए अच्छे कार्य करने होंगे।
3. 'निरन्तर गतिशील बने रहो' कवि ने ऐसा लगातार किसी-न-किसी कार्य में संलग्न रहने के लिए कहा है।
4. हम धरती को स्वच्छता के कार्य अपनाकर नए पेड़-पौधे उगाकर तथा अच्छे कार्य करके सुन्दर बना सकते हैं।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (ग); 4. (ख)

भाषा की बात

1. (क) ऊँचाई; (ख) सुन्दरता; (ग) गोरापन; (घ) वीरता; (ङ) जलन; (च) चाहत; (छ) अपनापन; (ज) शीतलता।
2. (क) विराग; (ख) स्वर्ग; (ग) अनाकर्षण; (घ) मरण; (ङ) नवीन; (च) सत्य; (छ) भूतकाल; (ज) रूपहीन या कुरूप।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. अपने देश/समाज को गगन के समान ऊँचा उठाने के लिए हमें अपने अन्दर स्थित सभी बुराइयों को दूर भगाना होगा, अच्छे गुण विकसित करने होंगे तथा भेदभाव को दूर करना होगा।
2. नई तूलिका से अर्थ नई सोच, नए आविष्कार तथा अच्छे-सच्चे कार्य हैं। इन्हें करके हम नए संसार की रचना कर सकते हैं।

2 जीता कौन?

मौखिक

1. एक पूर्वज की गलती से पूरी जाति के मुँह पर कालिख पुत जाने के कारण युवा खरगोश गुस्से में था।
2. कछुए प्रतियोगिता से इसलिए बचना चाह रहे थे, क्योंकि वे जानते थे कि खरगोश से जीता नहीं जा सकता।
3. वृद्ध कछुए ने मनुष्य जाति की सहायता लेने की सोची।
4. वृद्ध कछुए ने तिकड़मदास को स्वर्ण मुद्राओं की थैली भेंट की।

लिखित

(क) 1. उक्ति को बदलने के लिए युवा खरगोश ने कछुओं को दौड़ के लिए ललकारा।

2. वृद्ध कछुए ने यह कहकर दौड़ टालने की कोशिश की – "भाई खरगोश! अब दौड़ की क्या जरूरत है, दौड़ जो होनी थी हो चुकी। सारे जमाने को उसके नतीजे का पता है। अब बार-बार दौड़ नहीं होगी।"

3. वृद्ध कछुए की आदमी के बारे में राय थी कि आदमी सोचने-समझने में उनसे अधिक ताकतवर है। अगर वह उनकी सहायता करना चाहे तो कोई-न-कोई जुगाड़ जरूर निकाल लेगा।

4. तिकड़मदास ने रैफरी की शर्तें बताईं – "रैफरी का निर्णय सर्वमान्य होगा। हारे हुए सदस्य को भविष्य में दूसरे प्रतियोगी की कौम को दौड़ने के लिए चुनौती देने का अधिकार नहीं रह जाएगा।"

(ख) 1. चुनौती से बचने के लिए बुजुर्ग कछुए ने कई तर्क दिए। उसने कहा, "देखो, तुम जवान हो गए हों। हम वृद्ध हो चुके हैं। अब तुमसे क्या दौड़ लगाएँगे। जवानी में कुछ कहते, तो सोचते भी।" पर खरगोश न माना तो कछुए ने दोबारा कहा, "भाई, हम झगड़े फसाद में विश्वास नहीं रखते। जैसे चल रहा है, वैसे चलने दो। हमें अब कोई दौड़ नहीं लगानी।"

2. खरगोश ने अपनी शर्तें रखी – "मैं कल फिर आऊँगा। इस बार मेरे साथ प्रेस और फोटोग्राफर भी होंगे। अगर कोई कछुआ दौड़ लगाने के लिए राजी नहीं हुआ, तो समझ लेना कहावत बदल जाएगी। देश-विदेश के अखबारों में छपेगा कि अब खरगोश कछुए से दौड़ जीत गया है। खुली चुनौती के बाद भी कछुआ दौड़ में खरगोश को हरा नहीं सका। वह कहावत तुम्हारी कोई जागीर नहीं है जिसका फायदा तुम लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी उठाते चले जाओ।"

3. तिकड़मदास द्वारा खरगोश के सामने रखी शर्तों के पीछे कारण था कि खरगोश किसी भी प्रकार न जीत सके। उसने दो जुड़वाँ एक से दिखने वाले कछुए चुने। उनमें से एक को दौड़ की अन्तिम सीमा पर पहले ही जाने को कहा और दूसरे को खरगोश के साथ दौड़ाया। इस प्रकार कछुए पुनः दौड़ जीत गए।

4. कछुओं के मुखिया ने विजेता कछुए के भाई को तालाब से बाहर निकलने के लिए इसलिए फटकारा कि जिससे खरगोश उसका चेहरा न पहचान सके।

5. वकील तिकड़मदास ने अपनी तिकड़म भिड़ाई और दो जुड़वाँ एक-से दिखने वाले कछुओं में से एक को पहले से ही अन्तिम सीमा-रेखा पर भेज दिया तथा दूसरे को खरगोश के साथ दौड़ाया। अन्तिम सीमा-रेखा पर जैसे ही खरगोश तथा दूसरे लोग पहुँचे, पहले से आया हुआ कछुआ दौड़ जीत चुका था।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (ग)

(घ) 1. मुखिया कछुआ आस्था के साथ विवश मुद्रा में लौट आया।
2. अगले दिन वकील साहब कछुओं के प्रतियोगी का चुनाव कर गए।
3. दो हमशक्ल जुड़वाँ कछुओं में से एक को उसी समय अन्तिम सीमा-रेखा पर डेरा जमाने के लिए भेजा गया और दूसरे को खरगोश के साथ दौड़ाया गया।

भाषा की बात

1. (क) ओढ़ने का एक वस्त्र, वर्ष; (ख) निकट, बन्धन; (ग) सन्देह, विक्रमी सम्वत का वर्ष; (घ) वंश, किनारा
2. (क) खरगोश जाति का मुँह कैसे उजला हो सकेगा?
(ख) परम्परागत कालिख कैसे धुलेगी?
(ग) इसका दावा करने का अवसर नहीं था।
3. (क) भूकम्प से हानि होनी थी, हो चुकी।
(ख) बाढ़ से गाँव डूबने थे, डूब चुके।
(ग) रोहित को फल मिलना था, मिल चुका।
(घ) मुझे बात कहनी थी, कह चुका।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. कछुओं के मन में मनुष्य के बारे में धारणा थी कि वह हमसे अधिक बुद्धिमान है और उसके दिमाग में हर समय कोई-न-कोई तिकड़म चलती रहती है। आज के युग में यह सर्वदा सत्य है, क्योंकि मनुष्य किसी-न-किसी युक्ति से अपनी स्वार्थसिद्धि में लगा रहता है।
2. यदि हम समाज को भ्रष्टाचार मुक्त कराना चाहते हैं तो हमें सदैव सत्य बोलना, बुराई के विरूद्ध कार्य करना, किसी दबाव में काम न करना आदि कार्य करने होंगे।

3 समय नियोजन

मौखिक

1. अकसर हम समय के अभाव की शिकायत करते हैं।
2. नेहरूजी अपने व्यस्त जीवन में मनोरंजन के लिए समय निकाल लेते थे।
3. गाँधीजी के साथ पेचीदा मामलों पर विचार-विनिमय होता था।
4. समय-विभाजन से समय की कमी नहीं रहती है।
5. हम जीवन में सुख, समृद्धि तथा शान्ति चाहते हैं।

लिखित

(क) 1. अकसर लोग समयाभाव के कारण पढ़ाई-लिखाई, कसरत, मनोरंजन आदि को ठीक समय पर नहीं कर पाते हैं।

2. नेहरूजी सभी फाइलों को समय पर निपटा करके मिलनेवालों से मुलाकात करके सभा-सोसाइटियों में जाते तथा सहकर्मियों से गम्भीर समस्याओं पर विचार-विमर्श करते थे।

3. जीवन में सुख, समृद्धि तथा शान्ति प्राप्त करने का उपाय लेखक ने समय का बजट बनाना बताया है।

4. छात्रों से अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए लेखक ने 18-19 घण्टों की कार्यतालिका बनाने का उपाय बताया है।

(ख) 1. आलस्य के कारण हम समय पर पढ़ाई, कसरत, मनोरंजन आदि नहीं कर पाते हैं।

2. नेहरूजी सोच-समझकर किए गए समय-विभाजन के कारण सभी फाइलों को निपटाते बहुत-से मिलनेवालों से मिलते, बहुत-सी गम्भीर समस्याओं पर सहकर्मियों से विचार-विमर्श करते तथा बहुत-सी सभा-सोसाइटियों में जाते थे, फिर भी वे अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय अपने दैनिक व्यायाम व मनोरंजन के लिए भी निकाल ही लेते थे।

3. गाँधीजी और नेहरूजी दोनों का जीवन प्रमाणित करता है कि यदि हम अपना समय सोच-समझकर विभाजित कर लें और फिर उस पर दृढ़ता से आचरण करें, तो अपने निश्चित व्यवसाय के अतिरिक्त भी अन्य अनेक कार्यों के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

4. विद्यार्थियों के लिए समय-पालन का कई कारणों से अधिक महत्त्व है। विद्यार्थियों को एक लम्बा जीवन जीना है और सफलता की ऊँची-से-ऊँची मंजिले तय करनी हैं। दूसरी बात यह है कि विद्यार्थी जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं वे जीवन-पर्यन्त बनी रहती हैं।

5. समय विभाजन के साथ काम करने से हमारे सभी कार्य सहज ही होते चले जाते हैं। इस कारण हम धन से परिपूर्ण स्वस्थ शरीर वाले बन जाते हैं। इस कारण हमारे जीवन में सुख और समृद्धि का भण्डार आ जाता है।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ग); 4. (ग)

(घ) 1. गाँधीजी और नेहरूजी का जीवन प्रमाणित करता है कि सोच-समझकर समय विभाजित करके उस पर दृढ़ता से कार्य करने पर व्यवसाय और अन्य अनेक कार्यों के लिए समय मिल जाता है।

2. समय की शिकायत दूर करने के लिए हमें सोच-समझकर समय का विभाजन करना पड़ेगा।

3. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'समय-विभाजन' है।

भाषा की बात

1. (क) विद्या + आलय; (ख) कक्षा + अध्यापक; (ग) सुर + इन्द्र; (घ) जल + ईय (ङ) गौरव + आन्वित; (च) निः + धन
2. (क) अक्षम; (ख) विलम्बन; (ग) अकुशल; (घ) सम; (ङ) असम्भव; (च) असफल
3. (क) (i); (ख) (ii); (ग) (iii)

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. समय के अभाव की शिकायत को हम सोच-विचारकर समय का विभाजन करके दूर कर सकते हैं। इसमें अत्यावश्यक कार्यों को स्थान दिया जाना चाहिए तथा व्यर्थ के कार्यों को हटा देना चाहिए।

2. समय लौटकर नहीं आता, अर्थात् अवसर बार-बार नहीं आते हैं। यदि अध्यापक ने आज कोई अध्याय पढ़ाया है और हम विद्यालय नहीं गए तो वह अध्याय हमें फिर नहीं पढ़ाया जाएगा। अतः समय लौटकर नहीं आता।

4 आरोग्य की कुंजी

मौखिक

1. बलिष्ठ और निरोगी शरीर प्राप्त करने के लिए पौष्टिक आहार आवश्यक है।
2. पौष्टिक आहारों व टॉनिक को जीवन में लोग तन्दुरुस्त शरीर पाने के लिए अपनाते हैं।
3. बीमार होने पर लोग प्रायः चिकित्सक के पास जाते हैं।
4. जीवनयापन प्रक्रिया में परिवर्तन करके रोगों पर नियन्त्रण किया जा सकता है।

लिखित

(क) 1. रोग हो जाने पर लोग अकसर चिकित्सक के पास जाते हैं।

2. बाज़ार में बिकने वाले स्वास्थ्यवर्धक टॉनिक इतने कारगर नहीं होते। इन्हें सेवन करने वालों को निराशा ही हाथ लगती है।

3. टॉनिक बनाने के विषय में कहा गया है कि यदि टॉनिकों में कुछ खास होता तो टॉनिक बेचने वाले या बनाने वाले तो बलवान होने चाहिए था।

4. आरोग्य की कुंजी उन आदतों में छुपी है, जो आहार-विहार के चयन करने तथा अपनाने के लिए उत्तरदायी हैं।

(ख) 1. रोगी रोग से छुटकारा पाने के लिए चिकित्सक के पास जाता है। रोगी इस प्रयास में चिकित्सक और नुस्खे बदलते रहते हैं, पैसा और समय दोनों गँवाते रहते हैं और बीमारी से छुटकारा पाने की प्रतीक्षा करते रहते हैं।

2. आहार-विहार के चयन करने तथा अपनाने के संबंध में जो ढील बरती जाती है। उसी से स्वास्थ्यरूपी संपदा को आहात पहुँचता है और दुर्बलता एवं बीमारी घेरती है। जब तक आहार-विहार के चयन रूपी विकृतियाँ पल्ले बँधी रहेगी तब तक स्वास्थ्य समस्या के समाधान का कोई मार्ग नहीं मिल सकेगा।

3. हिन्दकेसरी चंदगीराम पहलवान उठती उम्र में क्षयग्रस्त हो गए थे और अकाल मृत्यु के मुँह में जाने वाले थे। इस स्थिति से छूटने के लिए उन्होंने साहसपूर्वक अपनी जीवनयापन प्रक्रिया में परिवर्तन किया और उस परिवर्तन के प्रभाव से न केवल बीमारी से छुटे, वरन् बलिष्ठ पहलवानों की पंक्ति में जा बैठे।

4. हकीम लुकमान कहते थे कि मनुष्य समय से पहले मरने और दफ़न होने के लिए अपनी कब्र अपनी जीभ से स्वयं खोदता है। इसका तात्पर्य यह था कि चटोरेपन के वशीभूत जिह्वा अनुपयोगी पदार्थों को अनावश्यक मात्रा में उदरस्थ कराती है और जीवन-मरण का संकट उत्पन्न करती है। हम लुकमान के इस कथन से पूरी तरह से सहमत हैं।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. गाँधीजी का पेट दक्षिण अफ्रीका में खराब रहता था।
2. प्राकृतिक जीवनचर्या की राह अपनाई और लम्बा जीवन जिया।
3. 36 वर्ष की आयु में अखण्ड ब्रह्मचर्य का व्रत लिया था।

भाषा की बात

1. (क) ता; (ख) ई; (ग) ई; (घ) ई (ङ) दारी; (च) ई
2. (क) निरोगी; (ख) निर्विरोध; (ग) हानिप्रद; (घ) प्रतिकूल; (ङ) अनुपयुक्त; (च) नापसंद
3. (क) बलिष्ठता; (ख) रोग; (ग) स्वस्थता; (घ) दुर्बलता; (ङ) सशक्तता; (च) संयमता
4. (क) दुः + बल; (ख) महा + आशय; (ग) नमः + ते; (घ) देव + आलय; (ङ) सदा + एव; (च) रवि + इन्द्र

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

चिकित्सकों और नुस्खों के सहयोग से रोगी को कोई ज्यादा लाभ नहीं पहुँच पाता है। अपने आहार-विहार और जीवनयापन प्रक्रिया में परिवर्तन करके हम रोगों से मुक्त हो सकते हैं।

5 ईदगाह

मौखिक

1. लोग ईद के दिन ईदगाह जाते हैं, नमाज पढ़ते हैं, और एक-दूसरे के गले मिलते हैं और एक-दूसरे को ईद-मुबारक कहते हैं।
2. ईदगाह जाने के लिए सबसे ज्यादा बच्चे उतावले थे।
3. हामिद की दादी अमीना उदास थी।
4. मेले में से चिमटा हामिद ने खरीदा था।

लिखित

(क) 1. हामिद ने अपने चिमटे को बहादुर शेर कहा।
2. ईद की नमाज़ खत्म होने पर लोग एक दूसरे के गले मिलते हैं।
3. क्योंकि गाँव के सभी बच्चे अपने पिता के साथ जा रहे थे और हामिद अकेला जा रहा था। इसलिए अमीना हामिद को मेले में भेजते हुए घबरा रही थी।
4. दामन फैलाकर अमीना हामिद को दुआएँ दे रही थी।

(ख) 1. हामिद ने ऊँट और घोड़े की सवारी पैसे कम होने के कारण नहीं की। उसके पास केवल तीन पैसे थे जिसे वह केवल कुछ चक्कर खाने के लिए नहीं दे सकता था।
2. हामिद ने अपने चिमटे को खिलौनों से बेहतर बताया क्योंकि चिमटे को कंधे पर रखा बंदूक हो गई, चाहे तो मंजीरा बना लो। एक चिमटा लगने से तुम्हारे खिलौनों की जान निकल जाए। तुम्हारे खिलौने कितना भी जोर लगाएँ, मेरे चिमटे का बाल भी बाँका नहीं कर सकते। मेरा बहादुर शेर है–चिमटा। इस प्रकार हामिद ने तीन पैसे में चिमटा खरीदकर अपना रंग जमा लिया।
3. हामिद में त्याग और विवेक की भावना है।

4. हामिद के हाथ में अमीना ने चिमटा देखा तो उसे क्रोध आ गया। परन्तु जब हामिद ने अमीना से कहा कि जब तुम रोटी बनाती हो तो तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थी, इसलिए मैंने इसे खरीदा। यह सुनते ही उसका क्रोध स्नेह में बदल गया।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. हामिद ने दुकानदार को चिमटे के तीन पैसे दिए।
2. दुकानदार ने हामिद को तीन पैसे में चिमटा दे दिया।
3. हामिद ने चिमटा कंधे पर रखा और अकड़ता हुआ साथियों के पास गया।

भाषा की बात

1. (क) गाय; (ख) घोड़ी; (ग) भैंस; (घ) धोबिन; (ङ) क्षत्राणी; (च) बकरी
2. (क) उपवास; (ख) समाप्त; (ग) विचार; (घ) वस्तु; (ङ) लाभ; (च) खाली समय
3. (क) ऊष्ण; (ख) अप्रसन्न; (ग) नई; (घ) कच्ची; (ङ) विनम्र; (च) निरुत्साह
4. (क) खुश होना; (ख) परेशान होना; (ग) दुःखी होना; (घ) कोई भी नुकसान न होना

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

सभी रोजेदार ईदगाह में एक साथ खड़े होकर नमाज अदा करते हैं। नए नमाज पढ़ने वाले आकर पीछे की कतार में खड़े होते हैं चाहे कोई अमीर हो या गरीब यहाँ सभी एक समान हैं। यहाँ धन और पद नहीं देखा जाता।

6 ऐसे थे आशुतोष

मौखिक

1. बाबू आशुतोष मुखर्जी एक क्रान्तिकारी थे।
2. उनका सहयात्री एक अंग्रेज़ था।
3. अंग्रेज़ ने बाबू आशुतोष की चप्पलें बाहर फेंकी।
4. बाबू आशुतोष ने उनका कोट फेंककर अपना बदला लिया।

लिखित

(क) 1. आशुतोष बाबू प्रथम श्रेणी के डिब्बे से सफर कर रहे थे।
2. धीरे-धीरे प्लेटफॉर्म पर खड़ा बाबू आशुतोष का मित्र आँखों से ओझल हो गया।
3. चप्पलें उतार कर आशुतोष बाबू ने सीट के नीचे रख दी।
4. अंग्रेज़ आशुतोष बाबू पर गुस्से से गरज़ रहा था।

(ख) 1. खेतों में खड़ी धान की फसल हलकी हवा में थिरक रही थी। पेड़ों की टहनियाँ मानों झूम रही थी। आशुतोष मंत्रमुग्ध होकर इस प्राकृतिक सौंदर्य में खो गए। चलती गाड़ी से बाहर का प्राकृतिक दृश्य अलौकिक लग रहा था।
2. अंग्रेज़ आशुतोष बाबू से उम्मीद रखता था कि शायद यह हिन्दुस्तानी उठकर उसकी आवभगत करेगा परन्तु वे तो अपने में ही मग्न थे।

3. खूँटी पर कोट टाँग कर अंग्रेज़ की नज़र आशुतोष बाबू की चप्पलों पर पड़ी और उसने बिना एक पल गँवाए चप्पलों को उठाकर बाहर फेंक दिया।

4. आशुतोष ने चप्पलों को अपने स्थान पर ना पाकर उसने डिब्बे में चारों ओर देखा। उनकी नज़र अंग्रेज़ के लटकते हुए कोट पर पड़ी। उन्होंने कोट को खूँटी से उताकर गाड़ी से नीचे फेंक दिया।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. आशुतोष बाबू को अंग्रेज़ टेढ़ी नज़रों से घूर रहा था।

2. अंग्रेज़ की आँखों में गुस्सा था।

3. अंग्रेज़ ने सोचा था कि यह हिन्दुस्तानी उठकर उसकी आवभगत करेगा परन्तु आशुतोष बाबू तो अपने में ही मग्न थे। शायद यही उसके क्रोध का कारण था।

भाषा की बात

1. (क) मजाक उड़ाना; (ख) क्रोधित होना; (ग) बदला लेना; (घ) दूर चले जाना
2. (क) अलौकिक; (ख) अप्रसन्न; (ग) असंभव; (घ) अशिष्ट
3. (क) भयभीत; (ख) सहयात्री; (ग) प्राकृतिक; (घ) शक्तिवान
4. (क) तुम कहाँ जाओगे?

   (ख) रमेश वहाँ घूम रहा था।

   (ग) वह संतरा खा रहा होगा।

   (घ) मुझे अपने भाई के पास जाना है।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वाभिमान अर्थात् आत्मसम्मान की रक्षा के लिए आत्मविश्वास को आगे रखना पड़ता है। इसी के बल पर आत्मसम्मान का प्रासाद खड़ा हो जाता है। हमारे मन की आकांक्षाओं को जब तक हम पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगे। इसकी कमी की पूर्ति आत्मविश्वास के द्वारा हो जाती है।

7 साइना नेहवाल : भारत का गौरव

मौखिक

1. साइना का जन्म 17 मार्च, 1990 को हरियाणा के हिसार शहर में हुआ था।
2. साइना बैडमिंटन के खेल में प्राप्त उपलब्धियों व उनके द्वारा स्थापित किए गए कीर्तिमानों के लिए भारत ही नहीं पूरे विश्व में जानी जाती है।
3. साइना की माताजी का नाम ऊषा नेहवाल व पिताजी का नाम डॉ. हरवीर सिंह हैं।
4. उन्होंने साइना को सिखाया कि जब व्यक्ति साहस, परिश्रम, धैर्य तथा लगन से किसी कार्य को करने का संकल्प लेता है तो सफलता निश्चय ही उसके कदम चूमती है।

लिखित

(क) 1. साइना ने वर्ष 2004 व वर्ष 2005 में नेशनल जूनियर चैम्पियनशिप जीती।

2. (क) पी० वी० सिंधु (ख) ज्वाला गट्टा
3. उन्होंने साइना को सिखाया कि मनुष्य जो पाना चाहता है, उसके लिए उसे कठिन परिश्रम करना पड़ता है।
4. अपने अथक प्रयास के बल पर उन्होंने 2012 में लंदन ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त किया।

(ख) 1. उन्होंने कहा, "जब मैं पोडियम में खड़ी थी और मुझे कांस्य पदक पहनाया गया तब तिरंगा झण्ड़ा ऊपर जा रहा था और भारतीय दर्शक जोर-जोर से मेरा नाम पुकार रहे थे, मैं आँसुओं को रोक नहीं पाई। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण था और मेरे लिए गर्व की बात थी।"
2. साइना की कामयाबी में उनके माता-पिता का भी विशेष योगदान रहा है। मध्यमवर्गीय परिवार के लिए साइना के खेल प्रशिक्षण की फीस भरना भी मुश्किल था लेकिन वे हताश नहीं हुए। घर से 25 कि०मी० दूर स्टेडियम में स्वयं साइना के पिता उन्हें प्रशिक्षण के लिए लेकर जाते और फिर उन्हें स्कूल भी छोड़ते थे। घर की आर्थिक स्थिति उनकी उन्नति में व विकास के मार्ग में कभी बाधक नहीं बनी।
3. साइना ने 2012 में लंदन ओलंपिक खेल, 2006 में कॉमनवेल्थ गेम्स, 2009 में इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज तथा 2010 में सिंगापुर ओपन सुपर सीरीज में भाग लिया।
4. साइना के जीवन से हमें यही प्रेरणा मिलती है कि हमें जीवन में अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए साहस, परिश्रम, धैर्य तथा लगन से अपने सीखने की लगन को जारी रखकर सफलता को प्राप्त करना चाहिए।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. साइना ने लगातार तीन बार अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है।
2. इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज 2009 में व सिंगापुर ओपन सुपर सीरीज 2010 में जीत हासिल की।
3. वर्तमान में वे आठवें नम्बर पर हैं।

भाषा की बात

1. (क) विकसित; (ख) सरलता; (ग) सहजता; (घ) भारतीयता; (ङ) प्रदर्शित; (च) निर्धारित
2. (क) प्रतिभा; (ख) हरियाणा; (ग) समर्थन; (घ) जीवटता
3. (क) परिश्रमी; (ख) अमिट; (ग) भारतीय; (घ) धनाढ्य, धनी
4. (क) शिखा ने रोटी खाई।
(ख) हमने चाँदी का बरतन खरीदा।
(ग) ये पत्र किसने लिखा है?
(घ) क्या तुम वहाँ जाओगे?

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

8 वीर

मौखिक

1. विपत्ति में वीर धीरज नहीं खोता है?
2. बत्ती जलाने वाला ही रोशनी पा सकता है?
3. मानव के भीतर एक-से-एक (बहुत-से) अच्छे गुण छिपे हैं।

लिखित

(क) 1. विपत्ति कायर को दहलाती है।
2. काँटों में राह बनाने से कवि का आशय मुश्किल कार्य को करना है।
3. मनुष्य के द्वारा साहस दिखाने से पर्वत के पैर उखड़ जाते हैं।

(ख) 1. विपत्ति आने पर कायर व्यक्ति परेशान तथा विचलित हो जाता है जबकि वीर विचलित नहीं होता तथा एक पल भी अपना धीरज नहीं खोता है।
2. कवि ने वीर की विशेषताएँ बताई हैं – वह विपत्ति आने पर विचलित नहीं होता एक क्षण भी अपना धीरज नहीं खोता, परेशानियों से नहीं घबराता, मुश्किल कार्यों को सरल बनाता है, संकट के सामने नहीं झुकता,प्रत्येक स्थिति को सहन करता है, प्रतिदिन कार्य में लगा रहता है, काँटों को मूलतः समाप्त करता तथा विपत्ति पर स्वयं भारी पड़ता है।
3. कवि ने बहुत से अच्छे गुणों को मनुष्य में छिपा बताया है जिस प्रकार मेंहदी में लाली तथा बत्ती में उजियाली छिपी रहती है।
4. (i) कवि ने बताया है कि वीर मनुष्य विघ्नों से दूर नहीं भागते, बल्कि उनसे दोस्ती कर लेते हैं।
(ii) कवि ने बताया है कि वीर मनुष्य प्रतिदिन किसी-न-किसी कार्य में लगे रहते हैं।
(iii) कवि ने बताया है कि वीर मनुष्य के साहस दिखाने पर विशाल कार्य तथा अस्थिर रहनेवाले पर्वत (बड़ी विपत्ति) के भी पैर उखड़ जाते हैं।
(iv) कवि ने बताया है कि वीर मनुष्य में अच्छे गुण उसी प्रकार छिपे रहते हैं जिस प्रकार बत्ती में उजियाला (प्रकाश) छिपा रहता है।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. कविता-पंक्तियों में वीर की विशेषताएँ बताई गई हैं – वे संकट के आगे झुकते नहीं हैं, जैसी भी परिस्थितियाँ आ जाती हैं, उन्हें प्रसन्नतापूर्वक सहन करते हैं तथा प्रतिदिन कार्यों में लगे रहते हैं।
2. 'संकट का चरण न गहना' का आशय है संकट के सामने न झुकना या हार न मानना है।

भाषा की बात

1. तत्सम – विपत्ति, क्षण, विघ्न, उद्योग, मूल, मंत्र, नर, मानव, वर्तिका आदि।
तद्भव – कायर, सूरमा, काँटा, गला, धीरज, पानी, पाँव, पत्थर आदि।
2. (क) शूल; (ख) पर्वत; (ग) संकट; (घ) प्रकाश; (ङ) धैर्य; (च) नीर
3. (क) दानव; (ख) अप्रत्यक्ष; (ग) कायर; (घ) अवगुण

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. हमारी दृष्टि में किसी भी संकट से न घबराने वाला तथा संकट में धैर्य व बुद्धिमानी से कार्य करने वाला व्यक्ति ही वीर होता है। वह समय का पाबन्द तथा निरन्तर कार्य में लगा रहता है।
2. एक विद्यार्थी के रूप में हम कठिन प्रश्नों को हल करके, अपना कार्य समय से करने, समस्याओं से न घबराकर, कक्षा, खेलों तथा विभिन्न क्रियाकलापों में सरलतापूर्वक भाग लेकर साहस का प्रदर्शन कर सकते हैं।

9 फूल का मूल्य

मौखिक

1. माली का नाम सुदास था।
2. नगर के बाह्य प्रान्तर में महात्मा बुद्ध पधारे थे।
3. राजा का नाम प्रसेनजित था।
4. माली ने सज्जन को फूल का मूल्य एक माशा सोना बताया।
5. माली ने फूल को महात्मा बुद्ध के चरणों में अर्पित कर दिया।

लिखित

(क) 1. फूलों के सूखने का कारण अत्यधिक ठण्ड थी।

2. सुदास फूल से एक माशा सोने की आशा कर रहा था।
3. सुदास फूल को महात्मा बुद्ध के चरणों में अर्पित करना चाहता था, अतः उसने उसे बेचने से मना कर दिया।
4. सज्जन ने ऐसा इसीलिए कहा क्योंकि वह और राजा दोनों ही महात्मा बुद्ध के चरणों में कमल अर्पित करने के लिए उसे खरीदना चाह रहे थे।

(ख) 1. सुदास राजा को फूल बेचने के लिए उनका इन्तजार कर रहा था।

2. सुदास ने सोचा – "जिस बुद्धदेव के लिए ये भक्त लोग इतना द्रव्य खर्च करने को तैयार हैं, वह पुरुष कितना धनवान होगा? कितना महान होगा? उसी के चरणों में यह पुष्प अर्पित कर दूँ, तो मुझे न जाने कितना द्रव्य मिलेगा।" ऐसा सोचकर उसने सज्जन और राजा दोनों को पुष्प बेचने से मना कर दिया।
3. सुदास बुद्धदेव की अनुपम छवि देखकर स्तब्ध रह गया।
4. लेखक ने बुद्धदेव का वर्णन इन शब्दों में किया – उज्जवल ललाट मुख पर आनन्द की प्रभा, ओठों से सुधा झर रही थी और नयनों से अमृत टपक रहा था।
   मेघों-सी धीर-गम्भीर ध्वनि उस तपस्वी के मुख से झर रही थी।
5. सुदास के द्वारा भगवान बुद्ध के चरणों में पुष्प चढ़ाते ही वट वृक्ष के सघन कुंजों में पंछी बोल उठे। पवन की लहर आई। कमल की पंखुड़ियाँ हिल-हिलकर मानों हँस उठी।

(ग) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ख)

(घ) 1. फूल लेकर माली राजमहल के सामने गया।

2. राजा की प्रतीक्षा में खड़ा सुदास सोच रहा था कि थोड़ी देर में ही राजा उसे बुलाएँगे।
3. सुदास फूल की रखवाली बड़े यत्न से कर रहा था।

भाषा की बात

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – प्रदीप, भुवन, सचिन, ताजमहल, चारमीनार, गेटवे ऑफ इण्डिया, निकोबार, रोहन।
   जातिवाचक संज्ञा – बच्चा, चाचाजी, महिला, बरतन, लोग, समुद्र, लड़कियाँ, मन्दिर तथा गुरूद्वारा।
   भाववाचक संज्ञा – बूढ़ा, प्रशंसा, स्वस्थ, विनम्रता, प्यास, मित्रता तथा अशिष्टता, काला तथा बुराई।
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii)

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. आस्था ही विश्वास का दूसरा नाम है। आस्था के होते हुए तर्क-वितर्क का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। अतः आस्था से बढ़कर कुछ नहीं है। आस्था में हम परम सुख की अनुभूति करते हैं।
2. आस्था और प्रेम वैचारिक उद्वेग हैं। ये खरीद-फरोख्त की वस्तुएँ नहीं हैं। अतः आस्था और प्रेम को भारी-से-भारी मूल्य देकर भी खरीदा नहीं जा सकता।

10 शिष्टाचार

मौखिक

1. लेखक के पड़ोस में रहने वाले दो बच्चों के नाम भुवन और प्रदीप हैं।
2. प्रदीप और भुवन में से लोग सबसे अधिक प्रदीप को चाहते हैं।
3. विनम्र होते हुए भी हम अपने स्वाभिमान की रक्षा कर सकते हैं।
4. शिष्टता का तीसरा आधार अनुशासन पालन है।
5. शिष्टाचार वह व्यवहार है, जिसके करने पर दूसरों के तथा अपने मन को प्रसन्नता होती है।

लिखित

(क) 1. प्रदीप शान्त स्वर में तथा मृदुल बोलता है।
2. समाज में सभ्य बनकर रहने के लिए शिष्टाचार के नियम अवश्य जानने चाहिए और उन्हें अपनी आदत में सम्मिलित कर लेना चाहिए।
3. शिष्टाचार का पालन करते हुए हम अपने स्वाभिमान की रक्षा कर सकते हैं, किन्तु दीन होते हुए यह सम्भव नहीं है।
4. ऐसा व्यवहार जिसके करने से दूसरों के तथा अपने मन को प्रसन्नता होती है, शिष्टाचार कहलाता है।

(ख) 1. लेखक ने प्रदीप के व्यवहार को शिष्ट तथा भुवन के व्यवहार को अशिष्ट इसलिए कहा, क्योंकि प्रदीप शिष्टाचार के नियमों का पालन करता है और भुवन नहीं।
2. शिष्टाचार में विनम्रता, दूसरों की निजी बातों में दखल न देना तथा अनुशासन के पालन पर महत्त्व दिया जाना चाहिए।

3. विनम्र होते हुए भी हम अपने निजी स्वाभिमान की रक्षा कर सकते हैं। विनम्र व्यवहार का अर्थ चापलूसी नहीं है। यदि कभी यह महसूस हो कि जिसके प्रति हम विनीत हैं, वह हमारा तिरस्कार कर रहा है अथवा हमें दीन-हीन समझकर हमारे प्रति दया का भाव प्रकट कर रहा है तो उसकी कृपा प्राप्त करने की चेष्टा हमें नहीं करनी चाहिए।
4. किसी मन्दिर, गुरुद्वारे या मस्जिद में जाने से पहले जूते उतार देना धार्मिक अनुशासन है। सड़क पर बाईं ओर चलना या जहाँ जाना मना हो वहाँ न जाना कानून के अनुशासन का पालन है। समय का पालन सामाजिक अनुशासन का पालन है।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (ख)

(घ) 1. शिष्टाचार का पहला गुण विनम्रता है।
2. बड़ों के बुलाने पर हमें 'जी हाँ' या 'जी नहीं' कहना चाहिए।
3. किसी बात का उत्तर इस प्रकार नहीं देना चाहिए कि सुनने वाले को आपके कहे शब्द उचित न लगे।

भाषा की बात

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i); (घ) (iv)
2. विनम्रता, सुननेवाला, दीनता, प्रसन्नता, उजड्डपन, आवश्यकता, सावधानी, चापलूसी, शिष्टता आदि।
3. विनम्रता, कटुता, कर्कशता, अशिष्टता, दीनता, बन्धुता

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. शिष्टाचार हमारे लिए आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है। इसके अपनाने से कार्य सही ढंग से सम्पन्न होते हैं तथा हम और हमसे सम्बन्धित व्यक्ति प्रसन्न रहते हैं।
2. शिष्टाचार कार्यों को ठीक ढंग से करने के नियम मात्र हैं। यदि इन्हें कोई चापलूसी समझता है तो हमें उसकी कृपा प्राप्त करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए।

11 कथा गजनन्दन की

मौखिक

1. गजनन्दन दिखने में गोल-मटोल अर्थात् हाथी के बच्चे जैसे थे।
2. गोमुख गंगोत्री से 21 किलोमीटर आगे है।
3. दिल्ली से गंगोत्री तक की यात्रा रेल, बस और जीप से पूरी हुई।
4. गजनन्दन का देसी टेलीफोन उसकी जोरदार आवाज थी। उसने इसका प्रयोग पाँच किलोमीटर दूर मास्टर जी से बात करने में किया।

लिखित

(क) 1. गोमुख बर्फ के पहाड़ में बन गई गुफा है। यहाँ बर्फ से ढकी गगन चुम्बी चोटियों के बीच एक अति सुन्दर, सुहावना, हरी-हरी घास का मैदान है। इसमें अनेक प्रकार के फूलों के सुन्दर-सुन्दर पौधे तथा बीच में कल-कल करते नाले व झरने हैं।

2. गोमुख यात्रा में सात स्कूली लड़के, एक मास्टर जी तथा दो सेवक थे।
3. दिल्ली में ऊँची-ऊँची इमारते हैं जबकि गंगोत्री में बर्फ से ढ़की अनेक चट्टानें हैं।

(ख) 1. गजनन्दन ने बताया कि उसे सर्दी कम लगेगी। इसी कारण वह चुस्त रहेगा। जब उसके साथी थक जाएँगे और हिम्मत हार बैठेंगे तो वह उन्हें हँसाकर तरोताजा कर देगा। कभी चट्टान का काम हुआ तो वह उसी से लिया जा सकेगा।
2. गजनन्दन ने गंगोत्री के पहाड़ों को देखकर कहा कि वह बड़ा होकर उनके समान काला-काला, भरकम-भूधराकार शरीर लगेगा। इस पर सभी हँसने लगे।
3. मास्टर जी ने सभी से जल्दी तैयार होने के लिए कहा क्योंकि उन्हें आगे जाना था और बाद में मौसम खराब होने का अंदेशा था।
4. गोमुख यात्रा के लिए बिस्तर, राशन, मेवा, मिश्री, दवाई, बिस्कुट आदि सामान साथ रखा गया।
5. चढ़ाई करते हुए बच्चों ने ऊँची चट्टानें, भोजपत्र के पेड़, जड़ी-बुटियाँ, जंगली भेड़ों का समूह, तुतराल नामक जानवर की पूँछ, रीछ के पंजे आदि देखे।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. रास्तें में झील पड़ती थी और वह पूरी बरफ से ढ़की थी।
2. लड़कों ने पत्थरों की बजाय झील की बरफ पर होकर चलने के बारे में सोचा।
3. बरफ फटने पर झील में भोलाशंकर गिर गया।

भाषा की बात

1. (क) साहिबा; (ख) बहन; (ग) बच्ची; (घ) साथिन; (ङ) मालिन; (च) औरत; (छ) हथिनी; (ज) सेविका; (झ) स्वामिन
2. (क) बुद्धि; (ख) ब्रह्मा; (ग) द्वन्द्व; (घ) उद्देश्य; (ङ) उत्तर; (च) उद्यान; (छ) गुड्डी; (ज) बुड्ढ़ा; (झ) मिट्टी

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. मनुष्य का स्वभाव उसकी उमंग, जोश और महत्त्वाकांक्षा को प्रभावित करना है, शरीर के आकार से केवल शक्ति प्रदर्शन होता है।
2. मोटे बच्चे अकसर सुस्त माने जाते हैं। परन्तु प्रस्तुत पाठ में ऐसा नहीं है। यहाँ गजनन्दन एक मोटा बालक है जो उमंग, जोश और महत्त्वाकांक्षा से परिपूर्ण है।

12 छोटा जादूगर

मौखिक

1. लेखक को कार्निवाल के मैदान में एक छोटा बालक मिला।
2. छोटा जादूगर पक्का निशानेबाज था।
3. लड़का कार्निवाल के मैदान में जादू का खेल दिखाकर पैसे कमाने आया था।
4. अपनी मण्डली के साथ लेखक कोलकाता के सुरम्य मैदान में बैठा था।
5. छोटे जादूगर की माँ का रोग असाध्य था इसलिए अस्पताल वालों ने उसे निकाल दिया।

लिखित

(क) 1. छोटे जादूगर के गले में फटे कुरते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुँह पर गम्भीर विषाद और धैर्य की रेखा थी।

2. छोटे जादूगर ने अपने पिता को क्रान्तिकारी होने के कारण जेल में तथा माँ को गम्भीर बीमारी से ग्रस्त बताया।

3. लेखक की छोटे जादूगर से दोबारा भेंट कोलकाता के सुरम्य मैदान में हुई।

4. छोटे जादूगर की माँ बहुत बीमार थी। उसकी माँ ने उसे अपना अन्तिम समय समीप बताया था। इसी कारण उसका खेल जम नहीं रहा था।

(ख) 1. छोटे जादूगर के पिता जेल में थे तथा माँ एक असाध्य रोग से पीड़ित थी। इन्हीं प्रतिकूल परिस्थितियों ने छोटे जादूगर को बहुत अधिक चतुर बना दिया था।

2. लेखक छोटे जादूगर के भाव, खेल दिखाने की कला और वाचालता से बहुत प्रभावित थे। इसी कारण वे उसे बार-बार देखना चाहते थे।

3. लेखक की पत्नी छोटे जादूगर के वेश, चाल और वाचालता पर आकर्षित हो गई।

4. लेखक ने जाड़े की ठिठुरती सन्ध्या में लोगों की भीड़, बातों के जोश और उनके आवागमन से सन्ध्या को गरम बताया है।

5. (i) छोटे जादूगर ने लेखक को बताया कि वह मेले में तमाशा देखकर मनोरंजन करने नहीं आया है। वह यहाँ अपनी बीमार माँ की दवाई आदि खरीदने के लिए पैसे कमाने आया है। वह लेखक को नसीहत देते हुए कहता है कि यदि उसे मुफ्त में शरबत न पिलाकर उसका खेल देखकर पैसा दे दिया जाता, तो उसे अधिक प्रसन्नता होती।

(ii) एक बार जब लेखक को छोटा जादूगर रास्ते में मिला तो उन्होंने आश्चर्य से उसके वहाँ होने का कारण पूछा। तब उसने बताया कि उसकी माँ यहीं (पास ही उसके घर में) है। अस्पतालवालों ने उसका रोग असाध्य (ला इलाज) होने के कारण वहाँ से निकाल दिया है।

(ग) 1. (क); 2. (ग); 3. (ग); 4. (ख)

(घ) 1. खिलौने अभिनय करने लगे।

2. बिल्ली रूठने का, भालू मनाने का तथा बन्दर घुड़कने का अभिनय कर रहे थे।

3. लड़के की वाचालता से अभिनय हो रहा था।

भाषा की बात

1. (क) धोखा देना – काम निकलते ही युनुस ने आँखें बदल ली।

(ख) भाग जाना – अध्यापक को आते देख पुनीत खेल के मैदान से नौ दो ग्यारह हो गया।

(ग) पिटाई करना – बार-बार समझाने पर भी जब चन्दन नहीं माना, तो अध्यापक जी ने उसकी मरम्मत कर दी।

2. (क) असमान (ख) अनाकर्षित (ग) आशा (घ) असहमत (ङ) मूर्ख (च) सबल

3. (क) (ii) (ख) (ii)

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. यदि हम छोटे जादूगर के स्थान पर होते, तो समाचार-पत्र बेचने आदि का काम करते। क्योंकि इस काम में धन के साथ-साथ हमारा ज्ञानवर्धन भी होता।

2. हम सड़क पर चलते गरीब, बेसहारा लोगों की मदद करने तथा उनके पुनर्वास के बारे में सोचते हैं।

13 'अपने देश की गरिमा'

मौखिक

1. फल स्वामी रामतीर्थ खोज रहे थे।
2. युवक को स्वामी जी ने फल बेचने वाला समझा।
3. हमें ऐसे कार्य नहीं करने चाहिए जिससे हमारे देश की प्रतिष्ठा को ठेस (चोट) पहुँचे।
4. किसी अन्य देश के युवक ने पुस्तकालय की एक पुस्तक से कुछ दुर्लभ चित्र चुराए थे।

लिखित

(क) 1. स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान की यात्रा पर गए थे। उस समय उनका भोजन फल था। बहुत खोजने पर भी उन्हें फल नहीं मिले तब उन्हें लगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।

2. स्वामी जी ने उसे फल बेचने वाला समझ कर उसे दाम देने चाहे लेकिन उस युवक ने फल विक्रेता न होने के कारण दाम लेने से इंकार कर दिया।

3. स्वामी जी को जापानी युवक द्वारा फल लाकर देने और दाम के रूप में उसे कहा कि यदि आप इनके दाम देना चाहते हैं तो "कृपया अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।" इस प्रकार उस युवक ने अपने देश का गौरव बढ़ाया।

4. युवक ने रामतीर्थ से मूल्य के रूप में कहा कि कृपया अपने देश में जाकर ये मत कहना कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।

(ख) 1. हमें कभी ऐसे कार्य नहीं करने चाहिए जिससे हमारे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचे। जिस प्रकार किसी देश के एक युवक ने पुस्तकालय से पुस्तक लेकर उसमें से दुर्लभ चित्र निकाले और पुलिस के द्वारा उसके कमरे की तलाशी में वे चित्र मिलने पर उसे जापान से निकाल दिया गया। हमें इस प्रकार के काम नहीं करने चाहिए। इससे हमारे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है।

2. जब विदेशी युवक ने पुस्तकालय की पुस्तक से चित्र चुराए और पुलिस द्वारा तलाशी होने पर उसके कमरे से वे चित्र प्राप्त किए गए और उसे जापान से निकाल दिया गया। इतना ही नहीं पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि पुस्तकालय में इस विद्यार्थी का प्रवेश तो वर्जित है ही, उसके देश के निवासियों का भी प्रवेश वर्जित है। इस प्रकार विदेशी युवक की गलती की कीमत पूरे देश को चुकानी पड़ी।

3. विदेशी युवक को जापान से निकाल दिया गया और पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि इस विद्यार्थी का इस पुस्तकालय में प्रवेश वर्जित है।

4. पाठ में अशिष्ट कार्य हैं–स्वामी रामतीर्थ द्वारा जापान में अच्छे फल न होने के लिए कहना, विदेशी युवक द्वारा पुस्तकालय से चित्र चुराना और जापान से बाहर निकाल देना आदि अशिष्ट कार्यों की चर्चा की गई है।

(ग) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क)

(घ) 1. जब हम कोई हीन या बुरा काम करते हैं तो हमारे देश का सिर नीचा होता है।

2. जब हम कोई श्रेष्ठ कार्य करते हैं तो हमारे देश का सिर ऊँचा होता है।

3. हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे हमारे देश की प्रतिष्ठा पर आँच आए।

भाषा की बात

1. (क) काम; (ख) गौरव, गरिमा; (ग) अपराध, कसूर; (घ) माथा, मस्तक
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)
3. (क) प्रतिष्ठित (ख) पुस्तकालय (ग) अपराधी (घ) भारतीय
4. (क) विदेशी युवक ने गलत कार्य करके अपने देश का सिर नीचा कर दिया।
   (ख) पाकिस्तान ने भारत से हारकर अपने माथे पर कलंक का टीका लगवा लिया है।
   (ग) राम के घर में आग लग गई परंतु उसके परिवार को कोई आँच नहीं आई।
   (घ) हमें अपने मुँह मियाँ मिट्ठू नहीं बनना चाहिए।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

14 बाघा जतिन

मौखिक

1. बाघ को मारने के कारण यतीन्द्र मुखर्जी का नाम बाघा जतिन पड़ा।
2. जतिन के हृदय में आरम्भ से ही विदेशी शासकों के प्रति आक्रोश की भावना भरी हुई थी।
3. कोलकाता के गोरा बाजार में भारतीयों पर कोड़े मारते अंग्रेज से कोड़ा छीनकर जतिन ने उस पर कोड़े बरसाए।
4. कोलकाता में वेल्स के राजकुमार की सवारी निकल रही थी।

लिखित

(क) 1. बंगाल के प्रसिद्ध देशभक्त-क्रान्तिकारी यतीन्द्रनाथ मुखर्जी का नाम बाघा जतिन था। उनका यह नाम एक बाघ की हत्या करने के कारण पड़ा।

2. जतिन के दैनिक क्रियाकलापों में व्यायाम करना, घण्टों साइकिल चलाना, घुड़सवारी करना तथा शिकार खेलना सम्मिलित हैं।

3. बाघा जतिन का जन्म 8 दिसम्बर, 1879 ई० को बंगाल में नदिया जिले के कोया नामक गाँव में अपने ननिहाल में हुआ था।

4. बंगाल में हुए क्रान्तिकारी आन्दोलन तथा बंकिम चन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' से प्रेरित होकर बाघा जतिन क्रान्तिकारी बने।

(ख) 1. यतीन्द्रनाथ मुखर्जी का नाम बाघा जतिन एक बाघ का वध करने के कारण पड़ा। सन् 1906 ई० की बात है। बंगाल के दक्षिण जिले के कोया गाँव के आसपास एक बाघ ने बड़ा आतंक मचा रखा था। इससे चारों ओर भय का वातावरण व्याप्त था। जब यतीन्द्रनाथ को इस बात का पता चला, तो वह एक लम्बा चाकू लेकर निकल पड़े और बाघ से गुत्थम-गुत्था हो गए व बाघ का वध कर दिया।

2. कोलकाता के गोरा बाजार में भारतीयों पर कोड़े बरसाते अंग्रेज को पीटने तथा भारतीय महिलाओं को बग्घी की छत पर बैठकर उनसे अभद्रता करने वाले अंग्रेजों को पीटने से इस बात का पता चलता है कि बाघा जतिन अंग्रेजों द्वारा भारतीयों का अपमान बिल्कुल सहन नहीं करते थे।
3. बाघा जतिन पर बंगाल में हुए क्रान्तिकारी आन्दोलन, बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' स्वामी विवेकानन्द तथा सन्यासी भोलानाथ गिरि का प्रभाव पड़ा।
4. बाघा जतिन को अपना क्रान्तिकारी आन्दोलन जारी रखने के लिए धन की आवश्यकता थी। मुक्त संगठन होने के कारण किसी से खुले में चन्दा माँगना सम्भव न था। इसलिए वे धनी व्यक्तियों और व्यावसायिक संगठनों से बलपूर्वक धन वसूल करते थे।
5. 9 सितम्बर, 1915 को पुलिस ने उन्हें व उनके साथियों – चित्तप्रिय, मनोरंजन, नीरेन और ज्योतिष को घेर लिया। इनके पास केवल माउजर, पिस्तौलें थीं जबकि पुलिस के पास आधुनिक हथियार और गुमराह गाँव वाले थे। जतिन ने जब यह देखा कि पुलिस उनकी पिस्तौलों की मार के अन्दर पहुँच गई है, तो वे गोलियाँ चलाने लगे। पुलिस दल ने भी गोलियों की वर्षा कर दी। वे आखिरी गोली तक पुलिस का सामना करते रहे। अन्त में पुलिस ने इन्हें व इनके तीन साथियों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (ग);

(घ) 1. किसी को संकट में देखकर जतिन उसकी सहायता के लिए पहुँच जाते थे।
2. भगिनी निवेदिता ने जतिन से प्रभावित होकर उनकी भेंट स्वामी विवेकानन्द से कराई।
3. भोलानाथ गिरि अपने शिष्यों में देश की स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष करने का मन्त्र फूँकने के लिए प्रसिद्ध थे।

भाषा की बात

1. (क) धीरे-धीरे, पास-पास, दूर-दूर (ख) आना-जाना, ऊपर-नीचे, मोटा-पतला
(ग) घर-बार, धन-धान्य, गरीब-बेसहारा (घ) चाय-वाय, चाल-ढाल, दम-खम
(ङ) ऊट-पटाँग, अफरा-तफरी, रेलम-पेल
2. (क) नीचे (ख) सहज (ग) चारों ओर
3. (क) आव देखा न ताव = बिना सोचे-समझे
सतीश ने आव देखा न ताव और डाकुओं पर टूट पड़ा।
(ख) हक्का बक्का रहना = आश्चर्यचकित रहना।
पुलिस को सामने देखकर चोर हक्का-बक्का रह गया।
4. (क) ग (ख) ख (ग) क

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. यदि हमारे सामने कोई विदेशी हमारी महिलाओं की बेइज्जती करता है तो हम यथासंभव उसे दण्ड देंगे और उससे भविष्य में ऐसा न करने की शपथ लेंगे।
2. स्वतन्त्रता सेनानियों के दो दल थे। इनमें एक नरम दल था और दूसरा गरम दल। गरम दल का मानना था कि अंग्रेजों को बल प्रयोग से ही भारत से भगाया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने विभिन्न हथियारों का प्रयोग किया। इनमें प्रमुख थे – चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, अशफाक उल्ला, बटुकेश्वर दत्त आदि। इसके विपरीत नरम दल का मानना था कि सत्य और अहिंसा के बल पर स्वतन्त्रता प्राप्त कर सकते हैं।

15 माँ कह एक कहानी

मौखिक

1. यशोधरा अपने बेटे राहुल को कहानी सुना रही है।
2. प्रातःकाल उपवन में राहुल के पिता (सिद्धार्थ) भ्रमण कर रहे थे।
3. बाण हंस को लगा।
4. शिकारी का बाण लगने पर हंस घायल हो गया।

लिखित

(क) 1. यशोधरा ने मानधन शब्द का प्रयोग अपने बेटे राहुल के लिए किया है।
2. उपवन में हंस आहत हुआ।
3. राहुल के पिता का विवाद शिकारी के साथ था।
4. उभय का अर्थ दोनों अर्थात् राहुल के पिता और शिकारी है।

(ख) 1. घायल पक्षी पर शिकारी अपना अधिकार इसलिए मानता है, क्योंकि वह शिकारी के बाण से घायल हुआ था।
2. दोनों अर्थात् शिकारी और सिद्धार्थ दरबार में फैसला करवाने गए थे। शिकारी के बाण से एक पक्षी घायल हो गया था। शिकारी उसे अपना कह रहा था और सिद्धार्थ कह रहे थे कि यह पक्षी मेरा है इसी का फैसला करवाने वे दोनों दरबार में गए थे।
3. पक्षी को दरबार में छोड़ दिया गया और कहा कि पक्षी जिसके पास जाएगा वह उसी का होगा। पक्षी सिद्धार्थ की तरफ जाता है क्योंकि उसने उसे बचाया था। पक्षी सिद्धार्थ को दे दिया जाता है।
4. पाठ के अनुसार अगर कोई भी व्यक्ति जब किसी निरपराध जीव को मारने या कष्ट पहुँचाने का प्रयास करता है तो न्याय किस प्रकार उसकी रक्षा कर सकता है? उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। पाठ में यही अच्छा लगा जब राजा ने पक्षी को शिकारी को ना देकर सिद्धार्थ को दिया।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (ख)

(घ) 1. माता हठी पुत्र को कह रही है।
2. सवेरे उपवन में राहुल के पिता भ्रमण करते थे।

भाषा की बात

1. (क) कठिन (ख) सदयी (ग) भक्षक (घ) अन्याय (ङ) लाभ (च) विपक्ष
2. (क) वहाँ (ख) वालना (ग) कभी (घ) परदेश (ङ) वानी (च) धीरे
3. (क) कृतज्ञ (ख) दुख (ग) मनुष्य (घ) संसार (ङ) जगह (च) व्याख्या, वर्णन
4. (क) भारतीय (ख) कार्यक्रम (ग) सतर्क (घ) स्वर्ग

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

16 ताँगेवाला

मौखिक

1. मित्र से मिलने जाने के कारण नायक को यात्रा स्थगित करनी पड़ी।
2. नायक गाँव में अपने मित्र से मिलने जा रहा था।
3. ताँगेवाले के देशभक्त तथा स्वाभिमानी होने के कारण नायक ने उसकी बात ध्यान से सुननी शुरू कर दी।
4. माता-पिता की डिप्टी कलेक्टर (अंग्रेज) की नौकरी करने की बात न मानने के कारण ताँगेवाले को अपना घर छोड़ना पड़ा।

लिखित

(क) 1. नायक अपने मित्रों के साथ कश्मीर-यात्रा पर जाने की योजना बना रहा था।

2. चिलचिलाती धूप, लू की लपट और कच्ची सड़क की धूल देखकर नायक को गाड़ी से उतरते ही गाँव जाने का साहस नहीं हुआ।

3. ताँगेवाले को देशभक्त और स्वाभिमानी होने के कारण उसे घर छोड़ना पड़ा। जीविकोपार्जन के लिए उसे ताँगा चलाना पड़ा।

4. ताँगेवाले ने नदी का पानी बहुत साफ और मीठा बताया।

(ख) 1. ताँगेवाले को सन् सत्तावन के गदर तथा गाँधीजी की गतिविधियों के बारे में पता होने के कारण हम कह सकते हैं कि उसे इतिहास की अच्छी जानकारी थी।

2. ताँगेवाला अपने देशवासियों में एकता न होने तथा सच्चे मन से अंग्रेजों के विरूद्ध काम न करने के कारण आहत था।

3. ताँगेवाला एक देशभक्त व्यक्ति था। उसे अंग्रेजों की गुलामी पसंद नहीं थी। वह लोभी तथा पैसे के पीछे नहीं भागता था, क्योंकि उसने डिप्टी कलेक्टर के दफ्तर में नौकरी करने से मना कर दिया। वह स्वाभिमानी था जिस कारण उसने मेहनत करना (ताँगा चलाना) स्वीकार किया।

4. प्रारम्भ में नायक ताँगेवाले को एक अनपढ़ और साधारण व्यक्ति समझ रहा था, किन्तु बाद में उन्होंने उसके विचारों में क्रान्तिकारी भावना पाई। उनका तेईस मील का रास्ता किस प्रकार से समाप्त हो गया, यह पता ही नहीं लगा। उन्होंने ताँगेवाले को एक अच्छा साथी बताया।

5. हम इस कथन से पूर्णतः सहमत हैं, क्योंकि एकता की कमी के कारण ही हमारा देश पहले मुगलों के तथा बाद में अंग्रेजों के अधीन रहा।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (ग); 4. (क)

(घ) 1. ताँगेवाला नायक से कह रहा है।

2. भाई-बन्धु हिन्दुस्तानियों को कहा गया है।

3. वक्ता के मन में परेशानी हिन्दुस्तानियों में एकता न होना है।

भाषा की बात

1. (क) ग्वाला + इन; (ख) धन + वान; (ग) लाल + इमा; (घ) सोलह + वाँ; (ङ) डिब्बी + इया; (च) दय + आलु; (छ) चिकन + आहट; (ज) टिक + आऊ।

2. (क) नमस्कार करना, फल; (ख) एक वाद्य-यन्त्र, बोली; (ग) फल, मात्रा; (घ) अध्यापक, बड़ाः (ङ) बद्दुआ, स्वच्छ; (च) कन्धा, हिस्सा।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. वर्तमान में देश में गरीबी, महँगाई, भ्रष्टाचार आदि का बोलबाला है। व्यक्ति किसी स्वार्थ के लिए बड़े-से बड़ा अपराध करने को तत्पर है। किसी को भी देश के विकास, हित, दशा आदि की चिन्ता नहीं है। अतः इन बुराइयों को समाप्त करने के लिए देश को एक क्रान्ति की आवश्यकता है।
2. अहिंसा का अर्थ किसी भी व्यक्ति को मन, कर्म से हिंसा न पहुँचाना है। कुछ लोग इसे कायरता की संज्ञा देते हैं जबकि यह सरासर गलत है। एक प्रसिद्ध दार्शनिक का कथन है – युद्ध जीतकर व्यक्ति समझता है कि उसकी जीत हुई है, किन्तु वास्तव में दोनों पक्षों की हार हुई है।
3. ऐसा हमारी अशिक्षा तथा परम्परागत विचारों के कारण होता है इसे रोकने के उपाय शिक्षा का प्रचार-प्रसार तथा परम्पराओं की जाँच है।

17 नीति के दोहे

मौखिक

1. मेंढ़क वर्षा ऋतु में बोलते हैं।
2. कौए और कोयल की पहचान उनकी बोली से की जाती है।
3. बड़े को देखकर छोटों को नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि छोटों का काम बड़े नहीं कर सकते।
4. सज्जन व्यक्ति को उसके अच्छे आचरण के लिए बार-बार मनाना चाहिए।
5. काठ (लकड़ी) की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती।

लिखित

(क) 1. वर्षा ऋतु में कोयल मौन साध लेती है।

2. रहीम दास जी ने जड़ को सींचने की सलाह इसलिए दी है, क्योंकि इससे फूल-फल आदि में भी लाभ होता है।

3. कपट का व्यापार करने वाले के साथ दूसरा व्यक्ति अपने सम्बन्ध नहीं रखता है।

4. सुपुत्र एक ही भला होता है।

(ख) 1. समय आने पर पेड़-पौधे फलते हैं, तो समय आने पर उनके पत्ते और फल आदि सब झड़ जाते हैं। इस कथन से निष्कर्ष निकलता है कि समय सदैव एक समान नहीं रहता है यह बदलता रहता है।

2. रहीम दास जी स्वयं को बड़ी मुश्किल में फँसा महसूस करते हैं, क्योंकि सत्य बोलने से व्यापार नहीं चलता और झूठ बोलने से राम नहीं मिलते।

3. काठ की हाँडी एक बार चूल्हे पर चढ़ाने में ही जल जाती है। इसलिए वह चूल्हे पर दोबारा नहीं चढ़ाई जाती।

4. 'आँखे दिल का दर्पण होती हैं', यह इस दोहे में बताया गया है–
   नैना देत बताय सब, हिय को हेत अहेत।
   जैसे निरमल आरसी, भली बुरी कहि देत।।
5. दोष पराए देखकर, चला हँसत-हँसत।
   अपने चित्त न आवई, जिसका आदि न अन्त। इस दोहे की तुलना में वृन्द का यह दोहा रखा जा सकता है –
   सब देखै थै आपनो, दोष न देखै कोय।
   करे उजेरौ दीप पे, तरे अँधेरों होय।।
6. 'बुराई का फल बुरा होता है।' इस बात की पुष्टि के लिए कवि ने दृष्टान्त दिया है कि किसी दूसरे के लिए यदि गड्ढा खोदोंगे, तो उसमें आप स्वयं ही गिरोंगे।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. बड़े आदमी से मिलने पर छोटों को नहीं छोड़ना चाहिए।
   2. तलवार सुई का काम नहीं कर सकती।
   3. आँखें हृदय का भेद बता देती हैं।

भाषा की बात

2. 1. (ग); 2. (क); 3. (ख); 4. (घ)

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. सन्त एवं महापुरुष समाज में शिष्टाचार, अनुशासन, मानवता, नैतिकता आदि की सीख देते हैं। ये वास्तव में परोपकारी जन होते हैं और निःस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं।
2. अच्छे गुणों को अपनाकर तथा अवगुणों को दूर करके हम अपना जीवन अच्छा तथा सफल बना सकते हैं। इसके लिए समय पालन तथा निरन्तर परिश्रम की आवश्यकता होती है।

18 असली खुशी

मौखिक

1. राजा संग्राम सिंह के सम्बन्ध अपनी प्रजा से बहुत अच्छे थे।
2. राजकुमार स्वयं भी नहीं जानता था कि वह उदास क्यों है?
3. राजा से सुखी व्यक्ति ढूँढ़ने के लिए कहा।
4. पड़ोसी राजा के बारे में राजा को सूचना मिली कि उसे असाधारण रूप से सुखी व्यक्ति माना जाता है।

लिखित

(क) 1. राजा अपने राजकुमार विक्रम की उदासी से चिंतित था।
   2. राजकुमार बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और खुबसूरत था।

3. राजा ने घोषणा की और अपने संदेशवाहकों को दूर-दूर तक ऐसे व्यक्ति की तलाश में भेजा जिसकी कमीज उसके पुत्र को फिर से जीवंत बना सके।
4. राजा ने सुखी व्यक्ति से उसकी कमीज माँगी।

(ख) 1. राजा ने अपने चिकित्सकों ज्योतिषियों और विद्वानों से परामर्श किया।
2. राजा को एक पड़ोसी राजा के बारे में सूचना मिली जिसे असाधारण रूप से सुखी व्यक्ति माना जाता था, परन्तु वास्तव में वह सुखी नहीं था। क्योंकि उसे अपनी मृत्यु की चिंता थी। जिससे वह परेशान रहता था।
3. अपना दिमाग शांत करने के लिए राजा ने शिकार पर जाने का फैसला किया और वहाँ एक खरगोश का पीछा करते हुए वे अपने दल से भटक गए।
4. इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि खुशी हमारे भीतर छिपी होती है वह बाहर ढूँढ़ने की वस्तु नहीं है।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. राजा ने पूरे राज्य में इश्तिहार लगवा दिए।
2. उस पर लिखा था कि जो भी एक पूर्णता सुखी व्यक्ति के बारे में बताएगा, उसे बड़ा इनाम मिलेगा।
3. राजा से मिलने के लिए लोगों की भीड़ लग गई।

भाषा की बात

1. (क) बनिया (ख) भारतीय (ग) पड़ोसिन (घ) प्रासंगिक (ङ) सम्मोहित (च) नैतिकता
2. (क) घोड़े का सवार (ख) राष्ट्र का पति (ग) राजा का कुमार (घ) हवन का कुण्ड (ङ) धर्म का युद्ध (च) गंगा का स्नान
3. (क) निरुत्साहित (ख) अनुज (ग) अवगुण (घ) प्राचीन (ङ) पक्का (च) गलत
4. (क) गहना (ख) नीच (ग) रवि (घ) सम्पति (ङ) वाहिनी (च) हवा

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

हमारे आज के समाज में हर प्रकार की सुविधाएँ होते हुए भी व्यक्ति तनावग्रस्त इसलिए रहता है क्योंकि उसके मन में सन्तुष्टि नहीं है। उसके पास जितना है उससे अधिक पाने की इच्छा उत्पन्न होती है। लोगों के तनावग्रस्त होने का यही मुख्य कारण है।

1 पथिक से

मौखिक

1. कवि पथिक को राह में काँटे, कठिनाईयाँ आदि को न भूलने के लिए कह रहा है।
2. 'वापी' का अर्थ 'छोटा तालाब' या 'बावड़ी' है।
3. कठिन कर्म की राह होने पर राही का मन उन्मुख होगा।
4. पग-पग पर घोर निराशा के काले बादल छाएँगे।

लिखित

(क) 1. कविता के रचयिता 'शिवमंगल सिंह सुमन' हैं।
2. कवि ने कविता पथिक के सम्बन्ध में लिखी है।
3. कवि पथिक से पथ तथा उसमें आने वाली कठिनाइयों को न भूलने को कह रहा है।
4. 'महाकाल की माला' से कवि का तात्पर्य मृत्यु से है।

(ख) 1. कवि ने सुन्दरता को मृग-तृष्णा इसलिए कहा है कि सुन्दरता को सभी ढूँढते फिरते हैं, पर उनके मन के अनुसार उन्हें सुन्दरता कहीं नही मिल पाती है।
2. कवि ने कठिन कर्त्तव्यों के रास्तों पर राही का उन्मुख होना मनुष्य जीवन की प्रथम विफलता कहा है।
3. इन परिस्थितियों में कवि को पथिक के पथ भूलने की आशंका होती है– सुन्दरता की मृग-तृष्णा होना, कठिन कार्य होने पर उन्मुख होने पर, एकाकीपन होने पर, कर्तव्य-प्रेम की उलझन होने पर आदि।
4. (क) कवि ने कहा है कि शारीरिक सुन्दरता मृग-तृष्णा है, मिथ्या है। इसके चक्कर में पड़कर हमें अपना लक्ष्य नहीं भूलना चाहिए।
(ख) कवि ने वीर सैनिकों की वीरता का वर्णन करते हुए बताया है कि युद्ध का नगाड़ा बजने पर वीर सैनिक अपने प्रियजनों से विदा लेते हुए पुलकित हो रहे हैं।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. युद्ध के नगाड़े की आवाज सुनकर सैनिक 'विदा विदा' कहकर पुलक रहे होंगे।
2. कुछ जल कण हाथों में कुंकुम थाल लिए होंगे।
3. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'रणभेरी', 'वीर सैनिक' आदि हो सकते हैं।

भाषा की बात

2. (क) विद्या + आलय; (ख) सत + ईश; (ग) देव + इन्द्र; (घ) हित + उपदेश; (ङ) तथा + एव; (च) इति + आदि; (छ) सु + आगतम; (ज) अति + अधिक; (झ) वि + आप्त; (ञ) नै + अन; (ट) गै + अक; (ठ) पौ + अन।

3. (क) असत्य; (ख) खुशनसीब; (ग) असावधानी; (घ) गैर रिवाजी; (ङ) खुशबू; (च) गैर रियायती।
4. (क) विद्रोही; (ख) परंपरागत; (ग) निश्चिन्त; (घ) सावधान; (ङ) जानकार।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. जीवन-यात्रा में हमें अनेकानेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इनमें मिथ्या सुन्दरता के पीछे भागना, कठिन कर्त्तव्यों से विमुख होना, एकाकीपन होना, कर्त्तव्य और प्रेम की उलझन होना आदि हैं।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।

2 शहीद बकरी

मौखिक

1. भेड़िए की धूर्तता के कारण चरवाहे ने बकरियों को पहाड़ पर चराना बन्द कर दिया।
2. शिकारी के भय से शुतुरमुर्ग रेत में अपनी गरदन छिपा लेता है।
3. एक युवा बकरी ने बाड़ा लाँघकर भेड़िए से मुकाबला किया।
4. बकरी ने भेड़िए से आक्रमणकारी व्यवहार करके उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया।

लिखित

(क) 1. चरवाहे ने भेड़िए के डर से अपनी बकरियों को पहाड़ पर चराना बन्द कर दिया, क्योंकि वह रोजाना भेड़ को मारकर खा जाता था।
2. युवा बकरी भेड़िए से मुकाबला करने के लिए अकेली घूमने गई।
3. बकरी ने भेड़िए का मुकाबला बहादुरी के साथ अपने पैने सींगों से उस पर जोरदार आक्रमण करके किया।
4. तोते ने मैना से कहा, "भेड़िए से भिड़कर भला बकरी को क्या मिला?"

(ख) 1. एक भेड़िए की धूर्तता के कारण चरवाहे को बकरियों को पहाड़ पर ले जाना छोड़ना पड़ा। एक युवा बकरी को यह बन्धन पसन्द नहीं आया और एक दिन वह भेड़िए से भिड़ने के लिए बाड़े से बाहर भाग गई।
2. 'भोग्य सदैव भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं।' लेखक के इस कथन का आशय है कि शक्तिशाली प्राणी सदैव कमजोरों पर राज करने तथा दूसरे संसाधनों का उपयोग करने के लिए पृथ्वी पर पैदा होते हैं।
3. बकरी की मृत्यु पर मैना को गर्व हुआ, क्योंकि उसने यह सोचते हुए कि वह मारी जाएगी, फिर भी अत्याचारी भेड़िए का मुकाबला किया और भेड़िए को गंभीर रूप से घायल करके तिल-तिल कर मरने पर मजबूर कर दिया।
4. लेखक ने क्रान्तिकारी बकरी के साहस की प्रशंसा करते हुए बताया कि बकरी मर तो जरूर गई किन्तु अत्याचारी भेड़िए को गम्भीर रूप से घायल करके उसे सबक जरूर सिखा गई। अब वह भी तिल-तिल कर मर जाएगा।
5. (i) बकरियाँ कमजोर थी और उनके अन्दर क्रान्तिकारी भाव नहीं थे। उन्होंने भेड़िए के आक्रमण तथा मृत्यु से बचकर बाड़े में सुरक्षित रहना ही अच्छा समझा।

(ii) लेखक ने युवा क्रान्तिकारी बकरी के अदम्य साहस के बारे में कहा कि उसकी भेड़िए से मुकाबला करने की इच्छा बलवती होती चली गई और वह एक दिन बाड़े को लाँघकर उसके पास पहुँच गई।

(ग) 1. (ख); 2. (ख); 3. (क)

(घ) 1. बकरी को भेड़िए की बकवास सुनने का अवसर नहीं था।
2. बकरी ने भेड़िए को जोर-से टक्कर मारी।
3. बकरी की टक्कर से असावधान भेड़िया सम्भल न सका। यदि बीच का भारी पत्थर उसे सहारा न देता, तो वह औंधे मुँह नीचे गिर गया होता।

भाषा की बात

1. (क) चन्द्रमा के समान मुख, कर्मधारय; (ख) दश हैं आनन जिसके अर्थात् रावण, बहुब्रीहि; (ग) सीता और राम, द्वन्द्व; (घ) पाप और पुण्य, द्वन्द्व; (ङ) माता और पिता, द्वन्द्व; (च) जन्म भर, अव्ययी भाव।
2. (क) वि; (ख) अ; (ग) स; (घ) निः; (ङ) अन; (च) बद।
3. (क) न जाने वह चोटी पर कैसे चढ़ेगा।
(ख) न जाने बकरी को बन्धन क्यों पसन्द नहीं आया?
(ग) न जाने उसे क्या रोग होगा?

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. अत्याचार और मनमानियों को सिर झुकाकर सहन करना भी अत्याचार करने के समान ही है। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए हमें अत्याचार और मनमानियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए।
2. यह बोधकथा बकरी तथा भेड़िए तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंसक व शक्तिशाली और कमजोर व बेबस जीव तक की कहानी है और यही कहानी मनुष्यों पर भी लागू होती है।

3 प्रदूषण

मौखिक

1. प्रकृति के सन्तुलन से ही पृथ्वी पर जीवन सम्भव हो सकता है।
2. मनुष्य के अवांछित कार्यों से आज प्रकृति का सन्तुलन बिगड़ा हुआ है।
3. बड़े उद्योग स्थापित होने तथा बढ़ते शहरीकरण के कारण बड़े-बड़े नगर बस गए हैं।
4. ओजोन की परत में छेद होने से सूर्य की पराबैंगनी (हानिकारक) किरणें पृथ्वी पर आ रही हैं।

लिखित

(क) 1. पृथ्वी पर बढ़ती आबादी ने भोजन, आवास के लिए जमीन तथा रोजगार की समस्या पैदा कर दी है।
2. बड़े-बड़े उद्योग स्थापित होने तथा बढ़ते शहरीकरण के कारण बड़े-बड़े नगर बसने लगे हैं।
3. सूर्य की पराबैंगनी किरणें जो सभी सजीवों के लिए हानिकारक हैं, उनसे ओजोन की परत द्वारा बचाव हो रहा है। वह इन्हें वापस अन्तरिक्ष में भेज देती हैं।
4. अधिक वर्षा को अतिवृष्टि, कम वर्षा को अल्प वृष्टि तथा वर्षा का न होना अनावृष्टि कहलाता है।

(ख) 1. बड़े उद्योग-धन्धों और बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण बड़े नगर बस गए हैं और इन नगरों से निकलने वाला कूड़ा, कचरा तथा कारखानों से निकलने वाला कूड़ा जलाशय में गिरकर जल प्रदूषित करता है तथा कारखानों और वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषित करता है। इस प्रकार उद्योग धन्धे और शहरीकरण प्रदूषण के कारण बन रहे हैं।

2. औद्योगिक विकास के कारण वायुमण्डल में क्लोरो फ्लोरो कार्बन नामक गैस अधिक हो गई है जिससे ओजोन परत में छेद होता जा रहा है। इससे ओजोन की मात्रा में कमी हो रही है जिसके कारण उसकी परत पतली हो रही है।

3. प्रदूषण के चारों कारण एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं। इस कथन का अर्थ है कि यदि एक प्रकार का प्रदूषण होता है तो उसके प्रभाव के कारण दूसरे प्रकार का प्रदूषण भी होता है। यदि प्रदूषित जल का फसलों की सिंचाई में प्रयोग किया जाता है तो वह भूमि को भी प्रदूषित कर देता है।

4. समस्या का हल वापस लौटने में नहीं वरन उसका युक्ति संगत हल खोजने में है। कथन पूर्णतः सत्य है। वापस लौटने से समस्या जैसी की तैसी बनी रहती है। परन्तु उसका युक्ति संगत हल ढूँढने से वह सदा के लिए समाप्त हो जाएगी और इसका लाभ दूसरे लोगों को भी मिल जाएगा।

5. (क) लेखक ने पर्यावरण के महत्त्व का वर्णन करते हुए बताया है कि यह हमारी कवच की तरह कार्य करके सूर्य की हानिकारक किरणों से हमे बचाए रखता है और हमारे चारों ओर आवश्यक गर्मी बनाए रखता है।

(ख) लेखक ने बताया है कि हमारे पूर्वजों ने हमारे धार्मिक क्रियाकलापों की व्यवस्था इस प्रकार की है जिससे प्रकृति तथा पर्यावरण की रक्षा हो सके। इस प्रकार हमारे धार्मिक कार्य प्रकृति तथा पर्यावरण के प्रति हमारी आस्था प्रकट करते हैं।

(ग) 1. (क); 2. (ग); 3. (ख)

(घ) 1. हमारी संस्कृति में पेड़ लगाना एक पुण्य कार्य समझा जाता है।

2. पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, आँवला जैसे उपयोगी वृक्षों का रोपण महान धार्मिक कृत्य माना गया है।

3. शिक्षा का सही लाभ तभी होगा जब हम अच्छे संस्कारों को बनाए रखें।

भाषा की बात

2. (क) प्रचार, प्रहार; (ख) प्रतिष्ठित, प्रतिस्पर्धा; (ग) बदनाम, बदहवास; (घ) सद्कार्य, सदाचार।
3. (क) उद्योग और धन्धे, द्वन्द्व; (ख) मल की निकासी, सम्बन्ध तत्पुरुष; (ग) जीव और जन्तु, द्वन्द्व; (घ) जल का प्रदूषण, सम्बन्ध तत्पुरुष; (ङ) मौसम का चक्र, सम्बन्ध तत्पुरुष; (च) अंतरिक्ष का यान, सम्बन्ध तत्पुरुष।
4. (क) काफी; (ख) मिल-जुलकर; (ग) मूसलाधार; (घ) गति।

मूल्याधरित प्रश्न (VBQs)

1. उद्योगों तथा स्वस्थ जीवन में से हम स्वस्थ जीवन का चुनाव करेंगे, क्योंकि यदि हम स्वस्थ हैं तो उद्योगों का लाभ ले पाएँगे, अन्यथा नहीं।
2. पर्यावरण नियन्त्रण में विद्यार्थी जीवन का भी महत्त्वपूर्ण योगदान है। विद्यार्थी अपने विद्यालय तथा घर में या उसके आसपास पेड़-पौधे लगाकर देख-भाल कर सकते हैं तथा विभिन्न कार्यों द्वारा लोगों को पर्यावरण नियन्त्रण के लिए जागरूक कर सकते हैं।

4 हृदय परिवर्तन

मौखिक

1. लेखक के मित्र का नाम बोधराज था।
2. बोधराज छठी कक्षा में पढ़ता था।
3. बोधराज बड़ा जालिम लड़का था।
4. बोधराज का निशाना अचूक था।

लिखित

(क) 1. क्योंकि वह पक्षियों को बड़ी निर्दयता से मारता था।
2. बोधराज ततैयों को नंगे हाथ से पकड़ता और उनका डंक निकाल देता और फिर उनकी टाँग में धागा बाँधकर उसे पतंग की तरह उड़ाने का प्रयास करता।
3. लेखक की माँ बोधराज को राक्षस के नाम से बुलाती थी।
4. बोधराज ने गोह को साँप जैसा बालिश्त भर लम्बा बताया है परन्तु उसके पैर होते हैं।

(ख) 1. बोधराज अपनी जेब में तरह-तरह की चीज़ें रखे घूमता, कभी मैना का बच्चा या तरह-तरह के अंडे या काँटेदार झाऊ चूहा होता था।
2. बोधराज ने बताया कि हमारे घर में एक गोह रहती है। गोह साँप जैसा एक जानवर है, बालिश्त भर लम्बा, मगर उसके पैर होते हैं। आठ पंजे होते हैं। साँप के पैर नहीं होते।
3. बोधराज बक्से पर चढ़कर मैना के घोंसले में बहुत देर तक देखता रहा और फिर कहा – "थोड़ा पानी लाओ, इन्हें प्यास लगी है। इनकी चोंच में बूँद-बूँद पानी डालेंगे।"
4. मैना के बच्चों को चील से बचाने के बाद उसके मन में पक्षियों के प्रति प्यार की भावना पैदा हुई। उसके बाद से उसका हृदय परिवर्तन हुआ। अब न तो वह गुलेल रखता और न ही उसके जेब में कंकड़ होते थे।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (क)

(घ) 1. चोर दीवार फाँदने के लिए अपने पास गोह रखते थे।
2. गोह दीवार को अपने पंजों से मजबूती से पकड़कर अपने आप को रोक लेती है।
3. लगभग दस आदमी गोह की सहायता से चढ़ सकते हैं।

भाषा की बात

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – बोधराज, गोह, साँप
जातिवाचक संज्ञा – पक्षी, राक्षस, चोर
भाववाचक संज्ञा – जालिम, दया, कठोर
2. खेलना – खेल रहा है, खेला था, खेलेगा
उड़ना – उड़ रहा है, उड़ा था, उड़ेगा
3. (क) माता, जननी, अम्बा (ख) गृह, आलय, मन्दिर
(ग) खग, विहग, पंछी

4. (क) उसे कभी कोई खेल नहीं सूझता था।
(ख) मगर बोधराज जाने कहाँ घूमता रहता था?
(ग) चील अपने घोंसले में लौटी है।
(घ) दूध पीते ही गोह के पंजे ढ़ीले पड़ जाते हैं।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

5 विशाल बरगद

मौखिक

1. लम्बे व्यक्ति आमतौर पर विनयी होते हैं।
2. बरगद की हवाई जटाएँ हवाई जड़े कहलाती हैं।
3. बरगद के पेड़ पर कीड़े-मकोड़े, चिड़ियाँ, गिलहरियाँ, चमगादड़ आदि रहते हैं।
4. बरगद अंजीर जाति का पेड़ है।

लिखित

(क) 1. आजकल शहरों में बरगद के पेड़ अधिक देखने को नहीं मिलते, क्योंकि शहरों में आवास के लिए ही जगह कम है और बरगद उगने के लिए अधिक जगह चाहिए।

2. हवाई जड़ों पर टिका बरगद खम्भों पर टिकी किसी इमारत के जैसा दिखाई देता है।

3. पपीहे के बारे में पाठ में बताया गया है कि वह गर्मी की ऋतु में बरगद पर आता है। उसकी आवाज तेज व तीखी होती है। एक अंग्रेज ने उसका नाम ब्रेन फीवर बर्ड यानि सन्निपात का रोगी पक्षी रखा।

4. बरगद का अंग्रेजी नाम 'बनियन' है। अंग्रेजों ने सम्भवतः लोगों को इसके नीचे बैठकर पूजा अर्चना या व्यापार की बातें करते देखकर इसका नाम 'बनिया' रखा होगा जो बदलकर 'बनियन' हो गया।

(ख) 1. एक बरगद को फैलने के लिए बहुत जगह चाहिए। यह लगभग एक तिमंजिली इमारत के समान जगह घेर लेता है।

2. मनुष्य के अलावा बरगद के पास बहुत-से जीव जन्तु आते हैं। इसमें चिड़ियाँ, गिलहरी, कीड़े-मकोड़े, चमगादड़ आदि अपना भोजन प्राप्त करते हैं। और वे अपना घर भी उसी में बनाते हैं।

3. जब बरगद की कोपलें नरम गुलाबी-सी होती हैं, तो एक किस्म की नाजुक तितलियाँ आकर उनमें अपने अण्डे छोड़ जाती हैं। वे पत्तों पर अपना लेसदार मधु फैला जाती हैं जिससे खिंचकर नन्हीं धारीदार गिलहरियाँ आने लगती हैं।

4. प्रयाग में संगम के तट पर बरगद का एक अत्यन्त प्राचीन वृक्ष है। यह अक्षयवट के नाम से जाना जाता है। उसके साथ अनेक अन्धविश्वास तथा दन्त कथाएँ प्रचलित हैं। आज भी लाखों यात्री उसके दर्शन को जाते हैं।

5. (क) लेखक बताते हैं कि पुराने समय में सड़क के किनारे पर छाया के लिए बरगद के पेड़ उगाए जाते थे जो जगह की कमी के कारण आजकल नहीं उगाए जाते।

(ख) लेखक बताते हैं कि बरगद के विशाल आकार को उसकी हवाई जड़ें या हवाई जटाएँ थामें होती हैं। यदि इन्हें गिरा दिया जाए, तो बरगद स्वयं ही गिर जाएगा।

(ग) लेखक ने बरगद के पेड़ को किसी छात्रावास या होटल के समान बताया है, क्योंकि इसमें बहुत-से जीव-जन्तु रहते हैं और इसी से भोजन भी प्राप्त करते हैं।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. लेखक ने बरगद को एक विशाल राक्षस न समझने के लिए कहा है।
2. बरगद की लकड़ी सदियों से तम्बुओं के खम्भों, बैलगाड़ियों में बैलों के जुए आदि बनाने में काम आती हैं।
3. बरगद की टहनियाँ हाथियों का प्रिय भोजन रहा है।

भाषा की बात

2. (क) (ii); (ख) (ii)
3. (क) अविश्वास; (ख) दीर्घ; (ग) अन्त; (घ) पराजय; (ङ) अशान्ति; (च) सामान्य।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. एक विशाल पेड़ की विभिन्न शाखाओं पर विभिन्न जीव-जन्तु समूह के रूप में रहते हैं। इसलिए यह एक छोटी कॉलोनी की तरह होता है।
2. एक विशाल पेड़ से बहुउद्देशीय परियोजना की तरह अनेक लाभ होते हैं। यह छाया के अतिरिक्त अनेक जीव जन्तुओं का घर है। बहुत-से जीव-जन्तु इससे भोजन भी प्राप्त करते हैं।

6 इम्तिहान

मौखिक

1. सुजान सिंह को परमात्मा की याद आई थी।
2. सुजानसिंह रियासत देवगढ़ के दीवान थे।
3. क्योंकि दीवान के पद के लिए इम्तिहान के बारे में लिखा गया था।

लिखित

(क) 1. कहानी के लेखक का नाम 'मुंशी प्रेमचन्द' है।
2. सुजानसिंह ने महाराज से प्रार्थना की, कि स्वामी सेवक को आपकी सेवा करते चालीस साल हो गए हैं। अब मैं कुछ दिन परमात्मा की सेवा करने की आज्ञा चाहता हूँ।
3. देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे।
4. देवगढ़ रियासत में फैशनवालों ने हॉकी का खेल खेलने का सुझाव दिया।

(ख) 1. समाचार पत्रों के विज्ञापन में बताया गया – "देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की आवश्यकता है। जो सज्जन अपने को इस काम के योग्य समझे वे वर्तमान दीवान सरदार सुजानसिंह की सेवा में उपस्थित हो। यह जरूरी नहीं कि वह ग्रेजुएट हो, मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है।"
2. इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में हलचल मचा दी। ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े।

3. दीवान के लिए अन्त में पं. जानकीनाथ को चुना गया क्योंकि उसने नाले में फंसे हुए एक किसान की गाड़ी को बाहर निकलवाया था। इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जिसके हृदय में दया और साथ-ही-साथ आत्मबल भी हो। हृदय वही है जो उदार हो, आत्मबल वही है, जो विपत्ति का वीरता से सामना करे। ये सभी गुण पं. जानकीनाथ में थे। इसलिए हमने इस पद के लिए इसका चुनाव किया है।
4. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें मुसीबत में पड़े किसी भी मनुष्य की सहायता करनी चाहिए।

(ग) 1. (क); 2. (ख); 3. (ख)

(घ) 1. राजा साहब अपने इस अनुभवशील और नीति कुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे।
2. राजा साहब ने दीवार की प्रार्थना स्वीकार कर ली।
3. राजा साहब ने दीवान साहब के लिए रियासत के लिये नया दीवान खोजने की शर्त रखी।

भाषा की बात

1.

क्रिया	काल
लिया	वर्तमान काल
खेलते थे	भूतकाल
जाएगा	भविष्यकाल

2. (क) जो, अपने, वे; (ख) वह, अपने; (ग) उसकी, उस
3. (क) परम + आत्मा = परमात्मा (ख) महा + अनुभाव = महानुभाव (ग) ध्यान + पूर्वक = ध्यानपूर्वक

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

7 कोणार्क-अद्‌भुत है शिल्प

मौखिक

1. ईसा की सातवीं शताब्दी से लेकर तेरहवीं शताब्दी तक उड़ीसा में कलापूर्ण मन्दिरों के निर्माण का क्रम जारी था।
2. कोणार्क और चन्द्रभागा अंचल को पुराण में 'अर्क क्षेत्र' और 'पद्‌म क्षेत्र' कहा गया है।
3. कोणार्क मन्दिर में भास्कर्य कला का प्रयोग हुआ है।
4. कोणार्क मन्दिर सूर्य के रथ के आकार का है।

लिखित

(क) 1. कोणार्क मन्दिर के निर्माण के बाद निर्माण का क्रम टूट गया।
2. कोणार्क का जगमोहन चौबीस चक्कों द्वारा संयुक्त है जिसे अश्व खींचते हैं।
3. कोणार्क के घोड़ों के सम्बन्ध में हार्बेल ने लिखा है, "युद्धाश्व अपनी शक्ति और सौन्दर्य के लिए वेनिस के विश्वप्रसिद्ध वेरएकिन्याओं में निर्मित महान कलाकृति से तुलनीय है।"
4. कोणार्क मन्दिर में तीन प्रकार की मूर्तियाँ हैं – धार्मिक, सामाजिक तथा योगात्मक।

5. कोणार्क मन्दिर के बारे में जनश्रुति है कि कोणार्क मन्दिर के ऊपर चुम्बक था, जो समुद्र में जाने वाले जहाजों को किनारे की ओर खींच लाता था। विदेशी नाविक उसे निकालकर ले गए। परिणाम स्वरूप वह ढह गया।

(ख) 1. भुवनेश्वर का मन्दिर, जगन्नाथपुरी का मन्दिर व कोणार्क बहुत बड़े विश्वप्रसिद्ध मन्दिर हैं। कोणार्क मन्दिर अपनी स्थापत्य कला के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है।

2. कोणार्क और चन्द्रभागा अंचल को पुराण में 'अर्कक्षेत्र' या 'पद्मक्षेत्र' कहा गया है। कहा जाता है कि भगवान श्री कृष्ण के पुत्र शाम्बकुमार यहाँ शापमुक्त हुए थे। यहाँ चन्द्रभागा नदी पर प्रति वर्ष माघ मास में सात दिन का मेला लगता है। लोग पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य भगवान की आराधना करते हैं और रोगों से मुक्त होते हैं। शाम्बकुमार ने भी यहीं पर कोणार्क के समीप चन्द्रभागा नदी के तट पर सूर्य भगवान की स्तुति की थी, जिससे वे कुष्ठ रोग से मुक्त हो गए थे।

3. कोणार्क मन्दिर में मुख्यतः तीन प्रकार की मूर्तियाँ हैं– धार्मिक, सामाजिक और भोगात्मक। पहले में देवमूर्तियाँ, अवतार व पौराणिक उपाख्यानों के चित्र हैं। दूसरे में बैलगाड़ी खींचना, औरत का खाना पकाना, दो दलों द्वारा रस्सा खींचा जाना, सैनिकों द्वारा युद्ध से लौटना, पतंग पर चन्दोवे का तानाबाना शामिल हैं। तीसरे प्रकार में शृंगारिका मूर्तियाँ हैं। विशालकाय हाथी तथा घोड़ों की मूर्तियाँ हैं।

4. कोणार्क की मूर्तियों के शिल्प-विधान में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। उस जमाने में धनिक लोग कैसे अचकन पहनते थे। पायजामा का भी प्रचलन था। स्त्रियाँ अंगों को आभूषणों से सजाती थीं। पुरूष सिर पर पगड़ी बाँधते थे। पलंग, तख्त, कुर्सी आदि का प्रयोग किया जाता था। लोग जूते पहनते थे। इस समय ढ़ोल-पखावज, वीणा-घण्टा आदि पर गायन-वादन होता था। युद्ध में धनुष, बर्ध्वा, तलवार, गदा, छुरा, शंख का प्रयोग किया जाता था। इस तरह कोणार्क मन्दिर सम्पूर्ण उत्कलीय संस्कृति का जीवन्त प्रतीक था।

5. इस सुप्रसिद्ध मन्दिर के पतन के बारे में भी अनेक बातें लिखी गई हैं। कहते हैं कि इस पर काला पहाड़ ने आक्रमण किया था तथा इस पर लगा चुम्बक निकाल लिया था। जनश्रुति है कि कोणार्क मन्दिर के ऊपर चुम्बक था, जो समुद्र में जाने वाले जहाजों को किनारे की ओर खींच लेता था। विदेशी नाविक उसे निकाल कर ले गए। परिणामस्वरूप मन्दिर ढह गया।

6. (क) भारत में मन्दिरों का बाहुल्य है। यहाँ अनेक विश्वप्रसिद्ध मन्दिर हैं। उनमें कोणार्क अपनी स्थापत्य कला के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है। परन्तु कोणार्क के निर्माण के बाद यह क्रम टूट गया और वह अपने समय का अन्तिम मन्दिर रह गया। इसके बनने के अनन्तर भुवनेश्वर, जगन्नाथपुरी आदि मन्दिर भी आते हैं। परन्तु कोणार्क के बाद उड़ीसा में न तो शिल्पी रहे और न ही मन्दिरों के निर्माण में अभिरूचि रखने वाले राजा-महाराजा।

(ख) जगन्नाथपुरी व कोणार्क मन्दिर।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. इस मन्दिर में जो सूक्ष्म कार्य किए गए हैं, वह भारतीय मूर्तिकला के चर्मोत्कर्ष का प्रमाण हैं।

2. अलंकारपूर्ण रथचक्र, नाचती-गाती, वाद्य बजाती जीवन्त-सी मूर्तियाँ, हाथी और घोड़े की पत्थर की विराट मूर्तियाँ विश्वप्रसिद्ध हैं।

3. पत्थरों पर बेल-बूटेदार वस्त्र अंकित करना, सुईं की नोंक से काढ़ी गई सूक्ष्म कारीगरी दिखाना प्राचीन उड़ीसा के सूक्ष्म भास्कर्य-कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

भाषा की बात

2. (क) युवा + अवस्था; (ख) ध्वंस + अवशेष; (ग) युद्ध + अश्व; (घ) शिव + आलय; (ङ) भग्न + अवस्था; (च) ज्ञान + अर्जन।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. वास्तव में हम अपनी ऐतिहासिक धरोहर की उचित देखभाल नहीं कर पा रहे हैं। इनकी देखभाल के लिए सरकार के साथ-साथ हमें भी आगे आना चाहिए। इसके लिए हमें आवश्यक प्रचार-प्रसार करना चाहिए।
2. प्राचीन भारत में जीवन के लिए सभी आवश्यक तत्त्व उपस्थित थे। यही कारण है कि यहाँ मनुष्यों ने रहना उचित समझा और विभिन्न संस्कृतियों को पनपने का यहाँ मौका मिला।

8 मेरे देश के लाल

मौखिक

1. कविता के रचनाकार 'बालकवि बैरागी जी' हैं।
2. 'देश के लाल' को हठीले बताया गया है, क्योंकि वे किसी के सामने अपना सिर नहीं झुकाते हैं अर्थात् अपनी हार नहीं मानते हैं।
3. 'कौमी गीत' का तात्पर्य 'राष्ट्रीय गीत' से है।
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

लिखित

(क) 1. मातृभूमि के लिए शहीद होना।
 2. कथनी करनी एकसमान।
 3. स्वतन्त्रता जन्मसिद्ध अधिकार है।

(ख) 1. 'मेरे देश के लाल' से कवि भारत की उत्कृष्ट युवा पीढ़ी की ओर संकेत कर रहा है। उसने बताया है कि वर्तमान पीढ़ी के युवाओं (लालों) में बहुत-सी विशेषताएँ हैं।
 2. कवि ने शान से जीने के तरीके बताए हैं – किसी के सामने शीश न झुकाने (हार न मानने), अपनी मातृभूमि के लिए सदैव अपनी जान देने के लिए तैयार रहना, अपना दिया वचन निभाना आदि।
 3. 'अहिंसा का पानी' के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि भारत देश में बालक को प्रारम्भ से ही अहिंसा का पाठ पढ़ाया जाता है।
 4. मातृभूमि की स्वतन्त्रता के लिए लोग मरते हैं क्योंकि मातृभूमि के दूसरों के अधीन हो जाने पर वे स्वतन्त्र नहीं रह सकेंगे।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (ग)

(घ) 1. 'दूध-दही की नदियाँ' से कवि का आशय दूध और इसके उत्पादों की बहुतायत है।
 2. धरती हीरों, पन्नों तथा माणिकों से भरी पड़ी है।

3. कवि ने भारत देश की महानता का वर्णन करते हुए कहा है कि यहाँ दूध और उसके उत्पादों की बहुतायत है। यहाँ विशाल खनिज सम्पदा है। यहाँ की भूमि बहुत उपजाऊ है जो मोती-सी फसल उगाती है। यहाँ के विशाल हिमालय पर विश्व के सभी देशों से ऊँचा झण्डा इसी का फहरता है।

काव्य सराहना और शिल्प

1. शुभ धरती, उच्च हिमालय, ऊँची ध्वजा, धानी चुनरिया, साँवले मेघ, हठीले लाल, कौमी गाना।
2. करती-धरती, भरती-फहरती, सेनानी-धानी, पानी-कल्याणी, मर जाना-निभाना, गाना-बाना

भाषा की बात

1. (क) पुत्र, एक रंग; (ख) आवश्यकता, सिर की माँग; (ग) मशीन, बीता हुआ दिन; (घ) पैमाना, सम्मान।
2. (क) दुग्ध, क्षीर; (ख) जल, नीर; (ग) धरा, वसुन्धरा; (घ) जननी, माता; (ङ) मस्तक, ललाट; (च) जग, संसार; (छ) घन, बादल; (ज) हिमशिखर, हिमगिरि।
3. (क) गुलामी; (ख) निम्न; (ग) तल; (घ) अहिंसा; (ङ) अशान्ति; (च) अशुभ।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. किसी नागरिक के लिए उसका देश बहुत महत्त्व रखता है। उसी से वह भोजन, शिक्षा, आश्रय, वस्त्र आदि प्राप्त करते हैं। उसी से रीति-रिवाज, परम्पराएँ, इतिहास आदि पाता है।
2. छात्र के रूप में हम विभिन्न रैलियाँ, जुलूस, विज्ञापन, चार्ट आदि के रूप में जन-जन तक विश्वशान्ति का प्रचार-प्रसार कर सकते हैं।

9 'ईमानदारी'

मौखिक

1. स्कूल में स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजन किया जा रहा था।
2. लड़के का नाम रिक्की था।
3. कक्षा 6 के छात्रों की अनुपस्थिति संख्या बहुत अधिक थी।

लिखित

(क) 1. क्योंकि उसने स्वन्त्रता दिवस की परेड में हिस्सा लिया था। उसके लिए वह उत्साहित था।
2. क्योंकि उसकी दादी बीमार थी और वह अस्पताल में थी। रिक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। इसलिए वह स्वतन्त्रता दिवस समारोह में न जाकर दादी के पास गया था।
3. प्रधानाचार्य ने अनुपस्थित विद्यार्थियों को डाँटा और उनकी हथेली पर डंडे से मार लगाई।
4. प्रधानाचार्य ने रिक्की से अगली बार राष्ट्रीय समारोह न भूलने का वचन माँगा।

(ख) 1. रिक्की जब सुबह उठा तो उसे घर में अजीब-सी शांति लगी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वे वहाँ दिखाई नहीं पड़ी। उसने अपनी माँ से पूछा, "माँ दादी जी कहाँ हैं?"
2. रिक्की स्कूल नहीं जा सका क्योंकि उसकी दादी जी बीमार हो गई थीं और वे अस्पताल में थीं। वह स्कूल न जाकर अपनी दादी के पास गया था।

3. जो छात्र स्कूल में अनुपस्थित थे, उनसे प्रधानाचार्य ने पहले दिन स्कूल में उपस्थित होने के लिए कहा था।

4. जब प्रधानाचार्य जी अनुपस्थित छात्रों को दण्ड दे रहे थे, तभी रिक्की ने कहा कि मैं भी स्वतन्त्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था पर आपने मेरा नाम नहीं पुकारा यह कहते हुए उसने हथेलियाँ उनके सामने फैला दी। उसकी सच्चाई को देखकर प्राचार्य महोदय का चेहरा नरम हो गया।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. रात को रिक्की की दादी जी बीमार हो गई थी।

2. पिताजी उन्हें अस्पताल लेकर गए थे।

3. रिक्की एकाएक उदास हो गया था।

भाषा की बात

1. (क) नरम; (ख) अस्वस्थ; (ग) दानव; (घ) अनैतिक; (ङ) बेसहारा; (च) असंतोष

2.

(क) दुकानदार	सामान बेचनेवाला
(ख) हवादार	हवा वाला, हवा से भरपूर
(ग) इज्जतदार	इज्जत वाला, मान-सम्मान वाला
(घ) ईमानदार	ईमान रखने वाला

3. (क) नेत्र, नयन, चक्षु; (ख) भगवान शिव, श्रेष्ठ नट, नटेश्वर; (ग) जग, जगत, विश्व

4. (क) निस्तेज; (ख) निर्लज्ज (ग) निर्दय

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

10 तन्त्र मन्त्र

मौखिक

1. माँ-बाप ने लड़के का नाम कुमार रखा।
2. मुखिया ने सोचा कि सारे लोग भले मानस कैसे हो गए?
3. मुखिया ने राजा से गाँव वालों के चोर होने की शिकायत की।
4. राजा ने सभी गाँव वालों को हाथी के पैरों के नीचे कुचलकर मरवाने का आदेश दिया।

लिखित

(क) 1. कुमार एक अच्छा आदमी था। वह सदैव दूसरों की भलाई के लिए कार्य करता था।

2. कुमार ने गाँव में जहाँ ऊँची-नीची भूमि थी, उसे समतल कर दिया। सभी लोग वहाँ बैठकर एक-दूसरे के भले के लिए चर्चा करने लगे।

3. मुखिया ने राजा से कहा – "महाराज, गाँव के सभी लोग चोर हो गए हैं। उनका उपद्रव बढ़ गया है। कुछ उपाय कीजिए, नहीं तो जीना मुश्किल हो जाएगा।"

4. इस पाठ से हमें परोपकार करने, एकत्र रहने तथा समय पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता करने की शिक्षा मिलती है।

(ख) 1. कुमार एक अच्छा आदमी था। वह कभी जीव हत्या नहीं करता था, दूसरे की चीज न लेता था, झूठ न बोलता था, कोई नशा न करता था और दूसरों की स्त्री को माँ के समान समझता था।

2. कुमार के प्रकृति से प्रेम करने, प्राणिमात्र को किसी प्रकार का कष्ट न पहुँचाने, दूसरों के दुःख-दर्द को समझकर उनका निवारण करने आदि के कारण गाँव के सभी लोग सब बातों में अच्छे हो गए।

3. मुखिया सभी गाँव वालों के सब बातों में अच्छे हो जाने पर उसकी आय न होने के कारण राजा के पास गया। राजा ने मुखिया की बात सुनकर अपने सैनिकों को आदेश दिया कि उन चोरों (गाँववालों) को बन्धक बनाकर लाओ तथा तुरन्त उनको हाथी के पैरों से कुचलकर मार दिया जाए।

4. कुमार ने राजा द्वारा तन्त्र-मन्त्र की बात पूछने पर कहा, "महाराज, हम लोग कोई तन्त्र-मन्त्र नहीं जानते हैं। हम तीसों आदमी जीव-हिंसा नहीं करते, दूसरों की चीज नहीं लेते, ऊँची-नीची जमीन समान कर देते हैं, शराब नहीं पीते। हम लोगों के लिए तालाब खोद देते हैं। सबको अपना मित्र समझते हैं। महाराज, अगर हम कोई मन्त्र जानते हैं, तो वह यही है।"

5. (क) पहले गाँव की जमीन ऊँची-नीची तथा ऊबड़-खाबड़ थी। वहाँ ऐसी कोई भी समतल भूमि न थी, जहाँ सब एकत्र होकर सुख-द:ुख की बात कर सके।

(ख) गाँव में एक जगह कुमार ने ऊँची-नीची भूमि को समतल कर दिया और वहाँ गाँव के सभी लोग आते और आमोद-प्रमोद करते।

(ग) अब कुमार के प्रयत्न से सभी लोग अच्छे हो गए। अब वे जरूरत होने पर पुल बाँध देते, पानी के लिए तालाब खोद देते। इसी प्रकार जिससे जो भी अच्छा बन पाता, वह वही कर देता था।

(ग) 1 (ख); 2. (ग); 3. (ग)

(घ) 1. कुमार और उसके साथी जीव-हिंसा नहीं करते, दूसरों की चीज नहीं लेते, झूठ नहीं बोलते तथा शराब नहीं पीते थे।

2. कुमार अपने साथियों के साथ ऊँची-नीची भूमि समतल कर देते हैं, लोगों के लिए तालाब खोद देते हैं तथा घर बना देते हैं।

3. कुमार दूसरों की भलाई का मन्त्र जानता है।

भाषा की बात

1. (क) मल्लाह ने कहा, "मुझे भय है कि जहाज शीघ्र ही टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा, इसलिए तुरन्त एक नाव समुद्र में उतारो, जिससे कि हम डूबने से बच जाएँ।"

(ख) किन-किन गुणों के कारण रूसो अपने देश लौट आया?

(ग) अरे मोहन! तुम कहाँ गए थे?

(घ) आविष्कार, खोज, अन्वेषण, छानबीन आदि कार्य साधारण व्यक्ति के नहीं हैं।

2. (क) ईश्वर की नजर में सभी प्राणी एक समान हैं।
हमारा सामान रेलवे स्टेशन पर कहीं गायब हो गया।

(ख) हमें किसी को अपना जूठा नहीं खिलाना चाहिए।
हमें कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

3. (क) घृणा; (ख) अन्याय; (ग) अहिंसा; (घ) असम्भव; (ङ) असमान; (च) नीची।

4. (क) नृप, भूपति, नरेश; (ख) गज, हस्ती, दन्ती; (ग) उषाकाल, प्रभात, सवेरा; (घ) नर, मानव, मनुष्य।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. कुछ लोग अशिक्षित, भेदभाव, जाति-पाति आदि कुरीतियों के कारण एक-दूसरे को शत्रु समझते हैं और वे एक-दूसरे के लिए बुरे कार्य कर बैठते हैं।
2. यह बात सही है कि सभी लोग सभी के लिए अच्छे कार्य नहीं कर सकते हैं। ऐसा होने पर उनके पास एक विकल्प बचता है, वह है कि वे बुरे कार्य भी न करें।

11 मन के साहसी

मौखिक

1. जॉन्सन भारत के मणिपुर प्रान्त का रहने वाला है।
2. जॉन्सन के माता-पिता की खुशी एकाएक कम हो गई जब उन्हें पता चला कि जॉन्सन को दिखाई नहीं देता।
3. जॉन्सन को बालश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा प्रदान किया जाता है।

लिखित

(क) 1. जॉन्सन को छोटी उम्र में दो कटु सच्चाइयों-दृष्टि हीनता तथा पितृहीनता से अवगत होना पड़ा।
2. जॉन्सन के लिए संगीत ईश्वर की आराधना के समान था।
3. जॉन्सन का लक्ष्य अर्जुन के समान स्पष्ट है।

(ख) 1. जॉन्सन की माँ का उसके पिता की मृत्यु के कारण आजीविका के लिए नौकरी करनी पड़ी।
2. जॉन्सन की प्रतिभा को पहचानने तथा निखारने में उनकी माँ के अतिरिक्त मणिपुर के स्थानीय बाँसुरीवादक ब्रजकुमार जी, मणिपुर के तबला प्रशिक्षक रेण्डालफ मोइरन्थम का हाथ है।
3. जॉन्सन को दृष्टि न होने के कारण चारों ओर अन्धेरा ही अन्धेरा नजर आता है, किन्तु इन अन्धेरों से वह घबराया नहीं और अपनी प्रतिभा को सँवारने के लिए उसने संगीत की आवाजों की दुनिया से मित्रता कर ली अर्थात् संगीत शिक्षा लेना शुरू कर दिया।
4. (क) लेखक बताते हैं कि जॉन्सन प्रकृति की प्रत्येक ध्वनि के प्रति संवेदनशील है। वह प्रकृति की प्रत्येक ध्वनि में सुर व ताल खोजता रहता है।
(ख) लेखक बताते हैं कि जॉन्सन अपने गुरू को भगवान का दर्जा देता है, क्योंकि उनके प्रयासों से ही वह संगीत से परिचित हो सका।
(ग) लेखक बताते हैं कि भले ही जॉन्सन को दुनिया दिखाई न देती हो, पर वह उसकी चीजों को परखने में पारंगत है। उसका निशाना अर्जुन की तरह सटीक है।

(ग) 1. (क); 2. (ख); 3. (ग); 4. (ख)

(घ) 1. बालक के पिता के कन्धे पर बैठकर दुनिया देखने और माँ की ममता भरी गोद में थपकियाँ पाने के दिन थे।

2. बालक को तीन कुठाराघातों – दृष्टिहीनता, पितृहीनता तथा समयाभाव के कारण माँ की गोद से दूर रहने की मजबूरी से परिचित होना पड़ा।
3. तीनों कठोर यथार्थों ने बालक को अन्तर्मुखी बना दिया।

भाषा की बात

1.

उद्देश्य	विधेय
(क) बराक ओबामा	अमेरिका के राष्ट्रपति हैं।
(ख) मेट्रो रेल	तीव्रगति से चलती है।
(ग) अनु का भाई राघव	एक अच्छा खिलाड़ी है।
(घ) मेरा विद्यालय	बस अड्डे के पास है।
(ङ) अनूप जलोटा	भक्ति गीत गाते हैं।

2. (क) आँखे भर आई; (ख) आँखों से ओझल हो गया; (ग) आँखे तरस गई; (घ) आँखों के तारे होते हैं।
3. (क) कठोर; (ख) रंग; (ग) सत्यवादी; (घ) वीर; (ङ) मिठास।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. नहीं, व्यक्ति की प्रगति में उसकी शारीरिक विकलांगता बाधक नहीं बन सकती है। यदि उसमें लगन और उत्साह है तो वह अपनी मंजिल को पाकर ही रहता है।
2. दृष्टिहीन हमारी दुनिया के रंग नहीं देख पाते हैं, इसलिए उनके लिए हमारी दुनिया रंगहीन है। वे अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों से – संगीत, शिक्षा, गायन, लेखन आदि में आशातीत सफलता प्राप्त करके रंग भर सकते हैं।

12 मॉरीशस

मौखिक

1. मॉरीशस में 67 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं।
2. मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुई है।
3. मॉरीशस का कोई भी हिस्सा समुद्र से 15 मील की दूरी पर है।
4. सिंह सूर्य छिपने के बाद शिकार करते हैं।

लिखित

(क) 1. मॉरिशस का मुख्य व्यवसाय कृषि है।
2. नैरोबी के जंगलों में लेखक ने शेर को देखा।
3. मॉरीशस में अंग्रेज़ी भाषा प्रमुखता से बोली जाती है।
4. मॉरीशस में 67 प्रतिशत भारतीय रहने के कारण हिन्दी का व्यापक प्रचार हुआ है।

(ख) 1. मॉरीशस में सड़सठ प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। जिसकी राजधानी पोर्ट लुई की गलियों के नाम बंबई (मुंबई), कोलकाता, चेन्नै (चेन्नई), हैदराबाद हैं तथा जिसके एक मोहल्ले का नाम काशी है। जहाँ बनारस भी है, ब्रह्मस्थान भी है व गोकुल भी है। इन्हीं विशेषताओं के कारण इसे लघु भारत कहा जाता है।

2. नैरोबी का नेशनल पार्क चिड़ियाघर नहीं है। शहर से दूर बहुत बड़ा जंगल है। जिसमें घास अधिक, पेड़ बहुत कम हैं। दस-बीस मील की दूरी तय करने के बाद हम उस जगह पहुँचे, जहाँ शेर आराम कर रहे थे। वहाँ कोई सात-आठ शेर लेटे या सोए हुए थे और उन्हें घेरकर आठ-दस मोटरें खड़ी थी। उन्हें यह जानने की कोई इच्छा ही नहीं थी कि हमें देखने आने वाले कौन हैं? इतने में कोई मील भर की दूरी पर हिरनों का एक झुंड दिखाई पड़ा। दो जवान शेर उठे और उनकी ओर चल दिए। हिरनों के झुंड ने ताड़ लिया कि उन पर शेर की नज़र पड़ गई है! इसलिए वे चरना भूलकर चौकन्ने हो गए। इच्छा तो यह थी कि हम लोग देर तक रुकें किन्तु समय छः से ऊपर हो गया था और सात बजे नेशनल पार्क का फाटक बंद हो जाता है।
3. शेर झुंड का शिकार नहीं करते वे झुड से पिछड़े हुए एक दो जानवरों का करते हैं। ये बात हिरनों को मालुम थी इसलिए वे झुंड बनाकर खड़े थे।
4. शेर झुंड का शिकार नहीं करते वे झुंड से पिछड़े हुए एक दो जानवरों का शिकार करते हैं।

(ग) 1. (क); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. मॉरीशस में भारत देश के लोग मूल रूप से अधिक हैं।
2. मॉरीशस की राजधानी का नाम पोर्ट लुई है।
3. इस देश का प्रत्येक हिस्सा समुद्र से 15 मील दूर है।

भाषा की बात

1. (क) संसार, जग, बरतन; (ख) आकाश, कपड़ा; (ग) परिणाम, खानेवाला फल; (घ) धन, शब्द का अर्थ
2. (क) घमण्ड, गौरव, अभिमान; (ख) जंगल, अरण्य, विपिन; (ग) कामना, अभिलाषा, आकांक्षा; (घ) चाँद, इन्दु, शशि
3. (क) बाहुबल; (ख) अस्तबल; (ग) अविश्वसनीय; (घ) बातुनी
4. (क) निर्दयी; (ख) धीरता; (ग) अस्वीकार; (घ) निन्दा; (ङ) असावधान; (च) समाधान

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

स्वयं करें।

13 काम के धुनी श्रीधरन

मौखिक

1. रामेश्वरम में दिसम्बर सन् 1964 में तूफान आया।
2. कोचीन शिपयार्ड कम्पनी में पहले जलयान का नाम पद्मनी था।
3. दिल्ली वाले मेट्रो ट्रैक को बनाते समय आने वाली परेशानियों को सोचकर दुःखी थे।

लिखित

(क) 1. रामेश्वरम पुल का कार्य 46 दिनों में पूरा हुआ।
2. दिल्ली के लिए श्रीधरन का योगदान बिना किसी को परेशान किए मेट्रो ट्रेन का ट्रैक बनवाना था।
3. पहली मेट्रो ट्रेन के लिए कोलकाता शहर को चुना गया।

(ख) 1. रामेश्वरम पुल के निर्माण में केन्द्र सरकार ने छ; महीने का समय दिया। रेलवे ने यह काम श्रीधरन को तीन महीने में करने के लिए कहा। किन्तु काम के धुनी श्रीधरन ने पुल का निर्माण 46 दिनों में ही करके एक मिसाल कायम की।

2. कोंकण रेल लाइन 760 किमी लम्बी थी और इस पर 150 पुलों तथा 93 सुरंगों का निर्माण होना था। इसलिए यह निर्माण योजना असम्भव लग रही थी।

3. मेट्रो ट्रेवल के निर्माण में कहीं जमीन से सैकड़ों फुट नीचे तो कहीं जमीन से दर्जनों फुट ऊपर निर्माण कार्य चलता रहा पर मजाल जो कहीं भी यातायात की आवाजाही में खलल पड़ी हो! सुरंग से निकली मिट्टी रातों-रात कहाँ चली गई, किसी को मालूम न चलता। यह श्रीधरन की कार्यशैली थी।

4. श्रीधरन को काम की ही धुन रहती थी। किसी भी निर्माण कार्य को वे चुनौती के रूप में लेते थे और उसके प्रत्येक पहलू पर विचार करके तथा आवश्यक समाधान करके तभी आगे काम करते थे। उन्हें दो चीजों का विशेष ध्यान रहता एक-कार्य समय सीमा से पहले ही समाप्त हो जाए तथा दूसरा-कार्य से आम जनता को कोई परेशानी न हो।

5. केरल सरकार ने उनके निवास पर ही एक दफ्तर बनाकर कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना का काम सौंपने में जरा भी देर नहीं लगाई। अब वे वहीं रहकर अपनी सासु माँ की सेवा-सुश्रुषा के साथ-साथ कोच्चि रेल परियोजना को मूर्त रूप देने में जुटे हुए हैं।

(ग) 1. हमारे देश का सबसे साक्षर प्रदेश केरल है।

2. श्रीधरन का जन्म 2 जून, सन् 1932 को केरल के पलक्कड़ जिले के करूकापत्तर गाँव में हुआ था।

3. श्रीधरन ने अपनी पत्नी की माताश्री की सेवा का निर्णय लिया।

भाषा की बात

1. (क) वरना; (ख) अरे!; (ग) पहले, फिर; (घ) बाहर; (ङ) पहले से; (च) के बिना; (छ) के साथ; (ज) अब; (झ) वाह!; (ञ) मत।

2. 'इत' प्रत्यय युक्त शब्द – सम्मानित, प्रमाणित, सम्बोधित, उत्साहित।

   'इक' प्रत्यय युक्त शब्द – ऐतिहासिक, प्राकृतिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक।

   'इन' प्रत्यय युक्त शब्द – लुहारिन, सुनारिन, पुजारिन, कुम्हारिन

3. (क) व् + य् + अ + व् + अ + ध् + आ + न् + अ

   (ख) स् + व् + आ + स् + थ् + य् + अ

   (ग) य् + आ + त् + र् + इ + य + ओ + अं

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. किसी भी कार्य, परीक्षा आदि में प्रथम स्थान पर आना, उसकी चुनौती को आगे आने वाले वर्षों में स्वीकार करके प्रथम स्थान बनाए रखना कठिन है। इसमें हमें दुगुने उत्साह, श्रम तथा लगन से कार्य करना पड़ता है।

2. दिल्ली में पहले होते रहे निर्माण कार्यों के कारण आम जनता को बाधा उत्पन्न होती थी तथा कार्य समय सीमा के बहुत अधिक दिनों बाद सम्पन्न होता था, किन्तु श्रीधरन के दौरान न ही आम जनता को परेशानी हुई और न ही कार्य समय सीमा के बाद हुआ।

14 सिन्दबाद

मौखिक

1. हिन्दबाद ने सिन्दबाद को हवाई यात्रा की सलाह दी।
2. 'एयरकण्डीशन मुस्कान' से आशय सभ्य मुस्कान से है।
3. कस्टम अधिकारियों ने सिन्दबाद को सोने की स्मगलिंग के अपराध में पकड़ा।
4. सिन्दबाद भारत के लोगों के स्वार्थी, भ्रष्टाचार होने से दुःखी होकर अपने सामान की परवाह किए बिना अपने देश चला गया।

लिखित

(क) 1. महिला बुकिंग अफसर ने हवाई यात्रा के लिए पासपोर्ट और हैल्थ परमिट को आवश्यक बताया।
2. सिन्दबाद ने कस्टम अधिकारियों को सोने के सिक्के देकर सन्तुष्ट किया।
3. 'हिन्दुस्तान का आदमी भिखमंगा' से सिन्दबाद का आशय इतनी अपार प्राकृतिक सम्पदा तथा महान परम्पराएँ होने पर भी यहाँ के आदमी की नीयत खराब होना है।
4. सिन्दबाद को बदले हुए हिन्दुस्तान में भ्रष्टाचार, स्वार्थपरता तथा नीयत में कमी के कारण यह पसन्द नहीं आया।

(ख) 1. सिन्दबाद ने हिन्दबाद की सलाह तथा समुद्री जहाज की परेशानियों के कारण हवाई यात्रा का निर्णय लिया, क्योंकि एक बार जहाज के कप्तान ने नासमझी के कारण उसे टापू समझकर एक बड़े कछुए की पीठ पर उतार दिया था।
2. सिन्दबाद को कुली द्वारा बख्शीश माँगने पर हैरत हुई क्योंकि हिन्दुस्तान विश्व में सोने की चिड़िया के नाम से विख्यात है और यहाँ एक कुली बख्शीश अर्थात् भीख माँग रहा है।
3. होटल में पहुँचने पर अचानक सिन्दबाद का हाथ रेडियो के बटन पर पड़ने से कमरे में आवाज गूँजने लगी। डर के मारे उसने कमरे के सारे बटन दबा दिए और उससे पंखा चलने लगा, बल्ब जलने लगा। बैरे ने स्विच बन्द किए तो आवाज बन्द हुई और सिन्दबाद सामान्य हुआ।
4. काफी पहले सिन्दबाद भारत आया था। तब और अब की परिस्थितियों में बड़ा परिवर्तन था। तब भारत में शान्ति, खुशहाली तथा परस्पर मेल-मिलाप का व्यवहार था, तो वह इसी आशा में भारत आया था, किन्तु यहाँ मशीनों के शोर, लोगों की स्वार्थपरता, भागदौड़ तथा भ्रष्टाचार से दुःखी होकर वह हड़बड़ी में तेजी से अपने देश चला गया।

(ग) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क)

(घ) 1. सिन्दबाद टैक्सी वाले के प्रश्नों के उत्तर दे रहा था।
2. सिन्दबाद हिन्दुस्तान के बदले स्वरूप से इतना हड़बड़ा गया था कि उसे अपने सामान की याद नहीं रही।
3. टैक्सी चालक के मन में सिन्दबाद का सामान हड़पने का परिवर्तन आया।

भाषा की बात

1. (क) वैज्ञानिक (ख) दार्शनिक (ग) धनी (घ) प्राकृतिक (ङ) ममेरा

2. अंग्रेजी – लिफ्ट, पासपोर्ट, एयर लाइन्स, हैल्थ परमिट, टैक्सी।
   उर्दू – तिज़ारत, शुक्रिया, गुनाह, फाख्ता, बख्शीश।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. सिन्दबाद के छूट गए सामान को लेकर टैक्सी वाले के मन में उस सामान को पुलिस स्टेशन में जमा कराने या हड़प लेने के भाव उत्पन्न हो रहे थे। हमारे विचार में उसको सामान पुलिस स्टेशन में जमा करा देना चाहिए था।
2. आज बढ़ती जनसंख्या के कारण अधिक उत्पादन की आवश्यकता है। विज्ञान भी अपने विकास पर है। अतः उत्पादन कम समय में करने तथा कम लागत में करने के कारण इन्सानों की जगह मशीनें ले रही हैं। इससे बेरोजगारी में वृद्धि हो रही है।

15 'वीरों की पूजा'

मौखिक

1. पीताम्बर राम नाम का है।
2. संन्यासी ने पीले वस्त्र पहने हुए हैं।
3. कवि की अभिलाषा चित्तौड़ देखने की है।
4. अपने पति के वीर गति प्राप्त करने के बाद जब स्त्रियाँ अपने पति के साथ सती होती हैं तो उसे जौहर व्रत कहते हैं।

लिखित

(क) 1. यह भूमि राष्ट्रप्रेमियों के मन में देशप्रेम की भावना को जगाने वाली वीर भूमि के रूप में प्रसिद्ध है।
   2. इस कविता के रचयिता 'श्याम नारायण पांडे' है।
   3. अपनी आन व आत्म सम्मान की रक्षा करने के लिए महिलाओं ने स्वयं को अग्नि के हवाले कर दिया था।
   4. स्वतन्त्रता के लिए बच्चों ने मरना सीखा है।

(ख) 1. थाल सजाकर संन्यासी वीरों की भूमि चित्तौड़ को पूजने जा रहा था।
   2. वीरों की भूमि पूजने जाने वाले व्यक्ति को संन्यासी कहा गया है।
   3. चित्तौड़ की वीर भूमि में वीरगति को प्राप्त हुए वीरों के साथ स्त्रियाँ सती हो गई थी उन्हीं के चरणों की धूल के बारे में बताया गया है।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ग)

(घ) 1. जिनके पति वीर गति को प्राप्त हो जाते थे उनकी स्त्रियाँ उनके साथ सती होती थी उसे ही जौहर व्रत कहते हैं।
   2. जौहर व्रत देश-हित के लिए किया जाता था।
   3. बच्चों ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए मरना सीखा।

भाषा की बात

1. (क) देश से प्रेम (ख) तीर्थों का राजा (ग) देश का हित (घ) पग की धूल

2. (क) खोटा (ख) निःस्वार्थ (ग) शाप (घ) घृणा (ङ) व्यस्त (च) अमूल्यवान
3. (क) अपने देश के लिए शहीद होकर भगतसिंह का नाम अमर हो गया।
(ख) रमेश ने यह वाहन मिट्टी के मोल खरीद लिया है।
(ग) सोहन को उस केस में बलि का बकरा बना दिया है।
4. (क) रवि, भानु, दिवाकर; (ख) शिव, नटराज, नटेश्वर; (ग) कंकड़, शिला, रोड़ा; (घ) मेघ, घन, पयोधर

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

16 नींव की ईंट

मौखिक

1. लेखक ने नींव की ईंट को शहादत और मौन-मूक कहा है।
2. लेखक ने सत्य को शिव के समान बताया है।
3. सुंदर सृष्टि बलिदान खोजती है।
4. देश के विकास में दधीची जैसे (जो अपना सब कुछ बलिदान कर सके) नौजवानों की जरूरत है।

लिखित

(क) 1. हम हमेशा कठोरता से दूर भागते है, भद्देपन से मुख मोड़ते हैं। सत्य भी ऐसा ही होता है कठोर और भद्दा। इसलिए हम सत्य से भी भागते हैं।
2. दधीची ऋषि ने मानव कल्याण के लिए अपनी हड्डियाँ दान में दी थी। जिससे बज्र बनाकर वृत्रासुर राक्षस को मारा था। इसीलिए दधीची ऋषि का नाम प्रसिद्ध है।
3. नव निर्माण करने वालों को कँगूरे की चाह रखने वालों से दूर रहना चाहिए।
4. शहादत और मौन-मूक यही समाज की आधारशिला है।

(ख) 1. जिस शहादत को शोहरत मिली, जिस बलिदान को प्रसिद्धि प्राप्त हुई वह इमारत का कँगूरा अर्थात् मंदिर का कलश है। जिसे चुपचाप सात हाथ नीचे जमीन में इसलिए गाड़ दिया गया ताकि कँगूरा सही सलामत खड़ा रहे। कँगूरे रूपी इमारत के कलश की सलामती नींव से है।
2. वह ईंट जो सब ईंटों से ज्यादा पक्की थी, जो नींव में चली गई यदि वह सबसे ऊपर लगी होती तो कँगूरे की शोभा सैकड़ों गुनी कर देती।
3. नौजवानों से लेखक को नींव की ईंट बनने की उम्मीद है कि कौन नौजवान नींव की ईंट की तरह बलिदान होना चाहेगा जिससे हमारा देश विकास कर सके।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ग)

(घ) 1. नींव की ईंट ने अपना अस्तित्व विलीन कर दिया।
2. सुंदर इमारत बनाने के लिए कुछ ईंटों को चुपचाप नींव में जाना पड़ता है।
3. सुंदर समाज बनाने के लिए कुछ लोगों को शहादत देनी पड़ती है।

भाषा की बात

1. (क) असत्य, मृषा (ख) ईश्वर, परमात्मा (ग) भरोसा, यकीन (घ) सुर, देव

2. (क) विश्वसनीय (ख) पुजारी (ग) असहनीय (घ) असीमित
3. (क) आम (ख) लुप्त (ग) निगाह (घ) चौकन्ने।
4. (क) दुर्भाग्य (ख) असाधारण (ग) अबोध (घ) धनी (ङ) आजाद (च) अपमान

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

17 दोहा एकादश

मौखिक

1. कबीरदास जी ने गुरु को कुम्हार के समान बताया है।
2. कबीरदास जी भगवान से परिवार के पालन-पोषण जितना धन माँग रहे हैं।
3. मलूकदास जी के अनुसार भगवान उनके साथ हैं, जिनका मन फकीरी है अर्थात् जो परोपकारी है।
4. मलूकदास जी के अनुसार हमें उन लोगों को ऊँचा मानना चाहिए जिनके हृदय में दया-धर्म बसा हो तथा जो मीठे बोल बोलते हों।

लिखित

(क) 1. भगवान सर्वत्र (हर जगह) है।
2. गुरु को कुम्हार के समान तथा शिष्य को घड़े के समान बताया गया है।
3. मलूकदास जी ने बताया है कि यदि आपके दिल में प्रेम है, तो उसे कहकर सुनाना नहीं चाहिए।
4. मलूकदास ने सजीव पौधे की हरी-हरी डाल को तोड़ने से मना किया है।

(ख) 1. कबरीदास जी ने गुरु को कुम्हार तथा शिष्य को घड़ा कहा है, क्योंकि वह गुरु की तरह शिष्य से बुराइयाँ निकालने के लिए डाँट के रूप में चोट करता है तथा डाँट (चोट) का गलत असर न हो उसके लिए वह हाथ का सहारा (प्यार) देता है।
2. कबीरदास धन-संग्रह में विश्वास नहीं करते हैं। किन्तु आज के युग में समय-समय पर धन की आवश्यकता होती है। अतः हमें आवश्यकतानुसार धन का संग्रह करना चाहिए।
3. मलूकदास जी मोह-माया से दूर दिल के फकीर बनने की प्रेरणा देते हैं जिससे लोग अधिकाधिक समाज-सेवा कर सकें तथा दुर्गुणों से बच सकें।
4. कबीरदास जी मिथ्या इच्छाओं से दूर रहने के लिए कह रहे हैं। इसके लिए वे मन की माला को फेरने की सलाह दे रहे हैं।
5. (क) कबीरदास जी कहते हैं कि सभी लोगों के समझाने पर भी मन की मिथ्या इच्छा समाप्त नहीं होती।
(ख) कबीरदास जी ने छोटे-बड़े के भेद के लिए बताया है कि जिन लोगों की नजर नीची होती है, अर्थात् जो विनीत होते हैं, उन्हें ही ऊँचा समझना चाहिए।
(ग) कबीरदास जी छोटे लोगों के बारे में बताते हैं कि छोटे लोगों की हमें कभी निन्दा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि वे समस्याओं का आसानी से हल कर देते हैं।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. कबीरदास जी भगवान से अपने परिवार के पालन-पोषण के जितना धन माँग रहे हैं।

2. कबीरदास जी स्वयं के साथ साधु को खिलाना चाहते हैं।

भाषा की बात

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i)
2. संज्ञा से – (क) मनस्वी (ख) ओजस्वी (ग) कर्मज्ञ (घ) समीपता (ङ) स्तुत्व (च) चचेरा।
   सर्वनाम से – (क) कैसा (ख) मेरा (ग) तुम्हारा (घ) यहाँ (ङ) वहाँ (च) जैसा।
   क्रिया से – (क) बचाव (ख) बिकाऊ (ग) टिकाऊ (घ) गिरावट (ङ) पठित (च) बन्दी।
   अव्यय से – (क) बाहरी (ख) भीतरी (ग) पिछला (घ) ऊपरी (ङ) अगला (च) निचला।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. हम विश्व को एक ऐसे परिवार के रूप में देखना चाहते हैं, जहाँ सबसे समानता का व्यवहार हो, सभी लोग एक ही धर्म 'मानवता' को अपनाएँ, एक-दूसरे की सहायता करें और परस्पर मिल-जुलकर रहें।
2. छोटा-बड़ा (असमानता), छुआ-छूत (अस्पृश्यता), अपना-पराया तथा जाति-पाति आदि कुरीतियाँ हमारे समाज में लोगों को एकता से काम नहीं करने देती और इनसे सामाजिकता का भी उल्लंघन होता है। इसलिए ये समाज को पंगु बना रही हैं।

18 निर्णय का अभिवादन

मौखिक

1. कार की रफ्तार जयंत ने धीमी कर दी।
2. जयन्त के सारे प्रयास फौज भरती के लिए असफल रहे।
3. रमेश जयंत की कार से कृष्णपुरा में उतर गया था।
4. जयंत कुछ सोचते हुए तेजी से कार ड्राइव कर रहा था इसी कारण कार की दुर्घटना हो गई थी।

लिखित

(क) 1. जयंत ने रमेश को 20 मील पीछे छोड़ा था।

2. रमेश ने भारतीय सेना का शॉर्ट कमीशन की भरती के लिए विज्ञापन देखा था।

3. जयंत ने रमेश को फौज में भरती न होने के लिए समझाने का निर्णय लिया।

4. मिलिट्री ट्रक में सात-आठ जवान बैठे हुए हँस हँसकर बातें कर रहे थे।

(ख) 1. पिछले साल कुछ सोचते हुए रमेश ड्राइव कर रहा था तो उसके कार का एक्सीडेंट हो गया था। उसे चोट तो नहीं आई थी लेकिन कार का काफी नुकसान हुआ था। मरम्मत करवाने का सारा पैसा उसे बीमा कंपनी से मिल गया था।

2. वह सोच रहा था कि मि. जैक्सन रमेश के काम से खुश हैं। रमेश किसी भी दिन जमशेदपुर ब्रांच का सहायक मैनेजर बन सकता है। तब कोठी, कार आदि सब मिलेंगे। सोचते हुए उसे रमेश से ईर्ष्या महसूस हुई थी।

3. पिछली बार वह यहाँ आया था तो वह दिनेश के घर ठहरा था, इसलिए वह फिर से दिनेश के घर ठहरने में झिझक रहा था।
4. पैराडाइज लॉज में संयोग से उसे वही कमरा मिल गया था जो उसे पिछले साल आने पर मिला था। वह कमरा साफ-सुथरा व उचित व्यवस्थाओं से परिपूर्ण था। खिड़की के पास रखी कुर्सी पर बैठकर बाहर के नजारे को भली-भाँति देखा जा सकता था।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (क)

(घ) 1. रात का खाना खाने के बाद पिताजी उसे अपने फौज के दिनों के अनुभव सुनाते थे।
2. बातें करते-करते रात को डेढ़-दो बज जाते थे।
3. पिताजी की इतिहास में रुचि थी और अतीत में खो जाना उनकी आदत थी।

भाषा की बात

1. (क) सुबह से जयंत रमेश के साथ था।
(ख) जयंत को काफी आश्चर्य हुआ।
(ग) कितने आराम की जिन्दगी है।
(घ) तीन-चार दिन भी लग सकते हैं।
2. (क) भविष्यदर्शी (ख) सत्यवादी (ग) लोकप्रिय (घ) साप्ताहिक
3. (क) आशा (ख) दुख (ग) भविष्यकाल (घ) नास्तिक
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

1 प्रणति

मौखिक

1. देश के लिए बलिदान होने के लिए शहीदों ने चिनगारी छिटकाई।
2. पुण्यवेदी पर चढ़ने वालों ने अपनी जान का मोल नहीं लिया।
3. दीपक तूफानों में जल-जलकर बुझ गए।
4. धरती शहीदों की गरजना से सहमी है।

लिखित

(क) 1. 'बिना गरदन का मोल' से कवि बिना जान की कीमत के लिए अथवा 'निःस्वार्थ भाव से काम करना' कहना चाहता है।

2. 'अन्धा चकाचौंध का मारा' के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि आज के भौतिकवादी युग की चकाचौंध से आदमी को और कुछ जानने की फुरसत नहीं है।

3. कविता के रचयिता 'रामधारी सिंह दिनकर' जी हैं।

4. कविता का मूलभाव है कि हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए कार्य करना चाहिए।

(ख) 1. कवि ने सर्वप्रथम देश के लिए शहीद होने वाले अमर शहीदों की जय बोलने को कहा है, क्योंकि वे हमारे लिए अपनी जान पर खेल गए। उन्होंने बिना किसी स्वार्थ के फाँसी के फन्दे को अपने गले से लगा लिया।

2. कविता में 'गरदन का मोल' से अभिप्राय किसी कार्य की कीमत लेना है। अकसर सभी लोग कुछ कार्य करने के बाद कुछ वस्तु, धन आदि की आशा करते हैं। प्रस्तुत कविता में 'गरदन का मोल' अपने देश पर बलिदान होने की कीमत से है।

3. कवि 'जल-जलकर बुझ गए' से कहना चाहता है कि हमारे देश के शहीद होने वाले वीर शरीर में रक्त के एक-एक कतरा रहने तक संघर्ष करते रहे तथा अन्त में वे शहीद हो गए।

4. सूर्य और चन्द्रमा (प्रकृति की समस्त वस्तुएँ) अपने देश पर शहीद हुए अमर वीरों के बलिदान के साक्षी हैं।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (क); 4. (ग)

(घ) 1. हमारे अनगिनत छोटे दीपक (वीर) अपनी वीरता का प्रदर्शन करते हुए भयंकर तूफानों (संकटों) का सामना करते हुए देश पर शहीद हो गए। उन्होंने कभी भी अपने इस सद्कार्य के बदले किसी चीज की आशा नहीं रखी।

2. हमारे वीर पुरुषों ने अपना बलिदान देकर देश में नवजीवन लाने के लिए ज्ञान की चिनगारी छिटकाई। वे सद्कार्य के आह्वान के लिए बलिवेदी पर चढ़ गए और उन्होंने कभी भी अपने इस सद्कार्य के बदले किसी चीज की आशा नहीं रखी।

भाषा की बात

1. पक्का, सच्चा, पट्टी, मिट्टी, बच्चन, अल्लाह, प्रसन्न आदि।
2. टॉय, टॉयर, ऑनर, हॉरर, बॉय आदि।
3. (क) भूखा; (ख) दूरदर्शी; (ग) अनापेक्षित; (घ) लोकप्रिय; (ङ) गणितज्ञ; (च) दैनिक।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. कोई भी वीर पुरुष देश पर स्वयं को बलिदान करने से पहले इसके बदले में किसी अन्य वस्तु की आशा नहीं रखता। यदि वह ऐसी कोई आशा रखेगा अर्थात् स्वार्थी बनेगा तो वह अपना बलिदान ही नहीं कर पाएगा।
2. लेखनी में अपनी शक्ति है। लेखनी से लिखे विचार लाखों-करोड़ों व्यक्ति एक साथ पढ़ते हैं। अतः यदि लेखनी से अच्छे-सच्चे विचार लिखे जाएँ तो उनके साथ उन करोड़ों लोगों की शक्ति भी होती है जो उन्हें पढ़ते हैं।

2 अपराजिता

मौखिक

1. लेखिका ने पास वाली कोठी में कार से एक युवती को उतरते देखा जिसका नाम चन्द्रा था।
2. युवक का दायाँ हाथ कट जाने पर वह अपना मानसिक सन्तुलन खो बैठा और दुःख भुलाने के लिए नशे की गोली खाने लगा।
3. डॉ० चन्द्रा ने प्रोफेसर सेठना के सानिध्य में डॉक्टरेट ग्रहण की।
4. डॉ० चन्द्रा माइक्रोबायोलॉजी में डॉक्टरेट पाने वाली अपंग स्त्री-पुरुषों में पहली भारतीय थी।

लिखित

(क) 1. पिछले महीने लेखिका ने एक विलक्षण अपंग युवती डॉ० चन्द्रा को देखा।
2. लेखिका डॉ० चन्द्रा की कहानी सुनकर उसके विलक्षणों पर दंग रह गई।
3. डॉ० चन्द्रा लेखिका को ड्रग रिसर्च इन्स्टीटयूट से माइक्रोबायोलॉजी विषय के लिए सामग्री पूछने के लिए कहती है।
4. डॉ० चन्द्रा को डॉक्टरेट माइक्रोबायोलॉजी में सन् 1976 में मिली।
5. डॉ० चन्द्रा की कविताएँ देखकर और पढ़कर लेखिका की आँखें भर आई।

(ख) 1. लेखिका डॉ० चन्द्रा के सम्बन्ध में लिखी पंक्तियाँ लखनऊ के युवक को इसलिए पढ़वाना चाहती थी, क्योंकि वह उन्हें पढ़कर अपने जीवन मूल्य को समझे एवं अमानवीय, धैर्यवान एवं साहसी बने। वह केवल एक हाथ खोकर हथियार न डाले वरन् और अधिक उत्फुलता से सफलता की ओर बढ़े।
2. डॉ० चन्द्रा की कार्य कुशलता को लेखिका ने सुदीर्घ कठिन अभ्यास की यातनाप्रद भूमिका इसलिए कहा, क्योंकि उस मनुष्य के लिए जिसका निचला धड़ निष्प्राण है, यह बहुत असामान्य बात थी। उसने अपने आत्मविश्वास को मरने नहीं दिया और अपनी मंजिल में सफल हो गई।

3. 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार वास्तव में डॉ० चन्द्रा की माँ थी। लेखिका ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपनी पुत्री की जिसकी केवल गरदन चल सकती थी, कष्टसाध्य उपचार के बाद केवल नीचे के भाग को छोड़कर बाकी शरीर को ठीक करने में योगदान दिया। किस प्रकार वह अपनी पुत्री के लिए प्राथमिक विद्यालय बनी एवं उच्चस्तरीय पढ़ाई के लिए विद्यालय के प्रवेश के लिए धरना दिया। वास्तव में श्रीमती सुब्रह्मण्यम ही 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार हैं।
4. पाठ के शीर्षक से हम पूरी तरह से सहमत हैं, क्योंकि पाठ एक ऐसी लड़की के बारे में लिखा गया है जिसे प्रकृति ने पूरी तरह से शापित किया, किन्तु उसने हार नहीं मानी और एक के बाद एक सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ती गई अर्थात् पराजित नहीं हुई।
5. (क) लेखिका ने बताया है कि विधाता के सबसे कठोर दण्ड (उसका धड़ निर्जीव था) को डॉ० चन्द्रा खुश होकर झेल रही है, दूसरे व्यक्तियों की तरह वह विधाता को इस दण्ड के लिए कोसती नही है।

   (ख) लेखिका बता रही है कि डॉ० चन्द्रा का शरीर विशाल नहीं है, किन्तु सदकार्यों से उसने अपना स्वरूप किसी वीरांगना से कम नहीं बनाया है।

   (ग) लेखिका डॉ० चन्द्रा के व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए बताती हैं कि उसकी विवेक के तेज से चमकती आँखों में प्रत्येक पल असीम उत्साह है। वह प्रत्येक पल अपनी नवीन महत्वाकांक्षाएँ उत्पन्न करती है, तथा उसके जीने की इच्छा प्रबल है।

   (घ) लेखिका बताती है कि ईश्वर व्यक्ति को हर ओर से निराश नहीं करता है। यदि वह व्यक्ति को एक ओर से निराश करता है तो दूसरी ओर से वह कोई-न-कोई अवसर अवश्य प्रदान करता है।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. डॉ० चन्द्रा कहती हैं कि वह चाहती है कि कोई उसे सामान्य-सा सहारा भी न दे।

2. डॉ० चन्द्रा ने एक कार का नक्शा बनाया। जिससे वह अपनी निर्जीव टाँगों से कार को चलाना चाहती है।

3. डॉ० चन्द्रा ने अपने अथक प्रयास से प्रयोगशाला का संचालन सुगम बना लिया।

भाषा की बात

1. (क) (iii); (ख) (ii); (ग) (iii)
2. (क) कर्म कारक; (ख) कर्म कारक; (ग) कर्म कारक; (घ) सम्प्रदान कारक
3. (क) जो अलग है; (ख) ऊँची इच्छा वाला; (ग) जिसके दिमाग में कमी हो; (घ) मुँह के चारों ओर का घेरा; (ङ) बहुत बड़ा; (च) प्यार करने वाला

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. बहुत से लोग विकलांगता को परमात्मा का दिया गया अभिशाप मानते हैं और विकलांग व्यक्ति को हीन भावना से देखते हैं, परन्तु हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। हमें उन्हें हीन भावना से न देखकर उनकी यथा सम्भव सहायता करनी चाहिए।
2. छात्र स्वयं करें।

3 अगर नाक न होती

मौखिक

1. नाक (इज्जत) की चिन्ता में आदमी का जीना मुहाल हो गया।
2. नाक बची रहे इसके लिए आदमी मुकदमेबाजी में बरबाद हो जाते हैं, कर्ज लेकर शादी-ब्याह, भात-छोछक आदि में अन्धाधुन्ध खर्च करते हैं।
3. कुछ लोग जान-बूझकर नाक में फुरेरी डालकर या नसवार सूँघकर छींकते हैं।
4. उपन्यास कहानियों में सुन्दर नाक को सुतवाँ कहा जाता है।

लिखित

(क) 1. नाक से जुड़े तीन मुहावरे हैं – नाक में दम करना, नाक नीची होना, नाक कटना।
2. नाक से हम साँस लेते हैं। इसी से हम अच्छी-बुरी गन्ध सूँघते हैं।
3. नाक के दो प्रकार हैं – नकसुरा तथा सुतवाँ।
4. नाक हमारे बहुत काम की चीज है। यह साँस लेने और सूँघने के काम आती है।

(ख) 1. कभी कोई ऐसी-वैसी बात हो जाए, लड़का घर से रूठकर भाग जाए, लड़की लव मैरिज कर ले या कोई झूठा-मूठा इल्जाम जान को लग जाए तो व्यक्ति को अपने खानदान की नाक कट जाने का डर रहता है।
2. नाक को लेखक ने सबसे महत्त्वपूर्ण अंग माना है, क्योंकि इसके बहुत-से लाभ हैं। उच्छवास और निःश्वास का कार्य मुँह से किया जा सकता है, पर प्राणों का आधार श्वास है और श्वास लेने का साधन नाक ही है।
3. लेखक ने नाक की बुराइयों तथा अच्छाइयों के सम्बन्ध में कहा है कि सूर्पनखा की नाक के कारण ही सीता का हरण और रावण का मरण हुआ। अगर सूर्पनखा की नाक न कटती तो रामायण की रचना कैसे होती। इसके साथ-साथ नाक के बहुत फायदे भी हैं, क्योंकि यह श्वास लेने में सहायता करती है और यदि हम श्वास न लें तो हमारा जीवन असम्भव है।
4. पाठ का शीर्षक 'अगर नाक न होती' एकदम सार्थक है, क्योंकि लेखक ने अपने पूरे लेख में नाक का ही वर्णन किया है। इसको और अधिक सार्थक बनाने के लिए उन्होंने नाक से जुड़े अनेक मुहावरों को भी जोड़ा है।
5. (क) व्यक्ति अपनी (झूठी) इज्जत बनाने के लिए पुलिस वालों, आयकर अधिकारियों तथा दलालों की चापलूसी करता है और विभिन्न उपहारों से उन्हें खुश करने की कोशिश करता है।
(ख) लेखक ने बताया है कि जिन लोगों की स्वयं की इज्जत नहीं होती है, वे दूसरे लोगों की भी इज्जत उतरने की कामना करते हैं।
(ग) लेखक ने नाक के मुहावरे द्वारा बताया है कि नाक (इज्जत) का समाज में तथा चेहरे पर रहना बहुत ही जरूरी है।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. अँगूठा, आँख, दाँत, पीठ आदि दिखाने के मुहावरे प्रचलित हैं।

2. नाक को दिखाने का मुहावरा नहीं है।
3. बीमार होकर नक्कू को भी किसी नाक वाले डॉक्टर के पास जाना पड़ता है।

भाषा की बात

1. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii)
2. (क) यौगिक; (ख) देशज; (ग) देशज; (घ) अरबी; (ङ) अंग्रेजी
3. (क) वे मौके की तलाश में रहते हैं कि कब, कैसे, किसी की नाक रगड़वा दें।
   (ख) यह कोशिश रहती है कि उसकी नाक कटवा दें।
   (ग) माँ बच्चे को दूध पिलवाती है।
   (घ) सेठजी अपने बच्चे के जन्मदिन पर सभी को दावत खिलवाते हैं।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार स्वयं करें
2. नाक श्वास लेने और सूँघने का प्रमुख साधन है। नाक चेहरे की सुन्दरता में चार चाँद लगाती है। ऐसी-वैसी कोई बात हो जाए तो नाक कटने (इज्जत जाने) का भी डर रहता है।

4 अंधेर नगरी

मौखिक

1. महंत के दोनों चेलों के नाम नारायणदास और गोवर्धनदास थे।
2. गोवर्धन दास को पश्चिम दिशा में और नारायणदास को पूर्व दिशा में।
3. महंत ने राज्य में फैली अव्यवस्था के कारण गोवर्धनदास को वहाँ रुकने के लिए मना किया।
4. प्रस्तुत एकांकी के लेखक का नाम 'श्री भारतेन्दु हरिश्चंद्र' है।

लिखित

(क) 1. अंधेर नगरी का राजा मूर्ख था।
2. क्योंकि यहाँ का राजा मूर्ख होने के कारण व राज्य में फैली अव्यवस्था के कारण इसका नाम अंधेर नगरी रखा गया था।
3. महंत ने कहा कि यह ऐसी शुभ घड़ी है जो मरेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा।
4. अंत में राजा ने कहा कि राजा के जीते जी भला और कौन स्वर्ग जा सकता है, क्योंकि वह स्वर्ग जाना जाता था।

(ख) 1. महंत ने गोवर्धनदास को वहाँ रुकने से इसलिए रोका क्योंकि वहाँ मूर्ख राजा के कारण पूरे राज्य में अव्यवस्था फैली हुई थी और वह कभी भी संकट में पड़ सकता था।
2. महंत ने झूठ बोलकर कि, यह समय ऐसी शुभ घड़ी है जो मरेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा। स्वर्ग के लालच में स्वयं राजा फांसी पर चढ़ गया और गोवर्धनदास बच गया।
3. प्रस्तुत नाटक के माध्यम से लेखक सन्देश देना चाहता है कि हमें कभी लालच नहीं करना चाहिए। किसी की बातों में नहीं आना चाहिए और स्वयं उचित निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए।

4. महंत बुद्धिमान और चालाक था। जिससे उसने अपनी बुद्धि के कारण अपने शिष्य और अपने-आपको बचाया। राजा मूर्ख और लालची था। अपनी मूर्खता के कारण ही वह फाँसी पर चढ़ गया।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. फाँसी का हुक्म कोतवाल को हुआ था।
2. कोतवाल साहब सेहत से दुबले थे।
3. फाँसी बकरी को मारने के अपराध में दी जा रही थी।

भाषा की बात

1. (क) राजा; (ख) नगरी; (ग) दिशा; (घ) कोतवाल; (ङ) महंत; (च) चेला
2. (क) भगवान, ईश्वर; (ख) खुशी, प्रसन्नता; (ग) अपराध, दोष; (घ) मुसीबत, संकट
3. (क) आश्चर्य + चकित = आश्चर्यचकित; (ख) बल + वान = बलवान; (ग) संवाद + दाता = संवाददाता
4. (क) शिष्या; (ख) बकरी; (ग) रानी; (घ) हलवाइन; (ङ) बूढ़ी; (च) देवी

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

5 लक्ष्य जीवन का

मौखिक

1. सफलता पाने के लिए किसी विशेष प्रयत्न से अधिक आवश्यक है अपने लक्ष्य को निर्धारित करना जब तक लक्ष्य नहीं होगा तो अपने लक्ष्य पर उपलब्धि प्राप्त नहीं कर सकेंगे।
2. सफलता प्राप्त करने पर लोगों में प्रसन्नता और उत्साह का संचार हो जाता है।
3. दूसरों का मुँह ताकने से हमें सफलता प्राप्त नहीं होती।
4. यदि मूर्तिकार बिजली का काम करने लगे तो वह उसमें सफलता प्राप्त नहीं करेगा।

लिखित

(क) 1. मंजिल का सही समय पर चुनाव करके ही हम आगे बढ़ सकते हैं।
2. रुचि के अनुसार काम करने से हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बिना रुचि के काम करने से हमें कभी सफलता प्राप्त नहीं होगी।
3. संसार में जो व्यक्ति अपने जीवन लक्ष्य को मानवता को आधार बनाकर चुनते हैं, वे महान होते हैं। वे अन्यों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन जाते हैं।

(ख) 1. लक्ष्य-सिद्धि का मुख्य आधार परिश्रम है।
2. संकल्प दृढ़ हो तो बड़े-से-बड़ा काम आसानी से हो सकता है। ताजमहल जैसी कलात्मक भव्य इमारत, चीन की सैकड़ों मील लम्बी दीवार आदि मनुष्य के पक्के इरादे तथा मेहनत के ही परिणाम हैं।
3. यदि आप श्रमपूर्वक सही मार्ग में पसीना बहाओगे तो सफलताएँ अपने आप आपका कदम चूमेंगी। लक्ष्य ही मंजिल बन जाएगा और अपना जीवन सफल हो जाएगा।

4. अपने भीतर के आदमी अर्थात् अपने गुणों को पहचानकर ही हम सफलता अर्थात् अपनी मंजिल तक पहुँच सकते हैं। विश्व के महान व्यक्तियों ने अपने विशिष्ट गुणों को पहचाना तभी तो सफलता प्राप्त कर सके। यश तथा समृद्धि ने उनके कदम चूमे। इसलिए हमें अपने भीतर के व्यक्ति (गुणों) को पहचानना आवश्यक है।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. अपनी शक्तियों को एक लक्ष्य पर केन्द्रित कर लक्ष्य की उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं।
2. अर्जुन का लक्ष्य लकड़ी की चिड़िया की एक आँख को भेदना था।
3. सभी शक्तियों को एक ओर लगाकर काम करने से सफलता मिलेगी।

भाषा की बात

1. (क) वृक्ष, तरु, पादप; (ख) समुद्र, जलधि, सिंधु; (ग) पखेरू, विहंग, खग; (घ) पानी, वारि, नीर
2. (क) बलहीन, निर्बल; (ख) मन्द; (ग) समाधान; (घ) अस्त
3. (क) वर्षा; (ख) फूल; (ग) अकस्मात्; (च) रवि
4. (क) दर्शनीय; (ख) निराश्रित; (ग) अजेय; (घ) संयमी

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

6 अनोखी हड्डी

मौखिक

1. पाठ में स्वर्णदेश के महाराज उदयगिरि का वर्णन किया गया है।
2. महाराज आखेट के लिए गए थे और शाम होने के कारण रास्ता भूल गए।
3. वृद्ध ने महाराज से एक छोटी हड्डी के वजन के बराबर सोना माँगा।
4. लड़ाई का अन्त कामना की हड्डी के चमत्कार के कारण हुआ।

लिखित

(क) 1. महाराज को राज्य विस्तार का और आखेट का शौक था।
2. वृद्ध का महाराज से मिलने का उद्देश्य उन्हें अच्छी शिक्षा देकर युद्ध को बन्द कराना था।
3. युद्ध समाप्त होते ही पशु-पक्षी अपने घरों में वापस लौटने लगे।

(ख) 1. महाराज के पुलकित होने का कारण देश-देशान्तरों में उनकी विजय पताका का फहराना, उनके पराक्रम का पारावार होना, अनेक बन्दियों का उनके बन्दीग्रह में होना, किसी भी राज्य को उनकी सेना द्वारा रौंदा जाना तथा उनके पास विपुल स्वर्ण राशि का होना था।
2. पाठ में मछुआरों के वीर होने की जानकारी मिलती है। कम सेना होने पर भी युद्ध के समय वे बहादुरी से लड़ते और रात में अपने मृत सम्बन्धियों की लाशों को ठिकाने लगाते अपने जख्मों को सहलाते, फिर इस कराल अन्धकार में कहीं भी आशा की कोई रेखा न देखते हुए, धरती पर हाथ रखकर अपने प्राणों की बलि देने की शपथ लेते।

3. महाराज की विशाल सेना मछुआरों को हरा नहीं सकी, क्योंकि वे वीर तथा स्वतन्त्रता प्रिय थे। मछुआरों को दिखता था कि वे कभी जीत नहीं पाएँगे, किन्तु फिर भी उन्होंने अपने हथियार नहीं डाले।
4. पाठ के आधार पर महाराज एक महात्त्वाकांक्षी और स्वयं को विश्वविजयी होना देखना चाहता था। वह अपनी असीम शक्ति का प्रयोग मानवता के लिए नहीं, वरन दूसरों को झुकाने के लिए करना चाहता था।
5. (क) वृद्ध ने महत्त्वाकांक्षी राजा को समझाते हुए बताया कि इच्छाएँ निरन्तर पूरी होने पर भी गति से बढ़ती जाती हैं। इच्छाएँ कभी भी शान्त नहीं होती हैं।
   (ख) वृद्ध ने महाराज को समझाते हुए कहा कि दानी के दान देने में उदारता के भाव होने चाहिए, चाहे याचक की प्रार्थना छोटी क्यों न हो। यदि दानी की भावना उदार नहीं होगी तो दान पूरा नहीं होगा।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. तराजू मँगाया गया।
2. महाराज के द्वारा मँगाया गया सोना एक छोटी-सी हड्डी के बराबर वजन का नहीं निकला। अतः वे लज्जित हो गए।
3. दानी के दान में उदारता होनी चाहिए।

भाषा की बात

1. (क) महाराज + अधिराज (ख) दर्शन + अर्थ (ग) देश + अन्तर (घ) वृद्ध + अवस्था।
2. (क) वार्तालाप (ख) सूर्यास्त (ग) देवालय (घ) रेखांकित।
3. (क) पाषाण, प्रस्तर (ख) नयन, चक्षु (ग) अरण्य, वन (घ) वृक्ष, तरू (ङ) पहाड़, गिरि (च) अश्व, तुरंग।
4. (क) महान है जो राजा (ख) पुरुषों में है जो उत्तम (ग) नीला है कण्ठ जिसका (घ) अध्यापकों में है जो प्रधान (ङ) मन्त्रियों के हैं जो प्रधान (च) जो धर्म के साथ है (छ) पीला है जिसका अम्बर (ज) महान है जो आत्मा।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. यदि हमारे अन्दर परस्पर मेल के भाव आ जाएँ तो कभी भी युद्ध न होगा। ऐसा तभी सम्भव है जब हम समस्त संसार को एक कुटुम्ब की तरह जानेंगे।
2. आशा, इच्छा और कामना का हमारे जीवन में होना अनिवार्य है। किन्तु इनकी एक सीमा होनी चाहिए। इनकी सीमा से परे होना प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

7 चक दे! इंडिया

मौखिक

1. प्रस्तुत लेख का शीर्षक 'चक दे! इंडिया' है।
2. कहानी 'हॉकी' खेल पर लिखी गई है।

3. खेल के कोच का नाम 'कबीर खान' था।
4. 'चक दे इंडिया' फिल्म के कहानीकार 'जयदीप साहनी' तथा फिल्मकार 'शिमित अमीन' हैं।

लिखित

(क) 1. नन्हें-नन्हें बच्चे 'चक दे इंडिया' गीत गाते रहते हैं।

2. कबीर खान की एक गलत हिट से भारत की हार हुई थी, जिसके कारण भारतीय जनता ने उस पर कीचड़ उछाला अर्थात् बुरा-भला कहा था।

3. सिडनी की चमक-दमक, हार-जीत सब कुछ के बीच कबीर की पारखी नजर अपनी टीम के अपेक्षित सुधार की ओर टिकी है।

4. जब सिडनी में भारत की जीत अंतिम स्ट्रोक पर निर्भर थी उसे खेल का वही क्षण याद आया जिसने उनका जीवन बदल दिया था। आज भाग्य को क्या मन्जूर होगा? वही कठिन समय इस समय था।

(ख) 1. बोर्ड के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए लड़कियों की नहीं बल्कि लड़कों की टीम को भेजा जाएगा। यह सुनकर कबीर खान का दिल टूट गया मगर हौंसले के कारण उन्होंने बोर्ड के समक्ष लड़के-लड़कियों की टीम का मैच रखने के लिए कहा जो जीतेगा वही ओलंपिक में जाएगा आखिर लड़कियों की टीम की जीत के साथ उनकी टीम ओलंपिक में गई।

2. 'आज मैंने उस टीम को देखा जो कभी थी ही नहीं' यह कथन कबीर खान ने उस समय कहा जब मक्डोनल्डस में लड़के लड़कियों को परेशान करने लगे तो उन्होंने मिलकर लड़कों का मुकाबला किया उस समय यह कथन कहा था। इसलिए कहा था ताकि वे मैच मिल-जुलकर खेले।

3. प्रस्तुत कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें मुसीबत के समय में भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और एकजुट होकर उसका सामना करना चाहिए।

(ग) 1. (क); 2. (ख); 3. (क)

(घ) 1. विदा लेते समय कबीर ने कहा कि – "आज मैंने उस टीम को देखा जो कभी थी ही नहीं।"

2. खिलाड़ी लड़कियों को कबीर के जाने से बहुत बड़ी हानि का आभास हुआ।

3. लड़कियों ने कबीर खान से रुकने का आग्रह किया।

भाषा की बात

1. (क) उसे, उसके; (ख) वह, इस, उसकी; (ग) उन्हें, उनकी; (घ) हमें, अपने, अपनी
2. (क) घटिया (ख) सही (ग) जय (घ) जीत (ङ) सुख (च) आसान
3. (क) हार जाना = एक गलत हिट से भारत को हार का मुँह देखना पड़ा।
   (ख) दुःखी होना = बोर्ड का निर्णय सुनकर कबीर खान का दिल टूट गया।
   (ग) हार मानना = भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेक दिए।
4. (क) रात और दिन (ख) सुख और दुख (ग) यश की प्राप्ति

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

हमें अपने लक्ष्य या मंजिल तक पहुँचने के लिए अधिक मेहनत और सच्चाई के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यदि हमारा एक ही लक्ष्य होगा तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। एकाग्रता अथवा मन से अपने लक्ष्य तक पहुँचा जा सकता है। बिना परिश्रम और एकाग्रता से हम अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते।

8 जागरण गीत

मौखिक

1. गीत गाकर जगाने कवि आ रहा है।
2. सूर्य हमें जगाने आ रहा है।
3. लोग साधना से सिहरकर मुड़ रहे हैं।
4. कवि लोगों को मझधार को देखकर न घबराने की सलाह दे रहा है।

लिखित

(क) 1. कवि व्यक्ति को अतल अस्ता चल (अवनति के पथ पर) न जाने की बात कह रहा है।
2. कवि मझधार को देखकर न घबराने की सलाह दे रहा है।
3. कवि मन में बसी सभी संकीर्णताओं की शृंखलाएँ तोड़ने के लिए कह रहा है।
4. कवि कल्पना लोक में विचरण करने वाले लोगों को धरती की वास्तविकताओं को जानकर श्रम में सुख का अनुभव करने के बारे में बता रहा है।

(ख) 1. कवि गहरी नींद में सोए बेखबर (निश्चिन्त) व्यक्तियों को गीत गाकर (प्रेरणा देकर) जगाना चाहता है।
2. कवि ने श्रम और कार्यनिष्ठा से भागने वाले व्यक्तियों को परिश्रमी तथा कर्तव्यनिष्ठ बनने का निर्देश दिया है।
3. कवि भटके (अज्ञान तथा अवगुणों वाले) व्यक्तियों को प्रगति (ज्ञान तथा गुण विकसित करने वाले) पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।
4. (क) कवि ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा है कि अब वह उन्हें कपोल-कल्पित विचारों तथा क्रियाकलापों से दूर रहना तथा वास्तविकता तथा सार्थकता में जीना है।
(ख) कवि ने लोगों को एकता का पाठ पढ़ाते हुए कहा है कि वह एक-एक बूँद की तरह उन्हें अलग-अलग गिनना नहीं बल्कि एक होकर एक-दूसरे की सहायता से उठता देखना चाहता है।

(ग) 1. (ख); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. नींद में सपने संजोना सुख नहीं है।
2. अपने सिर पर बहुत भार ढोना (बड़ी जिम्मेदारी लेना) दुःख नहीं है।
3. कवि शूल (दुःख) को फूल (सुख) बनाने की बात कर रहा है।

भाषा की बात

1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)
2. (क) रघुपति राघव राजा राम।
(ख) कनक कनक ते सौ गुना।
3. (क) तल; (ख) अस्ता चल; (ग) पाताल; (घ) दुःख; (ङ) फूल; (च) किनारा।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. सत्यवादिता, एकता, कठिन परिश्रम, सार्थकता हमें उन्नति के पथ पर ले जाते हैं जबकि मिथ्यावादिता, अनेकता, काम में आलस्य, हवाई महल बनाना हमें अवनति के पथ पर ले जाते हैं।
2. देश का आदर्श व्यक्ति बनने के लिए हमें अच्छे-सच्चे कार्य करने चाहिए, भेदभाव तथा द्वेष को छोड़ना चाहिए तथा सदैव देश हित के लिए कार्य करने चाहिए।

9 शूरता

मौखिक

1. सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर, और आजाद होते हैं।
2. गुलाम कैदी वीर था।
3. दुनियावी बादशाह ने गुलाम को काफिर कहा।
4. वीरों का शरीर कुदरत (प्रकृति) की समस्त ताकतों का भण्डार होता है।

लिखित

(क) 1. सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं। उनके मन की गम्भीरता और शान्ति समुद्र की भाँति विशाल, गहरी और आकाश की तरह अचल होती है।

2. मन्सूर ने कहा कि वह खुदा है। ऐसा कहने पर लोगों ने पत्थर मार-मारकर उसकी दुर्दशा कर दी और उसे शूली पर चढ़ा दिया गया।

3. एक गुलाम कैदी ने फाँसी पर चढ़ते हुए भी बादशाह का तिरस्कार किया। महाराजा रणजीत सिंह ने उफनती अटक में घोड़ा डाल दिया। नेपोलियन ने कहा कि आल्प्स है ही नहीं।

4. लेखक ने बताया है कि सदा सत्य की जीत होती है। यह भी वीरता का एक चिह्न है।

(ख) 1. लेखक ने युद्ध के वीरों के अतिरिक्त कई वीरों के उदाहरण दिए हैं; जैसे – जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा ने विरक्त होकर वीरता का परिचय दिया। एक भेड़ चराने वाली सत्वगुण से सनी कन्या के दिल में जोश आते ही फ्रांस एक भारी शिकस्त से बच गया।

2. वीरता की अभिव्यक्ति कई रूपों में होती है। कभी-कभी उसकी अभिव्यक्ति लड़ने-मरने व खून बहाने में, तलवार-तोप के सामने जान गँवाने से होता है, तो कभी जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीरता का परिचय देते हैं।

3. लेखक ने बताया कि एक भेड़ चराने वाली लड़की सत्वगुण से सम्पन्न थी। जब शत्रुओं ने फ्राँस पर आक्रमण किया तो उसने अपनी जान की परवाह न करते हुए ऐसा काम किया कि फ्रांस एक बड़ी हार से बच गया।

4. ईसा मसीह ने लोगों को सद्‌शिक्षा दी। उसके लिए उन्हें यातना दी गई और क्रूस पर चढ़ाया गया, किन्तु वे वीर जब तक जीवित रहे, वीरता से सद्‌कार्य करते रहे। मीराबाई को अपने आराध्य की भक्ति से हटाने के लिए कई जानलेवा प्रयास किए गए किन्तु उसने जान की परवाह न करके अपने कार्य में संलग्न रही।

5. लेखक ने कायरों को टीन के डिब्बे की उपमा इसलिए दी है टिन के डिब्बे की तरह कायर भी जल्दी ही क्रोधित और जल्दी ही शान्त हो जाता है। उसमें सहनशीलता तथा अचलता नाममात्र को भी नहीं होती है।
6. (क) लेखक ने बताया है कि संसार का आधार धर्म तथा आध्यात्मिक नियम हैं। सभी अच्छे लोग धर्म का अनुसरण करते हैं और आध्यात्मिक नियमों पर चलते हैं।
   (ख) लेखक ने बताया है कि जो व्यक्ति स्वयं को महान बनाने का निरन्तर प्रयास करता रहता है, उसे ही वीर कहते हैं।

(ग) 1. (ग); 2. (ख); 3. (ग); 4. (क)

(घ) 1. वीरों का शरीर कुदरत की समस्त ताकतों का भण्डार होता है।
2. वीर के दिल में जो दैवी केन्द्र है, वह अचल है।
3. वीरों की नीति बल को हर तरह से इकट्ठा करके और बढ़ाने की होती है।

भाषा की बात

1. (क) स्वास्थ्य से सम्बन्धी; (ख) सत्य के लिए आग्रह; (ग) बाल का कल्याण; (घ) स्वर्ग को वास।
2. प्रति – प्रतिक्षण, प्रत्येक, प्रतिरूप, स्व – स्वचरित, स्वाध्याय, स्वलिखित।
3. (क) अवनतिः (ख) निम्न; (ग) परतन्त्रः (घ) अनिच्छा; (ङ) अनुतीर्ण; (च) सामान्य।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. विद्यार्थी की विशेषताएँ हैं – कम खाने वाला, घर का त्याग करने वाला, कौए के समान चेष्टा वाला (जिज्ञासु), बगुले की तरह एकाग्रता वाला, तथा कठोर परिश्रम करने वाला।

10 पंच परमेश्वर

मौखिक

1. खाला ने जुम्मन से अलग रहने के लिए गुजारे की माँग की।
2. खाला ने अलगू को अपना पंच बनाया।
3. अलगू चौधरी ने खाला के पक्ष में निर्णय दिया।
4. प्रस्तुत कहानी में दूसरी बार पंचायत अलगू चौधरी ने बुलाई।

लिखित

(क) 1. खाला जुम्मन से गुजारे की मांग के लिए पंचायत बैठाना चाहती थी।
2. अलगू चौधरी ने बैल को समझू साहू को बेच दिया।
3. समझू साहू इक्का गाड़ी हाँकते थे। गाँव से गुड़-घी लादकर मंडी ले जाते, मंडी से तेल-नमक भरकर लाते और गाँव में बेचते थे।
4. मित्रता में मित्रों के सुख-दुःख में साथ देना और आपस में विचारों का मिलना यही मित्रता का मूलमन्त्र है।

(ख) 1. जुम्मन और खाला में सरपंच बनाने पर कहा-सुनी हो गई। तब खाला ने कहा कि तुम किसी पर विश्वास करो या ना करो अलगू पर तो विश्वास करते हो तो मैं अलगू को ही सरपंच मानती हूँ।
2. खाला ने जुम्मन से फैसले के लिए पंचायत बैठाई तो अलगू को सरपंच बनाया गया। अलगू ने खाला के पक्ष में फैसला दिया। इस फैसले ने अलगू और जुम्मन की मित्रता दुश्मनी में बदल गई।
3. समझू साहू नए बैल पाने पर उससे भरपूर काम लिया। वह दिन में तीन-तीन, चार-चार खेप करता। चारे, पानी की कोई फिक्र नहीं थी। एक महीने में वह पिस-सा गया। एक दिन चौथी खेप में दुगुना बोझा लादा। थका-हारा बैल उठ न सका उपर से साहू ने उस पर कोड़े मारे तो वह उठ ही नहीं सका और मर गया।
4. जुम्मन शेख बेईमान और कपटी किस्म का था।

(ग) 1. (क); 2. (ख); 3. (ख)

(घ) 1. बैल के झगड़े का फैसला अलगू चौधरी और समझू साहू के बीच था।
2. समझू के लिए पंचों ने बैल का पूरा दाम देने का फैसला सुनाया।
3. बैल की मृत्यु का कारण उससे कठिन परिश्रम लिया गया और उसके दाने-चारे का प्रबन्ध नहीं किया गया।

भाषा की बात

1. (क) भारी परिवर्तन होना; (ख) घबरा जाना या डर जाना; (ग) आदेश का पालन करना।
2. (क) निडर, डरपोक; (ख) मित्रता, मित्रगण; (ग) सत्यवादी, सत्यता; (घ) आत्मविश्वास, अंधविश्वास
3. (क) पक्षधर; (ख) अकथनीय; (ग) अनुकरणीयः (घ) अवसरवादी
4. (क) अन्त; (ख) अशान्त; (ग) निर्जीव; (घ) स्थिर; (ङ) भक्षक; (च) निरर्थक

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

पंच का आसन ग्रहण करते ही पंच के मन में जिम्मेदारी का भाव होता है। पंच न्याय और धर्म के सर्वोच्च आसन पर बैठकर उसके मुँह से जो कुछ भी निकलता है देववाणी के समान होता है। उसमें मनोविकार का कदापि समावेश नहीं होता और वह सत्य ही कहता है। इसलिए पंच की वाणी को देववाणी कहा गया है।

11 बेरोजगारी का दंश

मौखिक

1. जनसंख्या बढ़ने पर जरूरतें बढ़ती हैं।
2. समाज का बदलता ढाँचा नए जीवन के नए साधनों के दर्शन कराता है।
3. शासन का कार्य व्यवस्था देना है।
4. हमें स्वयं को व्यवस्था से निराश नहीं करना चाहिए।

लिखित

(क) 1. बढ़ती आबादी से मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी नहीं हो पाती हैं।
2. सरकार का कार्य व्यवस्था देना है और इसके लिए संकल्प शक्ति होना जरूरी है।

3. शहर में आए बाहरी लोगों के सामने घर, किराया, खाने तथा बच्चों की पढ़ाई की समस्याएँ हैं।
4. ग्रामीण समाज विपन्नता का पर्याय बनता जा रहा है।

(ख) 1. शहर की सुन्दर कहलाने वाली बस्तियों के घर बहुमंजिले हो रहे हैं। उनके लिए चौकीदार चाहिए। कारों की संख्या बढ़ी है, चालक चाहिए। कल-कारखानों में अत्याधुनिक मशीनें आई हैं, उनके लिए संचालक चाहिए। रोजगार के अवसर तो बढ़े हैं, किन्तु ये रोजगार अपर्याप्त इसलिए हैं, क्योंकि बढ़ती जनसंख्या के कारण बेरोजगारों की संख्या सीमित नहीं है, जबकि अवसर सीमित हैं।

2. गाँव से आने वाले बेरोजगारों को छोटा-मोटा रोजगार मिलने पर कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे – पहले तो एक अपना घर चाहिए; नहीं तो किराए पर रहो। किराया दो, तो खाने की समस्या। पेट भर गया तो बच्चों की पढ़ाई। सरकारी स्कूल में भेजों, तो दूसरे दर्जे के नागरिक बनो।

3. ग्रामीण समाज विपन्नता का पर्याय बनता जा रहा है। इससे हम पूर्णरूप से सहमत हैं। उदाहरण के लिए वहाँ के बच्चे भाषायी दलाल के संकट में फँसे हैं। थोड़ा-बहुत पढ़ लिखकर भी वे अधिक-से-अधिक सफेद पोश मजदूरी ही तलाशते हैं।

4. बदलती परिस्थितियों के लिए सरकार ही नहीं जनता भी जिम्मेदार है। पाठ में व्यक्ति की जनसंख्या वृद्धि एवं बेरोजगारी वृद्धि के प्रति जिम्मेदारी की ओर संकेत किया गया है। आज के युग में बेरोजगारी एक असामान्य समस्या है। इसका समाधान सरकार और जनता दोनों के सहयोग से ही हो पाएगा।

5. (क) असन्तोष का जब सब्र टूटता है, तो यह सम्भव है कि एक स्वस्थ मानवीय समाज की संरचना होती है अर्थात् लोग एक सुचारू व्यवस्था बनाने को बाध्य होते हैं।
   (ख) लेखक ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया है कि किसी के सम्मान समारोह में कुछ लोग माला अर्पण करने आते हैं, कुछ ताली बजाने वाले तथा कुछ लोग व्यर्थ में अपना समय बरबाद करने वाले होते हैं।

(ग) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ख)

(घ) 1. व्यवस्था से निराश नहीं होना चाहिए, किन्तु लेखक को आशान्वित होने के आसार भी नजर नहीं आते हैं।

2. लेखक ने हमें समय की कद्र करने को कहा है।

3. इसके लिए लेखक ने मेहनत करने, अपने आप को इस लायक बनाने कि अनिश्चितता घटे और आत्मविश्वास बढ़े; को कहा है।

भाषा की बात

1. लोमड़ी शेर की इस स्वार्थपूर्ण बात को सुनकर मन-ही-मन मुस्कराती हुई बोली, "वृद्ध भ्राता! तुम ठीक कह रहे हों। मैं समझ नहीं पा रही हूँ कि इस नश्वर शरीर से तुम्हें इतना मोह क्यों है? मोह सब पापों का मूल है। तुम स्वयं ज्ञानवान हो फिर क्यों इस मृत्यु के किनारे लगी काया से मुझे खाने का पाप करना चाहते हों? मैं अपना शरीर तुम्हें इसलिए भी अर्पण नहीं कर रही हूँ ताकि जीव हिंसा पाप से तुम बचे रहो।"

2. (क) दूर का दृष्टा, अव्ययी भाव; (ख) संकल्प के लिए शक्ति, सम्प्रदान तत्पुरुष; (ग) उद्योग और धन्धे, द्वन्द्व; (घ) जनों की संख्या, सम्बन्ध तत्पुरुष।

3. (क) आशान्वित या आशावान; (ख) ग्रामीण; (ग) बेरोजगार; (घ) पुश्तैनी।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. किसी समस्या का समाधान करने के लिए हमें समस्या करने वाले कारकों को नियन्त्रित करना चाहिए। उससे समस्या उत्पन्न नहीं होगी तथा फिर समस्या के प्रभावों को कम करने का प्रयास करना चाहिए।
2. हमारा देश बहुत-सी समस्याओं से जूझ रहा है। उनमें प्रमुख हैं – जनसंख्या वृद्धि, बेरोजगारी, क्षेत्रवाद, जातिवाद, भेदभाव, आतंकवाद, महँगाई, भ्रष्टाचार आदि।

12 पत्र शहीदों के

मौखिक

1. लाला लाजपत राय ने यह पत्र 'भारत माता' को संबोधित कर लिखा है।
2. लाला लाजपत राय ईश्वर से भी ज्यादा 'भारत माता' को प्रेम करते थे।
3. राम प्रसाद बिस्मिल अपनी माता को अपनी उन्नति में सहायक मानते हैं।
4. यह पत्र राम प्रसाद बिस्मिल ने जेल से लिखा था।

लिखित

(क) 1. लाला लाजपत राय भारत माता, मानवता और भारत की सन्तानों (जनता) से प्यार करते थे।

2. लाला लाजपत राय की नजर में मातृभूमि की सन्तानें असंगठित, देशप्रेमहीन और अंधविश्वासी हैं।
3. राम प्रसाद बिस्मिल की इच्छा थी कि वह एक बार श्रद्धापूर्वक अपनी माँ के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना सकता।
4. राम प्रसाद बिस्मिल ने माताओं की माता भारतमाता को कहा है।

(ख) 1. लाला लाजपत राय माँ के चरणों में प्रेम समर्पित करना चाहते थे क्योंकि वे भारतमाता को बहुत प्यार करते थे।

2. लाला लाजपत राय देशवासियों में असंगठित, देशप्रेमहीन और अंधविश्वास आदि कमियों को देखते हैं। लेकिन वे उन्हें इसलिए नहीं छोड़ पाते क्योंकि वे उनसे बहुत प्यार करते हैं।
3. लाला लाजपत राय ने अपना पत्र भारतमाता को संबोधित करके लिखा है। राम प्रसाद बिस्मिल ने अपना पत्र अपनी माता को संबोधित करके लिखा है।
4. 'भारत के इतिहास में तुम्हारा नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।' यह राम प्रसाद बिस्मिल ने अपनी माता को लिखे क्योंकि तुम्हें एक शहीद की माता होने का गौरव प्राप्त होगा।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (क)

(घ) 1. नेताजी का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था।

2. उन्होंने 'आज़ाद हिन्द फौज' का गठन किया था।
3. भारत को स्वतंत्रता दिलाने में इस संगठन की भूमिका को सदैव याद किया जाएगा।

भाषा की बात

1. (क) दुश्मन, रिपु; (ख) प्यार, स्नेह; (ग) गरीब, दरिद्र; (घ) आकाश, गगन
2. (क) शत्रु; (ख) अपरिचित; (ग) नास्तिक; (घ) उत्थान

3. (क) धार्मिक; (ख) पारम्परिक; (ग) असंगठित; (घ) एतिहासिक
4. (क) बहुत खुश होना; (ख) ईर्ष्या होना; (ग) नाराज़ होना; (घ) हैरान होना

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

छात्र स्वयं करें।

13 गरीबी और अमीरी

मौखिक

1. गाँधीजी ऐसे युग की कल्पना करने में असमर्थ हैं, जब कोई भी व्यक्ति अन्य की तुलना में अधिक धनवान होगा।
2. भारत में जितने भी महल दिखाई देते हैं, वे उसकी अमीरी के नहीं, बल्कि अमीरों के कारण थोड़े-से लोगों को मिली धृष्टता के प्रतीक हैं।
3. तेन त्यक्तेन भुंजीथाः का अर्थ है – करोड़ों की सम्पत्ति जरूर कमाइए, पर यह समझ लीजिए कि यह आपकी नहीं, जनता की है। अपनी कमाई में से अपनी जायज जरूरतों के लिए अपने पास रखकर शेष को समाज के हित में खर्च कर दीजिए।
4. गाँधीजी ने धनवान लोगों को अपना कर्त्तव्य याद रखने की सलाह दी है।

लिखित

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक ने अपने देशवासियों को यह कहते सुना है कि हम अमेरिका की तरह धनवान तो बनेंगे, पर (धन संग्रह के) अमेरिकी तरीकों को नहीं अपनाएँगे।
2. अहिंसा का सहारा लेने वालों के लिए सबसे उत्तम मन्त्र है – तेन त्यक्तेन भुंजीथाः।
3. लेखक ने आत्मा को स्थायी तथा अमर बताया है।
4. लेखक ने अमीरों को ईमानदारी से कमाने तथा अपनी कमाई को सबकी सेवा के लिए समर्पित करने की सलाह दी है।

(ख) 1. महात्मा गाँधी ने अनेक देशवासियों को यह कहते सुना है कि हम अमेरिका की तरह धनवान तो बनेंगे, (धन संग्रह के) अमेरिकी तरीकों को नही अपनाएँगे। इस पर उन्होंने यह कहकर अपनी सहमति प्रकट की कि यदि ऐसा प्रयास किया गया तो असफलता अवश्यम्भावी है। हम एक ही साथ बुद्धिमान, संयत और क्रोधोन्मत नहीं रह सकते।

2. भारत भूमि पर बनें महलों के रहस्य में बापू का दृष्टिकोण यह है कि भारत में जितने भी महल दिखाई देते हैं वे उसकी अमीरी के नहीं, बल्कि अमीरी के कारण थोड़े-से लोगों को मिली धृष्टता के प्रतीक हैं।

3. अमीरों को चेतावनी देते हुए बापू ने कहा है कि वे अपना कर्त्तव्य ध्यान में रखें। आज अपनी सम्पत्ति की रखवाली के लिए वे जिन्हें तनख्वाह देकर नियुक्त करते हैं, वे रखवाले ही शायद कल उनके शत्रु बन जाएँगे।

4. निष्प्राण समानता के प्रति गाँधी जी की विचारधारा है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण प्रतिभा का उपयोग केवल अपनी तरक्की के लिए नहीं, बल्कि सबकी भलाई के लिए करें। इस तरह की समानता के दुष्परिणाम का विश्लेषण इस प्रकार है – निष्प्राण समानता पैदा करने से प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यता का अधिकतम सीमा तक उपयोग करने में असमर्थ होता है ऐसा समाज तो अन्ततः नष्ट ही हो जाएगा।

(ग) 1. (ग); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. समाज के हित में यह बात है कि प्रत्येक सदस्य अपनी सम्पूर्ण प्रतिभा का उपयोग केवल अपनी तरक्की के लिए न करके सबकी भलाई के लिए करे।

2. निष्प्राण समानता के फलस्वरूप प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यता का अधिकतम सीमा तक उपयोग करने में असमर्थ होगा।

3. गद्यांश या शीर्षक 'समानता' हो सकता है।

भाषा की बात

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv)
2. (क) देश का वासी, तत्पुरुष; (ख) अवश्य होने वाला, अव्ययी भाव; (ग) धन और दौलत, द्वन्द्व; (घ) जीवन की व्यवस्था, तत्पुरुष।
3. (क) क्रोध + उन्मत्त, गुण; (ख) अधिक + अंश, दीर्घ; (ग) प्रति + एक, वृद्धि; (घ) दया + आनन्द, दीर्घ।
4. (क) अहित (ख) अधृष्टता (ग) अस्थायी (घ) अहिंसा (ङ) अन्याय (च) धनी।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. हम ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जिसमें किसी भी व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक या धार्मिक असमानता का सामना न करना पड़े। सभी सद्भाव से रहें तथा एक-दूसरे की भलाई के लिए कार्य करें।
2. आज के समाज की व्यवस्था इस प्रकार की है कि अमीर अधिक अमीर और गरीब अधिक गरीब होता जा रहा है। इससे गरीबों में असन्तोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है और टकराव होना अवश्यम्भावी है।

14 ममता

मौखिक

1. शोण के तीक्ष्ण गम्भीर प्रवाह को ममता देख रही थी।
2. प्रकोष्ठ में चुपचाप चूड़ामणि ने प्रवेश किया।
3. एक कुटिया के दीपालोक में एक किशोरी (ममता) पाठ कर रही थी।
4. शिलालेख में ममता का नाम नहीं था।

लिखित

(क) 1. चूड़ामणि अपनी विधवा लड़की ममता के विवाह को लेकर व्यथित थे।

2. 'तो क्या आपने उस म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार कर लिया?' कथन में म्लेच्छ शेरशाह सूरी को कहा गया है।

3. किशोरी का पाठ हुमायूँ के युद्ध में हारकर क्षत-विक्षत अवस्था में किशोरी (ममता) की झोंपड़ी में आश्रय माँगने आने के कारण रुक गया।

4. मन्दिर के शिलालेख पर लिखा था – "सात देशों के नरेश हुमायूँ ने एक दिन यहाँ विश्राम किया था। उनके पुत्र अकबर ने उनकी स्मृति में यह गगन चुम्बी मन्दिर बनवाया।"

(ख) 1. ममता रोहताश दुर्ग के मन्त्री चूड़ामणि की विधवा बेटी थी। मन में वेदना, मस्तिष्क में आँधी, आँखों में पानी की बरसात लिए वह सुख की कंटक-शयन में विकल थी। उसके लिए प्रत्येक वस्तु एवं सब तरह के सुख होते हुए भी उसे विधवा होने का दुःख था।

2. उपहार के सम्बन्ध में चूड़ामणि की सोच थी कि वह आगे चलकर बुरे समय में काम आएगा जबकि ममता का मानना था कि सभी आवश्यक वस्तुएँ परिश्रम करके प्राप्त हो सकती हैं और उपहार की कोई आवश्यकता नही है।

3. ममता ने अनजान व्यक्ति को आश्रय देने में आनाकानी की, क्योंकि उसे डर था कि जिस प्रकार शेरशाहसूरी के सिपाहियों ने उनके साथ छल किया था, उसी प्रकार से अब भी छल हो सकता है।

4. खण्डहरों में छिपी ममता हुमायूँ के सैनिकों और सेनापति के आने से और अधिक भयभीत हो उठी। उसे डर था कि कहीं वे उसे ही ढूँढने और उसके साथ अनिष्ठ करने तो नहीं आ रहे हैं।

5. (क) लेखक ने हिन्दू परम्पराओं पर कुठाराघात करते हुए बताया है कि हिन्दू विधवा को समाज में कोई स्थान नहीं दिया जाता है और उसे बहुत छोटा तथा बेआसरा प्राणी माना जाता है।

(ख) लेखक ने हुमायूँ के चौसा युद्ध में हारने पर ममता की कुटिया में आने को चित्रित करते हुए बताया है कि उसकी आकृति घाव होने के कारण भयंकर लग रही है। हार होने से वह निराश था। वह दीपक के धीमे प्रकाश में कुटिया के सामने आश्रय के लिए खड़ा हो गया।

(ग) 1. (ग) 2. (ग) 3. (क)

(घ) 1. मन्त्री चूड़ामणि का हृदय किसी अनहोनी की आशंका से धक-धक करने लगा।

2. मन्त्री ने डोलियों का निरीक्षण करने के लिए उनका आवरण खुलवाना चाहा।

3. पठानों ने मन्त्री से कहा कि डोलियों का आवरण खुलवाना उनकी महिलाओं का अपमान करना है।

भाषा की बात

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii)
2. (क) निर + आश्रय, दीर्घ; (ख) पतन + उन्मुख, गुण; (ग) नमः + कार, विसर्ग; (घ) दुः + चिन्ता, विसर्ग; (ङ) भग्न + अवशेष, दीर्घ; (च) निः + ठुर, विसर्ग।
3. (क) स्नेह से पालित, करण तत्पुरुष; (ख) पक्षी रूपी प्राण, कर्मधारय; (ग) आठ कोण वाला, द्वन्द्व; (घ) वंश धारण करने वाला, कर्मधारय; (ङ) गगन को चूमने वाली, कर्मधारय; (च) भय से भीत, करण तत्पुरुष।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. विधवा का विवाह करना तो चूड़ामणि का निर्णय ठीक था। किन्तु उसे पहले से ही सब कुछ स्पष्ट कर लेना और शेरशाह के कुत्सित विचारों को जान लेना चाहिए था।
2. मन्दिर के शिलालेख पर लिखा जाना चाहिए था – "सातों देशों के नरेश हुमायूँ को चौसा युद्ध में हारने तथा बुरी तरह से क्षत-विक्षत होने पर एक विधवा किशोरी ने यहाँ पर आश्रय दिया था। उन्हीं की स्मृति में उनके पुत्र अकबर ने यह गगन चुम्बी मन्दिर बनवाया।"

15 नदी का रास्ता

मौखिक

1. नदी ने अपना रास्ता स्वयं खोजा।
2. हम नदी का यही उत्तर सुनते आए हैं कि उसे किसी ने रास्ता नहीं दिखाया, उसने अपना रास्ता स्वयं खोजा है।
3. नदी को चट्टानों ने ढकेला था।
4. नदी ने शिलाओं को एक ओर कर दिया।

लिखित

(क) 1. उन्मुक्त बहकर नदी ने समुद्र की गम्भीरता को खोजा।
2. नदी ने शिलाओं को ढकेला वह कई प्रपातों से गिरी।
3. सागर से मिलते समय नदी की गति मन्द थी।
4. भूमि ने नदी के रास्ते में कन्दराएँ, शिलाएँ, पर्वत, वन आदि कठिनाइयों के रूप में खड़े किए।

(ख) 1. नदी की प्रतीक्षा में सागर खड़ा है। नदी सागर के निकट पहुँचते ही उसके दूर तक फैले साम्राज्य को देखकर अपनी गति कम कर देती है।
2. धरती के अनुसार उसने नदी की चाल धीमा या तेज करने के लिए शिलाएँ सामने की जिनका अवरोध पाकर नदी की गति कम हो गई और स्वयं नीचे होने पर नदी की चाल तेज हो गई।
3. मनुष्य के जीवन की तुलना यदि नदी से की जाए, तो उसे आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम और कड़ा संघर्ष करना होगा।
4. मनुष्य के निर्माण में उसकी इच्छा शक्ति का अधिक हाथ होता है, परिवेश का नहीं; क्योकि मलीन बस्तियों तथा गरीब परिवारों में पैदा होने वाले लोगों ने भी नेतृत्व किया है।
5. सन्दर्भ : प्रस्तुत कविता-पंक्तियाँ हमारी हिन्दी पाठ्य पुस्तक 'उड़ान' के 'नदी का रास्ता' नामक कविता से उद्धृत है। उसके रचयिता 'बाल कृष्ण राव' जी हैं।
कवि बताते हैं कि लोग प्राचीन काल से ही इस प्रश्न का उत्तर बोलते आ रहे हैं कि नदी का रास्ता किसने बनाया है, किन्तु उन्हें ऐसा कोई नहीं जान पड़ता जो कह सके कि नदी का रास्ता उसने बनाया है। हारकर उन्हें यही मान लेना पड़ता है कि नदी ने अपना रास्ता स्वयं बनाया है।

(ग) 1. (ग); 2. (ग); 3. (ख)

(घ) 1. परिवेश को नदी ने झुकाया।
2. मन के वेग को बेबस होकर बहना पड़ा।
3. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'नदी का मन' हो सकता है।

भाषा की बात

1. (क) (iv); (ख) (ii); (ग) (i)
2. (क) सरिता, तटिनी, तरंगिनी; (ख) पृथ्वी, धरा, वसुन्धरा; (ग) समुद्र, सिंधु, जलधि; (घ) वन, अरण्य, दाव।

3. (क) विमुक्त; (ख) भयभीत; (ग) निर्बाधा; (घ) विपन्न; (ङ) प्रतिरूप; (च) मन्द; (छ) निर्बल; (ज) सामर्थ्यवान; (झ) असमतल।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. सफलता प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रशिक्षण के अतिरिक्त सबसे पहली वस्तु दृढ़ इच्छा शक्ति है। यदि किसी व्यक्ति में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो सफलता प्राप्त करने के लिए उसे निर्धारित प्रशिक्षण मिले या न मिले उसे कोई फर्क नहीं पड़ता है।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।

16 भेड़ें और भेड़िये

मौखिक

1. पशु-समाज में प्रजातन्त्र की स्थापना होने से हुए क्रान्तिकारी परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई।
2. हर भेड़िए के आस-पास दो-चार सियार रहते ही हैं।
3. सरकस वाले भेड़िए और सियार को नहीं लेते हैं।
4. भेड़िया राजा सन्त बन गए।

लिखित

(क) 1. वन-समाज में प्रजातन्त्र की स्थापना होने से हर्ष की लहर दौड़ गई।

2. भेड़िये की चिन्ता का कारण उसकी क्रुरता के कारण उसे वोट न मिलना था।

3. वन-समाज में भेड़िये 10 प्रतिशत तथा भेड़ व अन्य छोटे जीव 90 प्रतिशत थे।

4. बूढ़े सियार ने रंगे सियारों को विद्वान, विचारक, कवि तथा लेखक बताया।

5. पंचायत में भेड़ों के हितों की रक्षा के लिए भेड़िये प्रतिनिधि बने।

(ख) 1. बूढ़े सियार ने ध्यानमग्न होकर भेड़िए से कहा, "अब समझ में आ गया मालिक, अगर पंचायत में आपकी भेड़िये जाति का बहुमत हो जाए तो?"

2. बूढ़े सियार ने भेड़िये से तीन बातों का ख्याल रखने को कहा। पहली अपनी हिंसक आँख ऊपर मत उठाना, हमेशा जमीन की ओर देखना, दूसरे कुछ बोलना मत, वरना सारी पोल खुल जाएगी। तीसरी वहाँ बहुत-सी भेड़ें आएँगी, सुन्दर-सुन्दर, मुलायम-मुलायम कहीं किसी को तोड़ मत खाना।

3. पंचायत में भेड़ों ने अपनी हित रक्षा के लिए भेड़िये को चुना, क्योंकि प्रचार के द्वारा उन्हें विश्वास हो गया था कि भेड़िये से बड़ा उनका कोई हित-चिन्तक और हित रक्षक नहीं है।

4. पंचायत में भेड़ियों ने भेड़ों की भलाई के लिए पहला कानून यह बनाया कि भेड़िये को सवेरे नाश्ते के लिए भेड़ का मुलायम बच्चा दिया जाए, दोपहर भोजन में पूरी भेड़ तथा शाम को स्वास्थ्य के ख्याल से कम खाना चाहिए। इसलिए आधी भेड़ दी जाए।

5. (क) जैसे ही पशु-समाज में प्रजातन्त्र की व्यवस्था की घोषणा हुई। उसमें इस क्रान्तिकारी बदलाव से खुशी हुई कि वे अपना मनपसन्द प्रतिनिधि चुन सकेंगें और इस प्रकार उन पर हो रहे अत्याचार में कमी आएगी।

(ख) भेड़िये ने चुनाव में जीत के लिए नाटक किया। वह शाकाहारी बनने का प्रयास करते हुए भेड़ों के सामने अत्यन्त गम्भीरतापूर्वक और विनम्र बनकर सिर झुकाए चल रहा था।

(ग) 1. (ख); 2. (ख); 3. (ग)

(घ) 1. भेड़िये के आस-पास दो-चार सियार रहते हैं।

2. भेड़िये के अपना शिकार खा लेने पर सियार हड्डियों में लगा मांस कुतरकर खाते हैं।

3. सियार भेड़ियों के आस-पास दुम हिलाते चलते हैं, उनकी सेवा करते हैं और मौके-बे-मौके 'हुआँ हुआँ' चिल्लाकर उनकी जय जयकार करते हैं।

भाषा की बात

1. (क) हमसे नहीं खेला जाएगा।
   (ख) माता द्वारा बच्चे को दूध पिलाया गया।
   (ग) बच्चों द्वारा मिठाई खाई गई।
2. (क) बच्चों से कहाँ सोया जाएगा।
   (ख) सीता से आज गाना गाया जाएगा।
3. (क) पशुत्व; (ख) रंगीला; (ग) चालाकी; (घ) जंगलीपन; (ङ) वृद्धावस्था; (च) बुलावा।
4. (क) पुण्य के लिए भूमि – सम्प्रदान तत्पुरुष; (ख) विश्व का मित्र – सम्बन्ध तत्पुरुष; (ग) जन्म की भूमि – सम्बन्ध तत्पुरुष; (घ) अंग के लिए आकार – सम्प्रदान तत्पुरुष।
5. (क) असुरक्षा; (ख) राजतन्त्र; (ग) विशाल; (घ) अल्पमत; (ङ) शोक; (च) गर्व।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. राजतन्त्र में राजा ही शासन का सर्वेसर्वा होता है। वह जैसा चाहता है, करता है। इससे शासन की अधिकांश जनता खुश नहीं रहती है। विभिन्न फैसलों के लिए वह किसी से विचार-विमर्श नहीं करता है।यही इसकी महत्त्वपूर्ण कमी है।
2. भेड़ों के स्थान पर यदि हम होते तो भेड़िये जैसे झूठे, अत्याचारी और नाटककार उम्मीदवार को पहचान लेते और उनकी बात कभी नहीं मानते।

17 पूर्व राष्ट्रपति डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

मौखिक

1. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ० अब्दुल पाकीर जैनुल आब्दीन अब्दुल कलाम था।
2. डॉ० अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, सन् 1931 में हुआ।
3. राष्ट्रपति कलाम देश के विकास में महिलाओं की प्रमुख भागीदारी मानते थे।
4. दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर जाते समय राष्ट्रपति डॉ० अब्दुल कलाम ने उम्लाजी बस्ती के मेंजी हाईस्कूल के लिए वैज्ञानिक उपकरण भेजने का वायदा किया।

लिखित

(क) 1. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ० अब्दुल पाकीर जैनुल आब्दीन अब्दुल कलाम था।

2. कलाम ने ऐसा माहौल तैयार करने को कहा कि महिला वैज्ञानिकों और तकनीशियनों में श्रेष्ठता को बढ़ावा मिले।
3. कलाम ने परमाणु ऊर्जा का प्रयोग शान्तिपूर्ण कार्यों और मानव कल्याण के लिए करने को कहा था।
4. कलाम ने डरबन के गरीब अश्वेत रिहाइशी हाईस्कूल के लिए दो लाख अमेरिकी डालर के उपकरण भेजे।

(ख) 1. डॉ० कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, सन् 1931 में जिला रामेश्वरम (तमिलनाडु) में हुआ था।
2. डॉ० कलाम विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा उन्होंने अपने सभी पक्षों का दायित्व बड़ी कुशलता से निभाया, लेकिन जो पद सबसे महत्त्वपूर्ण है, वह है राष्ट्रपति का। उन्होंने जुलाई, 2002 में भारत के राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया।
3. डॉ० कलाम मानव-कल्याण के लिए बहुत गम्भीर थे। वे मानते थे कि परमाणु ऊर्जा का प्रयोग शान्तिपूर्ण कार्यों व मानव-कल्याण के लिए होना चाहिए। उनका कहना थे कि मानव-कल्याण के लिए कोई रास्ता है, तो वह है शिक्षा। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए प्रत्येक क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए अथक प्रयास किए। देश के विकास में महिलाओं की प्रमुख भागीदारी मानते थे।
4. डॉ० कलाम ने डरबन के गरीब अश्वेत रिहाइशी हाई स्कूल के लिए दो लाख अमेरिकी डॉलर के उपकरण भेजे और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर गए, तो उन्होंने उम्लाजी बस्ती के मेंजी हाईस्कूल के लिए वैज्ञानिक उपकरण भेजने का वादा किया। वे इसी प्रकार अन्य देशों की सहायता करते थे।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ग)

(घ) 1. डॉ० कलाम सन् 2004 में दक्षिण अफ्रीका गए।
2. डॉ० कलाम ने उम्ला जी बस्ती के मेंजी हाईस्कूल के लिए वैज्ञानिक उपकरण भेजने का वादा किया।
3. स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि हमारे छात्र वैज्ञानिक उपकरण भेजने के लिए डॉ० कलाम के बहुत आभारी हैं।

भाषा की बात

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)
2. (क) महान व्यक्ति बचपन से ही अच्छे कार्य करता है।
बचपन में रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविता सुनकर एक विद्वान ने कहा, "होनहार बिरवान के होत चिकने पात?
(ख) आश्चर्यचकित होना
सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखकर दर्शकों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।
(ग) प्रारम्भ करना
अच्छे कार्य का श्री गणेश किसी भी दिन किया जा सकता है।
(घ) अत्याधिक प्यारा
प्रत्येक पुत्र अपनी माँ की आँखों का तारा होता है।
3. (क) अध्यापक; (ख) नास्तिक; (ग) उच्चकुलीन; (घ) फलाहारी; (ङ) अपार

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. हमें अपने देश की प्रगति के लिए एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। हमें महिलाओं का सम्मान करना तथा उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना होगा तथा शिक्षा का प्रत्येक क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करना होगा।
2. देश की प्रगति में वैज्ञानिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान है। इनके प्रयास से प्रत्येक क्षेत्र में नई-नई तकनीकों से प्रगति होती है तथा देश शक्तिशाली बनता है।

18 शिशुनगर

मौखिक

1. गाँव में शिशुओं द्वारा ही सभी काम होते थे, इसलिए उसका नाम शिशुनगर पड़ा।
2. प्रेस के दफ्तर का नाम 'शिशु समाचार' था।
3. बच्चों के सम्बन्ध में अध्यापक की राय थी कि बच्चे अनुभवहीन होते हैं।
4. अध्यापक सम्पादक को देखकर हैरान रह गया, क्योंकि वह एक बच्चा था।

लिखित

(क) 1. अनुवाद इसलिए किया जाता है जिससे सम्बन्धित भाषा के लोग उसे आसानी से पढ़ सके।
2. तीनों साहसी बालक देशाटन से सम्बन्धित थे।
3. सबसे बड़ा कलंक यह है कि हमने अपने भाइयों को अछूत कहकर अपने से दूर कर दिया है।

(ख) 1. शिशु समाचार के लेखन में स्वतन्त्र दृष्टिकोण की बात कही गई है। एक अच्छे समाचार-पत्र के लेखन में स्वतन्त्र दृष्टिकोण अनिवार्य है।
2. तीन बालकों की यात्रा महत्त्वपूर्ण थी, क्योंकि वे देशाटन पर निकले थे और पहाड़, जंगलों आदि से गुजर कर आए थे।
3. अच्छा अनुवाद वह होता है जो दूसरों की भाषा को अपनी भाषा में समझा सके। इसके लिए अच्छा शब्द-ज्ञान तथा व्याकरण की जानकारी होनी चाहिए।
4. छोटे बच्चों को शरीर में छोटे होने के कारण लोग कमजोर समझते हैं। वे समझते हैं कि इनके मस्तिष्क का अभी विकास नहीं हुआ है और इनमें अनुभव की भी कमी है।
5. सम्पादक से मिलने पड़ोसी गाँव के अध्यापक आए। उन्हें शहर जाना था। थकान की वजह से वे वहाँ रूक गए।
6. (क) लेखक ने बताया है कि जिस प्रकार अंधा व्यक्ति किसी वस्तु को नहीं पहचानता इसी प्रकार अनपढ़ व्यक्ति को भी भले-बुरे, अपने-पराए का ज्ञान नहीं होता है।
(ख) यह एक पुरानी कहावत है, अर्थात् छोटे बालक को सदैव शैतान और किसी काम का नहीं समझा जाता।

(ग) 1. (ख); 2. (क); 3. (ख)

(घ) 1. यह बात अध्यापक बच्चों से कह रहा है।
2. वक्ता का आधा जीवन बच्चों को पढ़ाने में गुजर गया।
3. पढ़ने से जानकारी बढ़ती है।

भाषा की बात

1. (क) कूदता है, अकर्मक; (ख) सो रहा है, अकर्मक; (ग) बजा रहे हैं, सकर्मक; (घ) लिखा, सकर्मक; (ङ) करेगा, अकर्मक; (च) रो रहे हैं, अकर्मक।
2. (क) नवयुवती; (ख) वृद्धा; (ग) बच्ची; (घ) औरत; (ङ) अध्यापिका; (च) बालिका; (छ) लेखिका (ज) सम्पादिका।
3.

उद्देश्य	विधेय
(क) लोग	इतनी असावधानी क्यों बरतते हैं।
(ख) हम	स्कूल चलाते हैं और अखबार भी।
(ग) हमें	किसी और की नकल नहीं करनी है।
(घ) वे	तमाम दुनिया इस तरह घूमेंगे।

मूल्याधारित प्रश्न (VBQs)

1. यदि हम शिशुनगर के नागरिक होते तो हम अपने ज्ञान तथा सामर्थ्य के अनुसार भिन्न-भिन्न पात्रों की भूमिका निभाते।
2. यदि हम शिशुनगर के नागरिक होते तो बच्चों को यथासंभव तन, मन और धन से सहयोग करते।